A Daily News Magazine
भोपाल
शुक्रवार , 26 मई, 2023

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 20 अंक 259 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

पाकिस्तान में अस्थिरता भारत और दक्षिण एशिया के लिए ठीक नहीं

रोहिण कुमार

पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट ने पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान की गिरफ्तारी को गैरकानूनी घोषित कर दिया और अल-कादिर ट्रस्ट मामले में उनकी तत्काल रिहाई का आदेश दिया है। आरोप है कि पाकिस्तान सरकार इमरान खान के खिलाफ अजीब और बदले की भावना से सियासी कार्रवाई करने में लगी हुई है।

देश के हालिया घटनाक्रम बताते हैं कि इमरान खान को कभी भी गिरफ्तार किया जा सकता है। पाकिस्तान के गृह मंत्री (इंटीरियर मिनिस्टर) राणा सनाउल्लाह ने एक इंटरव्यू में इमरान खान को 'ब्लफ मास्टर' बताया। उन्होंने इमरान की गिरफ्तारी के बाद देश में भड़की हिंसा का आरोप भी पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर मढ़ा। दूसरी ओर, इमरान खान ने ट्वीट में कहा, 'हमारे लोकतंत्र, हमारी न्यायपालिका, हमारे संविधान और कानून के शासन को मौजूदा फासीवादी सिस्टम ने पूरी तरह से मजाक बना दिया है।' उन्होंने लिखा कि ये सभी राजनीतिक अराजकता सिर्फ पीटीआई को सरकार बनाने से 'रोकने के लिए' फैलाई गई है।

पाकिस्तान जो उदाहरण लगातार पेश कर रहा है, वो बहुत परेशानीजनक है और विशेष रूप से भारत के लिए चिंता का विषय है। पाकिस्तान में जितनी अधिक राजनीतिक अस्थिरता जारी रहेगी, भारत और दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्रों के लिए उतनी ही अधिक चुनौतियां पैदा होंगी। पाकिस्तान के अशांत राजनीतिक इतिहास और राजनीति में पाकिस्तानी सेना के हस्तक्षेप ने हमेशा उसका पड़ोसी देशों और विशेष रूप से भारत के साथ रिश्ते में एक निर्णायक भूमिका निभाई है। देश में राजनीतिक अस्थिरता ने कई बार दोनों देशों के बीच शांति की यथास्थिति पर भी असर डाला है। हालांकि, शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी दोनों ही परमाणु संपन्न देशों की है।

यह भी समझना चाहिए कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज), जिसके ऐतिहासिक रूप से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के साथ पहले अपेक्षाकृत बेहतर संबंध रहे हैं, उनका सामना अभी अटल बिहारी वाजपेयी से नहीं, बल्कि नरेंद्र मोदी से है। नरेंद्र मोदी पाकिस्तान के साथ वाजपेयी की तरह 'भरोसे का कदम' लेने वाले नेता नहीं हैं। वाजपेयी ने संदेह और अविश्वास को दूर करने के लिए एकतरफा राजनयिक हस्तक्षेप किया, चाहे वह लाहौर और दिल्ली के बीच बस सेवाओं को फिर से खोलना हो या पूर्व पाकिस्तानी राष्ट्रपति जनरल मुशर्रफ को कारगिल युद्ध के तुरंत बाद आगरा शिखर सम्मेलन के लिए न्योता देना हो। मोदी की राजनीति जरा हटके है। यह बयानबाजी का मिश्रण है और इसमें जोर सीमा पार ताकत दिखाने में है।

अपने आर्थिक और सुरक्षा हितों के लिए, इमरान खान और शहबाज शरीफ सहित पाकिस्तान की अधिकांश सरकारों ने चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों के साथ बेहतर संबंध बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। हालांकि चीन और अमेरिका दोनों का रणनीतिक सहयोगी भारत रहा है। भारत की विरासत के लिए अभूतपूर्व सम्मान रहा है, दोनों देश ही 'न्यू इंडिया' को लेकर सतर्क भी हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत के रुख ने अमेरिका को थोड़ा पसोपेश में डाला है। उसने पाकिस्तान के साथ बेहतर संबंध बनाने की कोशिश भी की। जबकि भारत-चीन सीमा गतिरोध जारी है। रूस पर कड़ा रुख अपनाकर भारत अपनी सामरिक स्थिति को प्रभावित नहीं करना चाहता है क्योंकि देश की प्रमुख रक्षा आवश्यकताएं अभी भी रूस ही पूरा करता है। इस तरह, चीन और अमेरिका दोनों के लिए, पाकिस्तान एक स्वाभाविक सहयोगी है।

जहां अमेरिका अगले महीने पीएम मोदी की राजनयिक यात्रा की अगवानी करने वाला है, वहीं उसने भारत में धार्मिक स्वतंत्रता पर एक तीखी रिपोर्ट जारी की है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंथनी ब्लिंकेन ने हालांकि प्रेस को अपने संबोधन में भारत का जिक्र नहीं किया, लेकिन इसके बाद की ब्रीफिंग ने भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार हो रहे हमलों पर प्रकाश डाला। इसी समय, भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने पाकिस्तान में परेशान करने वाले राजनीतिक घटनाक्रमों से संबंधित भारतीय चिंताओं को साझा करते हुए कहा, 'हम पाकिस्तान में स्थिरता चाहते हैं।'

धीरे-धीरे, हालांकि रणनीतिक रूप से, भारत और अन्य देशों ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को किसी न किसी रूप में स्वीकार कर लिया है। भारत और तालिबान के बीच भी औपचारिक बातचीत हुई है, जिसमें तालिबान ने भारत को भरोसा दिया है कि वह अपनी धरती को भारत विरोधी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल नहीं होने देगा। अफगानिस्तान से अमेरिका की नाटकीय वापसी ने सरहदों पर चिंताएं बढ़ाई हैं। पाकिस्तान में शहबाज शरीफ की सरकार के माध्यम से अमेरिका ने तालिबान पर नजर रखने की कोशिश की। इसके अलावा, चार दशकों से अधिक समय तक अमेरिका की पाकिस्तान नीति प्रमुख रूप से अफगानिस्तान में उसके युद्ध हितों से प्रेरित थी। पाकिस्तान में उसके रणनीतिक सहयोगी हमेशा खुफिया और सेना रहे हैं, कभी भी कोई चुनी हुई लोकतांत्रिक सरकार नहीं।

इस बीच, रिपोर्ट्स से यह भी संकेत मिलता है कि तालिबान के विदेश मंत्री पाकिस्तानी प्रशासन में आला अफसरों के साथ बैठक कर रहे हैं। ऐसे में ये दोनों प्रशासन भारत के खिलाफ नॉन स्टेट एक्टर्स को बढ़ावा दे सकते हैं। यही एक कारण है कि भारत राजनीतिक रूप से स्थिर पाकिस्तान चाहता है। भारतीय हित इस बात में निहित है कि पाकिस्तान और भारत दोनों ही अफगानिस्तानी तालिबान से निपटने का रास्ता खोजते हैं। क्योंकि तालिबान शासित अफगानिस्तान भारत और पाकिस्तान दोनों के लिए खतरा है। अगर पाकिस्तान अस्थिर रहा तो डूरंड रेखा के भीतर और बाहर चरमपंथियों की हरकतें बढ़ सकती हैं।

शायद आज का पाकिस्तान न केवल सियासी हिचकोले खाने वाला देश है, बल्कि डूबती अर्थव्यवस्था वाला मुल्क भी यह बन गया है। इसलिए, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्रियों - फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती ने सावधान किया है कि राजनीतिक रूप से अस्थिर और आर्थिक रूप से कमजोर पाकिस्तान भारत के लिए खतरा है। दूसरी ओर, भारतीय कश्मीरी थोड़े नाराज, निराश और अपमानित महसूस कर रहे हैं। दोनों देशों के बीच जो सबसे महत्वपूर्ण बात हुई है, वह है नियंत्रण रेखा पर युद्धविराम की घोषणा, जो अब एक वर्ष से अधिक समय से कायम है। भले ही इमरान खान की सरकार हो या शहबाज शरीफ की, उन्होंने हमेशा भारत के साथ बातचीत के लिए तैयार रहने की बात कही है, लेकिन साथ ही सभी वैश्विक मंच पर पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे को उठाने से बाज नहीं आया। हालांकि यह महत्वपूर्ण है कि भारत पाकिस्तान में राजनीतिक घटनाक्रमों पर कड़ी नजर रखे। उसे रणनीतिक रूप से अपने पड़ोसी का समर्थन करने के लिए भी खुला होना चाहिए। उसे अमेरिका या चीन के साथ खुला खेल करने के लिए छोड़ नहीं देना चाहिए।

(दि क्विंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

किसने देखी है
अपने जीवन में
अपनी आँखों से
अपनी मृत्यु

देख पाता है जो
अपने जीवन में
हर क्षण जीते हुए
मृत्यु को
और लड़ता रहता है
उससे हर क्षण

मृत्यु
उसके जीवन की
आँख बन जाती है।

\- दुर्गाप्रसाद झाला

10वीं और 12वीं का रिजल्ट घोषित

इस बार भी बेटियों ने मारी बाजी

इंदौर का मृदुल 10वीं में टॉप, दूसरे स्थान पर इंदौर की प्राची, 12वीं में छिंदवाड़ा की मौली रही अव्वल

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल का 10वीं और 12वीं का रिजल्ट घोषित कर दिया गया है। स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार की ओर से जारी 10वीं रिजल्ट में इंदौर के मृदुल पाल टॉपर रहे हैं। दूसरे नंबर पर इंदौर की ही प्राची गड़वाल रही हैं। 10वीं का कुल परिणाम 63.29 प्रतिशत रहा, जो पिछले साल से 3.75 प्रतिशत अधिक है। टॉप टेन में 254 स्टूडेंट्स ने जगह बनाई है। इंदौर के मृदुल पाल पे प्रदेश में टॉप किया है। मृदुल के माता-पिता ने बेटे की कामयाबी का श्रेय उसकी मेहनत को दिया है। 12वीं कक्षा में छिंदवाड़ा की मौली नेमा ने टॉप किया है। बोर्ड परीक्षाओं के नतीजे दोपहर 12.30 बजे भोपाल विज्ञान प्रशिक्षण केंद्र स्थित ऑडिटोरियम में शिक्षा मंत्री ने जारी किए ।

एमपी बोर्ड 10वीं में 63.29 प्रतिशत बच्चे पास- मंडल मुख्यालय के विज्ञान प्रशिक्षण केंद्र स्थित ऑडिटोरियम में स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने जारी किया। रिजल्ट 63.29 प्रतिशत रहा। यह पिछले साल से 3.75 प्रतिशत अधिक है। इस बार भी बेटियों ने बाजी मारी है। टॉप टेन में 254 स्टूडेंट आए हैं।

यह हैं प्रथम,द्वितीय, तृतीय – इंदौर के मृदुल पाल प्रदेश में टॉपर रहे। दूसरे नंबर पर इंदौर की प्राची गडवाल, सीधी की कीर्ति प्रभा और नरसिंहपुर की स्नेहा लोधी रहीं। तीसरे नंबर पर अनुभव गुप्ता उमरिया, अभिषेक परमार अकोदिया, उन्नति अग्रवाल टीकमगढ़, राधा साहू डबरा, सुक्षिशा कटारे और प्रिया ठाकरे रही। प्राइवेट (स्वाध्यायी) स्टूडेंट्स का रिजल्ट 17.11 प्रतिशत रहा। इनमें भी छात्राओं ने बाजी मारी।

10वीं में प्रमोशन देने का निर्णय गलत रहा- शिक्षा मंत्री- स्कूल शिक्षा मंत्री परमार ने कहा- 10वीं में प्रमोशन देने का निर्णय गलत रहा, इसलिए 12वीं का परिणाम पिछले साल की तुलना में ठीक नहीं रहा। फेल हुए बच्चों को फिर मौका मिलेगा। वे जून में रुक जाना नहीं योजना के तहत परीक्षा दे सकेंगे। हम भी प्रदेश में और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का काम करेंगे।

3852 सेंटर्स पर 9.65 हजार स्टूडेंट्स ने दी थी परीक्षा

10वीं की परीक्षा में 9 लाख 65 हजार परीक्षार्थी बैठे थे। परीक्षा के लिए इस बार प्रदेशभर में 3852 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। इनमें 3099 सरकारी और 753 प्राइवेट स्कूल शामिल हैं। 10वीं की परीक्षा 1 से 27 मार्च तक हुई। बोर्ड ने 52 सेंटर्स पर 10वीं की 57.04 लाख कॉपियां जांची। इस बार 10वीं-12वीं का परिणाम एक साथ जारी किया गया। मेधावी विद्यार्थियों को रिजल्ट की घोषणा के मौके पर नहीं बुलाया गया है।

'रुक जाना नहीं योजना' असफल छात्रों को जून में दोबारा परीक्षा देने का मौका मिलेगा: सीएम शिवराज

10वीं और 12वीं के नतीजे जारी होने से पहले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्टूडेंट्स को वीडियो संदेश दिया। उन्होंने कहा- प्यारे भांजे और भांजियों, यदि असफल भी हो जाओ तो चिंता नहीं करना। 'रुक जाना नहीं योजना' के जरिए आपको जून में एक बार फिर परीक्षा देने का मौका मिलेगा।

तीन देशों की यात्रा कर दिल्ली लौटे प्रधानमंत्री मोदी

बोले-ऑस्ट्रेलिया के भारतीय इवेंट में वहां का पक्ष-विपक्ष साथ बैठा, ये लोकतंत्र की आत्मा है

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन देशों की यात्रा के बाद गुरुवार सुबह दिल्ली लौट आए। पालम एयरपोर्ट पर पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उनका स्वागत किया। यहां उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की आत्मा क्या होती है, लोकतंत्र का सामर्थ्य क्या है, यह ऑस्ट्रेलिया में हुए भारतीय इवेंट को देखकर समझा जा सकता है। वे बोले कि ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय के बीच जो समारोह हुआ, उसमें वहां के पीएम, पूर्व पीएम, सत्ता पक्ष के सांसद और पूरा विपक्ष शामिल हुआ था। ये वहां का लोकतंत्र है। इस इवेंट में सत्ता और विपक्ष दोनों ने भारत के प्रतिनिधि को सम्मान दिया। दरअसल, बुधवार को कांग्रेस समेत 19 दलों ने देश की नई पार्लियामेंट बिल्डिंग के उद्घाटन के बायकॉट का ऐलान किया था।

पीएम ने देहरादून-दिल्ली वंदे भारत को दिखाई हरी झंडी

प्रधानमंत्री बोले-अब देश वंदे भारत की स्पीड से आगे बढ़ रहा

देहरादून (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को उत्तराखंड की पहली और देश की 18वीं वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड का विकास भारत के विकास में भी मदद करेगा। देश अब रुकने वाला नहीं है, वह वंदे भारत की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है और बढ़ता जाएगा। देहरादून से दिल्ली तक जाने वाली यह ट्रेन इस साल लॉन्च हुई 5वीं वंदे भारत ट्रेन है। इसके साथ ही उत्तराखंड रेलवे का 100 फीसदी विद्युतीकरण भी पूरा हो चुका है। वंदे भारत के उद्घाटन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि- पिछली सरकारें केवल अपने साम्राज्य की परवाह करती थीं। आम आदमी उनकी प्राथमिकता में नहीं था। पहले की सरकार ने केवल वादे किए, लेकिन उन्हें कभी पूरा नहीं किया। हमने सभी वादों को पूरा किया।

सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई संसद का इनॉग्रेशन राष्ट्रपति करें

- समारोह का 20 विपक्षी पार्टियों ने बहिष्कार किया, 17 दल शामिल होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के नए भवन के इनॉग्रेशन पर विवाद थम नहीं रहा है। कुल 40 पार्टियों में से कांग्रेस समेत 20 विपक्षी पार्टियों ने इसके बहिष्कार का ऐलान किया है। उधर, भाजपा समेत 17 पार्टियों ने सरकार के न्योते को स्वीकार कर लिया है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट में राष्ट्रपति से नई संसद का उद्घाटन कराने का निर्देश देने वाली याचिका दायर की गई है। याचिकाकर्ता का कहना है कि लोकसभा सचिवालय ने राष्ट्रपति को उद्घाटन के लिए आमंत्रित नहीं करके संविधान का उल्लंघन किया है। विपक्ष का कहना है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को दरकिनार कर प्रधानमंत्री से इसका इनॉग्रेशन कराने का निर्णय न केवल गंभीर अपमान है, बल्कि यह लोकतंत्र पर भी सीधा हमला है। बुधवार को विपक्षी दलों के संयुक्त बयान में कहा गया कि इस सरकार में संसद से लोकतंत्र की आत्मा को निकाल दिया गया है। ऐसे में नए भवन का कोई मतलब नहीं है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, कल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रांची में देश के सबसे बड़े न्यायिक परिसर का इनॉग्रेशन किया। यह एक व्यक्ति के अहंकार और आत्म-प्रचार की इच्छा है, जिसने पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति को 28 मई को नए संसद भवन का इनॉग्रेशन करने के संवैधानिक विशेषाधिकार से वंचित कर दिया है। गुलाम नबी आजाद ने कहा कि जहां तक नया संसद भवन बनाने की बात है तो यह नई बात नहीं है। यह 32 साल पहले कांग्रेस की ही सोच थी। अब कोई इसका बहिष्कार करता है या उद्घाटन समारोह में नहीं जाता है तो इस पर उन्हें कोई टिप्पणी नहीं करनी है। नए भवन का निर्माण जरूरी था और यह अच्छा है कि अब यह बन गया है।

सरकार को मिला बीएसपी का साथ

- विपक्ष के बहिष्कार को बताया गलत, लगाया राजनीति करने का आरोप

लखनऊ (एजेंसी)। देश की नई संसद बनकर तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को इसका उद्घाटन करने वाले हैं। लेकिन विपक्षी दल नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ लामबंद हैं। उनका कहना है कि संसद का उद्घाटन राष्ट्रपति को करना चाहिए। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी समेत सभी प्रमुख दल अपना विरोध जता रहे हैं, ऐसे में मायावती ने मोदी सरकार के इस कदम का स्वागत किया है।

गुरुवार को मायावती ने इस मसले पर तीन ट्वीट किए। अपने पहले ट्वीट में उन्होंने लिखा, केन्द्र में पहले चाहे कांग्रेस पार्टी की सरकार रही हो या अब वर्तमान में बीजेपी की, बीएसपी ने देश व जनहित निहित मुद्दों पर हमेशा दलगत राजनीति से ऊपर उठकर उनका समर्थन किया है। 28 मई को संसद के नये भवन के उद्घाटन को भी पार्टी इसी संदर्भ में देखते हुए इसका स्वागत करती है। मायावती ने दूसरे ट्वीट में लिखा है, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी द्वारा नए संसद का उद्घाटन नहीं कराए जाने को लेकर बहिष्कार अनुचित है।

कूनो में दो और चीतों की मौत, एक गंभीर

मादा चीता ज्वाला के दो शावकों ने तोड़ा दम ; दो महीने में 6 चीतों की गई जान, 18 बचे

श्योपुर (नप्र)। मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में 2 और चीतों की मौत हो गई। गुरुवार को मादा चीता ज्वाला के 2 शावकों ने दम तोड़ दिया। इससे पहले मंगलवार को एक शावक की मौत हुई थी। चीता ज्वाला ने 27 मार्च को चार शावकों को जन्म दिया था। इनमें से अब एक ही शावक बचा है। कूनो में दो महीने में छह चीतों की मौत हो चुकी है।

पीसीसीएफ जेएस चौहान ने बताया कि कूनो नेशनल पार्क में एक शावक की मौत के बाद 3 अन्य शावकों की स्थिति भी ठीक नहीं लग रही थी, इसे ध्यान में रखते हुए कूनो वन्य प्राणी चिकित्सकों की देखरेख में तीनों शावकों को रखा गया था। अधिक तापमान होने और लू के चलते इनकी तबीयत खराब होने की बात सामने आई है। गुरुवार को इलाज के दौरान इनमें से दो की मौत हो गई है। एक की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।

कूनो में अब 18 चीते ही बचे- पहली खेप में नामीबिया से 8 चीतों को कूनो नेशनल पार्क लाया गया था। 17 सितंबर को अपने जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन्हें बाड़े में रिलीज किया था। इसके बाद 18 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका से 12 और चीते कूनो लाए गए थे। नामीबिया से लाई गई मादा चीता ज्वाला ने 4 शावकों को जन्म दिया था। पहले 3 चीतों और फिर एक-एक कर 3 चीता शावकों की मौत हो गई। अब कूनो में 18 चीते ही रह गए हैं।

कमजोर, कम वजन और डिहाइड्रेटेड पाए गए थे शावक

मादा चीता ज्वाला स्वस्थ है। उसकी सेहत पर लगातार नजर रखी जा रही है। कूनो प्रबंधन ने बताया कि उसके सभी शावक कमजोर, सामान्य से कम वजन और बहुत डिहाइड्रेटेड थे। ज्वाला पहली बार मां बनी है। चीता शावकों की उम्र लगभग 8 हफ्ते है। इस उम्र में वे चीजों को समझने की कोशिश करते हैं और मां के साथ लगातार चलते हैं। शावकों ने अभी लगभग 8-10 दिन पहले ही मां ज्वाला के साथ घूमना शुरू किया था।

कब-कब हुई चीतों की मौत

- 26 मार्च को नामीबिया से लाई गई मादा चीता साशा की मौत
- 23 अप्रैल को साउथ अफ्रीका से लाए गए चीता उदय की मौत
- 9 मई को दक्षिण अफ्रीका से लाई गई मादा चीता दक्षा की मौत
- 23 मई को नामीबिया से लाई गई ज्वाला के एक शावक की मौत
- 25 मई को ज्वाला के दो और शावकों की मौत

भोपाल का तापमान
अधिकतम 43 °c
न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 26 मई 2023

> जब प्रलय का समय आता है तो समुद्र भी अपनी मर्यादा छोड़कर किनारों को छोड़ अथवा तोड़ जाते है, लेकिन सज्जन पुरुष प्रलय के समान भयंकर आपत्ति एवं विपत्ति में भी अपनी मर्यादा नहीं बदलते।
>
> विदुर नीति

डॉ. जवाहर कर्नावट केंद्रीय हिंदी संस्थान, शिक्षा मंत्रालय द्वारा सम्मानित

भोपाल। प्रदेश के प्रसिद्ध लेखक एवं वक्ता डॉ. जवाहर कर्नावट को केंद्रीय हिंदी संस्थान, शिक्षा मंत्रालय द्वारा आगरा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय भाषा उत्सव में सम्मानित किया गया। डॉक्टर कर्नावट को संस्थान की गतिविधियों तथा वैश्विक स्तर पर हिंदी के प्रचार- प्रसार में योगदान के लिए संस्थान के उपाध्यक्ष श्री अनिल जोशी, निदेशक श्री सुनील कुलकर्णी, पूर्व निदेशक डॉ वीणा शर्मा ने उत्सव के उद्घाटन सत्र में सम्मान प्रदान किया । इस अवसर पर शिक्षा मंत्रालय की उप सचिव श्रीमती सुमन दीक्षित, पद्मश्री प्रो. हरमंदर सिंह बेदी ,कुलाधिपति, हिमाचल केंद्रीय विश्वविद्यालय, श्री श्रीधर पराड़कर, संगठन मंत्री अखिल भारतीय साहित्य परिषद आदि गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों उन्हें भारत सरकार द्वारा विश्व हिंदी सम्मान से सम्मानित किया गया तथा लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में उनके शोध कार्य को भी शामिल किया गया है।

सेंगोल की गदा से शाह ने विपक्ष को कर दिया तितर-बितर

● 19 पार्टियों की एकता भी 'बेकार', 28 मई को पीएम करेंगे उद्घाटन ● वायएसआर कांग्रेस पार्टी और बीजू जनता दल उद्घाटन में शामिल होंगे ● बीएसपी, टीडीपी, अकाली दल भी विपक्ष के साथ नजर नहीं आ रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह के बॉयकॉट को लेकर 19 राजनीतिक दल एकजुट क्या हुए, कयास लगना शुरू हो गया कि इस मसले पर विपक्षी एकता दिख रही है। इस एकता को 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर देखा जाने लगा है लेकिन यह एकता कितने समय तक टिक पाएगी कुछ नहीं कहा जा सकता, क्योंकि कुछ विपक्षी दल इस मसले पर अब धीरे-धीरे केंद्र सरकार का साथ देते हुए नजर आ रहे हैं।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की अगुवाई वाली वाईएसआर कांग्रेस पार्टी नए संसद भवन के उद्घाटन के बहिष्कार में विपक्षी दलों के साथ नहीं आएगी। वहीं ओडिशा में नवीन पटनायक

की अगुवाई वाली बीजू जनता दल ने भी नए संसद भवन के उद्घाटन में शामिल होने का ऐलान किया है। इसके अलावा भारत राष्ट्र समिति के सांसद जल्द फैसला करेंगे। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि विपक्षी एकता कितनी मजबूत है। इससे पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बताया था कि नए संसद भवन में सेंगोल (राजदंड) की स्थापना की जाएगी। शाह ने बताया कि संसद भवन के उद्घाटन के साथ ही एक ऐतिहासिक परपंरा भी फिर से जीवित होगी। उधर राजनीतिक जानकारों ने तंज कसा है कि सेंगोल की गदा से अमित शाह ने विपक्ष को तितर-बितर करने की कवायद शुरू कर ही है। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर विपक्ष, बीजेपी के खिलाफ लामबंद होने का दावा कर रहा है। विपक्ष का दावा है कि वह बीजेपी को मात देने की तैयारी में जुटा है। लेकिन राजनीतिक जानकारों का कहना है कि विपक्ष एकजुटता का एक मैसेज तक तो देश के आगे रखने सफल नहीं हो पाया है। ऐसे में लोकसभा चुनावों में सीटों के बंटवारा किस आधार पर करेंगे।

दुख और संघर्ष ही आदमी को मांजते हैं रचनारत करते हैं : डॉ. प्रतापराव कदम

नई दिल्ली। रचनाकार को दुःख और संघर्ष ही मांजते हैं, रचनारत करते हैं, प्रेरित करते हैं,सुखी आदमी पर आप क्या लिख सकते हैं ? कितना लिख सकते हैं ? सब सुखी आदमी एकसे होते हैं उनपर ज्यादा नहीं लिखा जा सकता पर दुःख कितने तरह का होता है,कितनी वजह होती है दुःख की ,वहीं लिखवाता है,वही संवेदना को झकझोरता है, दुःख कसौटी भी होता है संबंध को परखने की, इसके अलावा एक कवि किन्हीं संदर्भ में एक पुलिसकर्मी भी होता है जो निरंतर स्वयं की तफ्तीश करता है , स्वयं पर निगाह रखता है और स्वयं को कटघरे में भी खड़ा करता है उक्त विचार साहित्यकार प्रतापराव कदम ने इंडिया इंटरनेशनल सेंटर,नई दिल्ली में वाणी प्रकाशन द्वारा आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में कवि व वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी तेजेन्द्र सिंह लूथरा के काव्य संग्रह एक नया ईश्वर को लोकार्पित करते मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किये। वरिष्ठ कवि ,कला विशेषज्ञ प्रयाग शुक्ल ने अपनी बात रखते कहा कि सही रचना अपने समय के उठाये प्रश्न की अनदेखी नहीं कर सकती । कवियत्री गगन गिल ने कहा संवेदनशील अधिकारी ही रचना लिखी सकता है। डॉ सुधा उपाध्याय, डॉ कारण शुक्ला ने भी अपने विचार व्यक्त किये। संचालन ओम निश्चल ने किया,इस अवसर पर विमोचित काव्य संग्रह के कवि तेजेन्द्र सिंह लूथरा का काव्य पाठ भी हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में वाणी प्रकाशन कि ओर से आमंत्रित अतिथियों का स्वागत व स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। बहुत बड़ी संख्या में साहित्यकार, पत्रकार व अधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

कर्नाटक सरकार ने दिया हिजाब से जल्द बैन हटाने का संकेत

नई दिल्ली/चंडीगढ़ (एजेंसी)। कर्नाटक में सीएम सिद्धारमैया की सरकार ने राज्य के स्कूल-कॉलेजों में लगे हिजाब बैन को हटाने के संकेत दिए हैं। कैबिनेट में मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा है कि उनकी सरकार ऐसे हर कानून की समीक्षा करेगी, जो असंवैधानिक हैं और किसी व्यक्ति के अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। अगर ये कानून राज्य की छवि को प्रभावित करते हैं तो इन्हें खत्म किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि हम अपने रुख पर बहुत स्पष्ट हैं, हम पिछली सरकार में पारित उन सभी विधेयकों, सर्कुलर का रिव्यू करेंगे, जो आर्थिक नीतियों के खिलाफ हैं। अगर वे असंवैधानिक हैं तो जरूरत पड़ने पर उन्हें खारिज कर दिया जाएगा। प्रियांक का बयान उन खबरों पर आया जिसमें यह दावा किया गया है कि स्कूल-कॉलेज में लगा हिजाब बैन को हटाया जा सकता है। प्रियांक ने मेनिफेस्टो की घोषणाओं के मुताबिक बजरंग दल बैन के सवाल पर

कहा, कोई भी संगठन, धार्मिक, राजनीतिक या सामाजिक, जो कर्नाटक में असंतोष और नफरत के बीज बोएगा, उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम कानूनी और संवैधानिक रूप से उनसे निपटेंगे। चाहे वह बजरंग दल, पीएफआई या कोई अन्य संगठन हो। यदि वे कर्नाटक में कानून और व्यवस्था के लिए खतरा बन रहे हैं, तो हम उन्हें बैन करने में संकोच नहीं करेंगे। खड़गे ने बताया कि हिजाब सर्कुलर लागू होने के बाद से कम से कम 18 हजार अल्पसंख्यक स्कूल से बाहर हो गए हैं। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि वे मुख्यधारा में वापस आएं और अपनी शिक्षा जारी रखें।

नई दिल्ली में सीनियर कांग्रेस नेताओं से मिले सिद्धारमैया-डीके

● कैबिनेट विस्तार पर चर्चा की ; पार्टी अध्यक्ष खड़गे से भी मुलाकात संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने गुरुवार को कर्नाटक के इंचार्ज रणदीप सुरजेवाला और पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल के साथ मीटिंग की। पार्टी के वॉर रूम 15, गुरुद्वारा रकाबगंज रोड में हुई मीटिंग में स्टेट कैबिनेट के विस्तार पर चर्चा हुई। इससे पहले सिद्धारमैया और डीके ने वेणुगोपाल के साथ उनके निवास पर चर्चा की

थी। दोनों नेता आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत अन्य नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं। कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार बुधवार को ही दिल्ली पहुंच गए थे। वहीं, सिद्धारमैया रात को दिल्ली पहुंचे। डीके ने दिल्ली पहुंचकर पार्टी के भीतर फूट की अफवाहों को नकार दिया। उन्होंने कहा कि स्टेट पार्टी प्रेसीडेंट के तौर पर मैं बता सकता हूं कि ऐसा कुछ नहीं है। कोई भी अंदरूनी मुद्दा नहीं है।

अब जितनी जरूरत उतनी ही दवा ले सकेंगे आप

● कंज्यूमर अफेयर्स मिनिस्ट्री बना रही है नया प्लान, जल्द होगा लागू ● दवा का पूरा पत्ता लेना जरूरी नहीं, हर हिस्से में होगी पूरी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आप केमिस्ट से कोई दवा मांगते हैं तो अक्सर वह पूरा पत्ता खरीदने को कहता है। लेकिन जल्दी ही यह स्थिति बदल सकती है। आप टैबलेट या कैप्सूल का पूरा पत्ता लेने के बजाय उतनी ही गोलियां खरीद सकते हैं जितनी आपको जरूरत है। कंज्यूमर अफेयर्स मिनिस्ट्री इस बारे में एक प्लान बना रही है। इसके मुताबिक दवा के पत्ते के हर हिस्से में मैन्यूफैक्चरिंग और

● पत्ते में दिखेगी एक्सपायरी डेट और टैबलेट पर होगा क्यूआर कोड

एक्सपायरी डेट दिखेगी। इस तरह अगर आप स्ट्रिप से एकाध टैबलेट भी लेते हैं तो उसमें हर तरह की डिटेल होगी। मिनिस्ट्री इस बारे में इंडस्ट्री के साथ मिलकर काम कर रही है। साथ ही दवा के पत्ते के दोनों तरफ या हर टैबलेट पर क्यूआर कोड छापने के विकल्प पर भी विचार किया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि इंडस्ट्री के साथ सलाह-मशविरे के साथ इन विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। अक्सर केमिस्ट ग्राहकों से एकाध टैबलेट लेने के बजाय पूरा पत्ता लेने को कहते हैं।

यूपी-पंजाब समेत 5 राज्यों के छात्र ऑस्ट्रेलिया में बैन

यूनिवर्सिटीज का एडमीशन से इनकार, बोलीं- स्टूडेंट वीजा पर आते हैं और नौकरी करने लगते हैं

कैनबरा (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की कई यूनिवर्सिटीज ने भारत के 4 राज्यों और यूटी जम्मू-कश्मीर के छात्रों के एडमीशन पर बैन लगा दिया है। ऑस्ट्रेलियन न्यूज पेपर सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया की 2 बड़ी यूनिवर्सिटी ने अपने एजुकेशन एजेंट्स को पिछले हफ्ते एक लेटर लिखा था। इसमें पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के छात्रों का दाखिला नहीं करने का निर्देश दिया गया था। ऑस्ट्रेलिया का होम

अफेयर डिपार्टमेंट कश्मीर समेत इन 4 राज्यों के छात्रों की वीजा एप्लिकेशन लगातार खारिज कर रहा है। पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया की 4 यूनिवर्सिटी ने भारतीय छात्रों पर आरोप लगाए थे कि वो स्टूडेंट वीजा का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। कहा था- लोग स्टूडेंट वीजा लेकर पढ़ने की बजाय नौकरी के लिए ऑस्ट्रेलिया आ रहे हैं। वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी ने बताया कि 2022 में कई भारतीय छात्रों ने दाखिले कराए, लेकिन पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। यूनिवर्सिटी ने एजेंट्स को बताया कि ऐसा करने वालों में ज्यादातर स्टूडेंट्स पंजाब, गुजरात और हरियाणा से हैं। इन राज्यों के छात्रों पर लगा बैन जून तक जारी रहेगा। आगे ऐसा होने से रोकने के लिए दाखिले की पॉलिसी को और सख्त बनाया जा रहा है। होम अफेयर्स डिपार्टमेंट की रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत से आने वाली हर 4 में से 1 स्टूडेंट वीजा की एप्लिकेशन फ्रॉड है।

रूस की पीठ में खंजर घोंप रहा 'दोस्त' चीन !

यूक्रेन को देगा हथियार, पाकिस्तान के रास्ते हथियार बेच कमाएगा पैसा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच पाकिस्तान डबल गेम खेल रहा है और दोनों ही पक्षों से जमकर डॉलर कमा रहा है। पाकिस्तान के इस नापाक खेल में अब चीन भी शामिल हो गया है। दरअसल, कंगाल पाकिस्तान यूक्रेन को मिसाइलें, तोप के गोल और टी-80 टैंकों की सप्लाई करके पश्चिमी देशों से जमकर पैसा बना रहा है। वहीं पाकिस्तान ने रूस के साथ सस्ते तेल का समझौता किया है। तेल का यह समझौता ठीक उसी तरह से है जैसे रूस ने भारत के साथ किया है। अब चीन की कंपनी पाकिस्तान के रास्ते यूक्रेन को हथियार बेचकर पैसा कमाने जा रही है। चीन पर पहले ही आरोप लगे हैं कि वह रूस को हथियारों की मदद कर रहा है। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने पोलैंड के रास्ते यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति की है। अब पाकिस्तानी सरकार पोलैंड में एक डिफेंस ट्रेडिंग फर्म स्थापित कर रही है जिससे हथियारों की सप्लाई आसान हो जाएगी।

सांपनाथ और नागनाथ मिल जाएं तो जहर ही उगलेंगे

केजरीवाल और ठाकरे की मुलाकात पर देवेंद्र फडणवीस का तंज

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में बुधवार की दोपहर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने मातोश्री में पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के साथ मुलाकात की थी। अरविंद केजरीवाल और उद्धव ठाकरे ने एक जॉइंट प्रेस कांफ्रेंस में केंद्र और राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा था। अब इस मुद्दे पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने पलटवार किया है। अरविंद केजरीवाल और उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए देवेंद्र फडणवीस ने उन्हें सांपनाथ और नागनाथ तक कह दिया। दरअसल मीडिया ने दोनों की मुलाकात को लेकर फडणवीस से सवाल किया था। जिसका जवाब देते हुए देवेंद्र फडणवीस ने कहा, जब सांपनाथ और नागनाथ मिल जायेंगे तो क्या होगा जहर ही उगलेंगे। हालांकि, बाद में उन्होंने यह भी कहा कि वह सिर्फ एक मुहावरा कह रहे हैं। वह किसी पर व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं कर रहे हैं। नए संसद भवन के उद्घाटन के मुद्दे पर जब देवेंद्र फडणवीस से यह सवाल किया गया कि उद्धव ठाकरे भी संसद भवन के लोकार्पण समारोह में नहीं जा रहे हैं।

गहलोत-पायलट की खींचतान पर रंधावा बोले-हम कंट्रोल करेंगे

● कहा-पायलट ने कांग्रेस को अल्टीमेटम नहीं दिया,आज की बैठक में शामिल होंगे सचिन

जयपुर (एजेंसी)। कांग्रेस में सीएम अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के बीच जारी सियासी जंग को प्रदेश प्रभारी ने कंट्रोल करने का दावा किया है। चुनावी साल में कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई को रंधावा ने कंट्रोल करने की बात कही है। रंधावा ने कहा- जिस पार्टी जिस घर में कुछ होता है लड़ाई उसी में होती है। जिस पार्टी, जिस घर में कुछ होता नहीं है तो उसमें तो क्या होगा। लड़ाई को हम कंट्रोल करेंगे। रंधावा जयपुर सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। दिल्ली में कल चुनावी रणनीति तय करने के लिए बुलाई गई कांग्रेस की बैठक में सचिन पायलट के शामिल होने के सवाल पर रंधावा ने कहा- इस पर आपको कोई शक है। वे कांग्रेस पार्टी के नेता नहीं हैं क्या। कल आप बैठक में देख लेना जवाब मिल जाएगा। सचिन पायलट के अल्टीमेटम पर रंधावा ने कहा- पायलट ने कांग्रेस को कोई अल्टीमेटम नहीं दिया है। जिन्हें अल्टीमेटम दिया है वे इसका जवाब देंगे।

बिहार के 'योगी' बनने की तैयारी में सम्राट चौधरी

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के भाषण में छिपी है 2025 वाली प्लानिंग

दरभंगा (एजेंसी)। बीजेपी ने भले सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषित नहीं किया हो, लेकिन राजनीति में मौका प्राप्त कर चुके अब सम्राट मत चूको चौहान की तर्ज पर तेजी से लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाने लगे हैं। इसकी वजह भी है। दरअसल, सम्राट जानते हैं कि आगामी लोकसभा चुनाव परिणाम खास कर बिहार के संदर्भ में उनके राजनीतिक कद का लिटमस टेस्ट है। और वह हर हाल में अपने बयान के जरिए राज्य की जनता की जुबान पर चढ़े भी रहना चाहते हैं। बयान में भी स्पष्ट हैं सम्राट चौधरी। उनकी हमले की तोप का निशाना नीतिश ही हैं। बीजेपी की सरकार बनते ही अपराधियों को जेल तो भेजेंगे ही मिट्टी के अंदर भी भेज देंगे। सम्राट ने जनता से भी हामी भरवाई। पूछा, गुंडों को कहां जाना है। जवाब मिला जेल के अंदर। तब जवाब देते बीजेपी अध्यक्ष ने कहा कि गुंडे जेल नहीं तो मिट्टी के अंदर जायेंगे। सिर्फ जेल के अंदर जाने से काम नहीं चलेगा। आज नीतिश कुमार क्या कर रहे हैं...जितने भी अपराधी हैं उन्हें जेल से बाहर ला रहे हैं।

दरअसल, उत्तरप्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ का पथ गामी बन कर बिहार को भी अपराधी मुक्त का राग अलाप ही नहीं रहे हैं, बल्कि अपने इस रूप में खुद को सीएम के पद की दावेदारी भी दिखा रहे हैं। नीतिश कुमार मेमोरी लॉस के शिकार हो गए हैं। जार्ज साहब के साथ नीतिश कुमार ने जो पाप किया उसी की फल है कि इनकी यादाश्त खत्म हो गई। आजकल तो यह हो गया है, गजनी फिल्म देखें हैं न आप लोग। उसके हीरो को क्या होता है..मेमेरी लॉस। बीच-बीच में यादाश्त भूल जाता है। आजकल हम लोगों के मुख्यमंत्री का मेमोरी लॉस हो गया है। दरभंगा की जनसभा में उन्होंने खुद को प्रधानमंत्री बता डाला। हुआ यह कि उनके पास उनके प्रधान सचिव खड़े थे। उनकी तरफ इशारा कर कहा कि ये प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव हैं। बिहार के लोगों को नीतिश कुमार ने शराबी बना दिया है। बिहार में लाखों शराब की दुकान होम डिलीवरी के तौर पर चल रही है, जिसे सिर्फ जेडीयू के लोग या तो पीते हैं या बेचते हैं।

उज्जैन में 10वीं के छात्र ने किया सुसाइड, सप्लीमेंट्री आई थी

आगर में 12वीं में फेल होने पर छात्रा ने खाया जहर

भोपाल (नप्र)। उज्जैन में घट्टिया थाना क्षेत्र के उज्जैनिया गांव में 10वीं के छात्र ने सुसाइड कर लिया। बताया जा रहा है कि गुरुवार को आए रिजल्ट में उसकी सामाजिक विज्ञान विषय में सप्लीमेंट्री आई थी। इस कारण वह दुखी थी।

उज्जैनिया गांव में रहने वाला छात्र शिवराज सिंह (15) पिता नरेंद्र सिंह पंवार 10वीं का छात्र था। गुरुवार को एमपी बोर्ड ने रिजल्ट जारी किया। इसमें सामाजिक विज्ञान विषय में वह फेल हो गया था। दोपहर करीब एक बजे उसका शव फंदे पर मिला। परिजन उसे अस्पताल लेकर गए, जहां मृत घोषित कर दिया। घटना के समय घर पर वह अकेला था। परिवार गांव में स्थित कृष्ण मंदिर पर कलश स्थापना के कार्यक्रम में शामिल होने गया था। मामले में माधव नगर थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया है। इधर, जबलपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र में रहने वाली 10वीं की छात्र फेल होने के बाद घर से लापता हो गई। तृप्ति चौकसे नाम की छात्रा ने प्राइवेट एग्जाम दिया था। उसने जैसे ही, ऑनलाइन रिजल्ट देखा, तो वह उसमें फेल हो गई थी। इसके बाद से ही तृप्ति घर से बिना बताए कहीं चली गई। परिवार उसकी तलाश में जुटा है।

आगर में 12वीं की छात्रा ने खाया जहर

आगर में 12वीं के रिजल्ट में फेल होने पर छात्रा ने जहर खा लिया। छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लड़की माकड़ोन तहसील के ग्राम झुमकी की रहने वाली है। वह माकड़ोन के सरकारी स्कूल में 12वीं की छात्रा है। लड़की के मामा राधेश्याम मालवीय ने बताया कि गुरुवार को 12वीं का रिजल्ट घोषित हुआ है। छात्रा ने मोबाइल पर रिजल्ट देखा। इसमें वह फेल हो गई। इससे दुखी होकर उसने जहर खा लिया।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी का गठन

भोपाल (नप्र)। राज्य स्तर पर उच्च स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी का गठन मुख्य सचिव की अध्यक्षता में किया गया है। इसका गठन राज्य शासन ने सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सांख्यिकी सुदृढ़ीकरण के लिए सब स्कीम के तहत किया है। समिति में अपर मुख्य सचिव वित्त, प्रमुख सचिव योजना,आर्थिक सांख्यिकी,विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी/प्रबंध संचालक, एम.पी.एस.ई.डी.सी. सदस्य होंगें। आयुक्त,आर्थिक एवं सांख्यिकी सदस्य सचिव होंगे।

स्कीम के कार्यान्वयन के लिए राज्य स्तरीय समिति सर्वोच्च होगी। समिति स्कीम में की जानी वाली गतिविधियों को अंतिम मंजूरी देगी। इसके बाद केन्द्र स्तर की हाई पावर स्टीयरिंग कमेटी को अनुमोदन एवं एम.ओ.यू. के लिए भेजेगी। यह समिति राज्य स्तर पर प्रक्रियाओं के अनुमोदन एवं लागू की गई गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए निर्णय लेकर समस्याओं का निराकरण करेगी।

समिति इस सब स्कीम में भागीदारी करने वाले विभागों/संस्थाओं, आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय में समन्वय एवं तेज गति से कार्यान्वयन को सुनिश्चित करेगी।

नगरीय निकाय एवं पंचायत निर्वाचन के लिए मास्टर ट्रेनर्स की नियुक्ति के निर्देश

भोपाल (नप्र)। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने संबंधित जिलों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि नगरीय निकायों एवं पंचायतों के आम/उप निर्वाचन-2023 पूर्वाद्ध के लिए लगाये जाने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के लिए जिला एवं ब्लाक स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स और नोडल अधिकारी की नियुक्ति शीघ्र करें।

श्री सिंह ने कहा है कि निर्वाचन ड्यूटी में लगाये जाने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों को मास्टर ट्रेनर्स द्वारा नाम निर्देशन-पत्र प्रस्तुति, संवीक्षा एवं प्रतीक आवंटन, चुनाव में पीठासीन / मतदान अधिकारियों के कर्तव्य एवं दायित्व, ईव्हीएम की कार्य-प्रणाली एवं संचालन प्रक्रिया, ईव्हीएम का रेण्डमाइजेशन, एफएलसी कमीशनिंग एवं मशीन की सीलिंग की प्रक्रिया, सामग्री वितरण/वापसी, मतदान दिवस की व्यवस्था, मतगणना की प्रक्रिया एवं निर्वाचन परिणाम की घोषणा सहित अन्य विषयों पर सारगर्भित प्रशिक्षण दिया जाये।

म.प्र.में नौतपा की कमजोर शुरुआत

पहले दिन 2 से 4 डिग्री तापमान गिरा, एक दिन पहले सबसे गर्म रहे खजुराहो में 4.5 डिग्री गिरावट

भोपाल (नप्र)। नौतपा 25 मई यानी गुरुवार से शुरू हो गया। नौतपा का पहला दिन कमजोर रहा। इस दिन प्रदेशभर में टेम्प्रेचर 2 से 4 डिग्री सेल्सियस गिरा। एक दिन पहले प्रदेश में सबसे गर्म रहे खजुराहो में भी 4.5 डिग्री तापमान गिर गया। भोपाल में भी दिन में बादल छाए रहे। इससे तापमान करीब 3 डिग्री गिरा। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के एक्टिव होने से ऐसा हो रहा है।

सभी शहरों में गिरा तापमान- भोपाल में तापमान 2.9 डिग्री गिरकर 38.8 डिग्री पर पहुंच गया। ग्वालियर में टेम्प्रेचर 2.5 डिग्री गिरकर 38 डिग्री रह गया। वहीं, इंदौर में पारा 37.4 डिग्री पर पहुंच गया, जबकि एक दिन पहले यहां तापमान 38.6 डिग्री था। जबलपुर में पारा 39.3 डिग्री रहा, जो एक दिन पहले 41.8 डिग्री था। चार दिन से सबसे गर्म खजुराहो में 4.5 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। यहां गुरुवार को तापमान 40.5 डिग्री रहा। बुधवार को यहां 45 डिग्री तापमान था। गुरुवार को नरसिंहपुर में सबसे ज्यादा 43.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा, जबकि सबसे कम 32.2 डिग्री रहा।

अरब सागर में बने चक्रवात से भी बदला मौसम- सीनियर मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि अरब सागर में बने चक्रवात से प्रदेश में नमी आ रही है। इस कारण बारिश हो रही है। 23 मई से वेस्टर्न डिस्टर्बेंस भी एक्टिव है। इस सिस्टम के मई के आखिरी दिनों तक बने रहने की संभावना है।

मई में तेज गर्मी पड़ने का ट्रेंड, इस बार बारिश- मौसम वैज्ञानिक पांडे ने बताया कि मार्च से मई तक प्री-मानसून एक्टिविटी रहती है। मार्च और अप्रैल के बाद मई में भी बारिश, ओले और तेज हवा का दौर चल रहा है। मौजूदा सिस्टम को देखते हुए पूरे मई माह में मौसम ऐसा ही रहने का अनुमान है। आमतौर पर मई के आखिरी दिनों में तेज गर्मी पड़ने का ट्रेंड है। पिछले 10 साल के आंकड़ों पर नजर डालें, तो ग्वालियर में 47 और भोपाल में पारा 46 डिग्री के पार पहुंच जाता है। इंदौर, जबलपुर-उज्जैन समेत बाकी शहर भी गर्म रहते हैं, लेकिन अबकी बार पारा 40-42 डिग्री के आसपास ही है। वहीं, तेज हवा और बारिश हो रही है।

पूर्व मंत्री बोले-कांग्रेस सरकार आने पर 100 रुपए में सिलेंडर

कमलनाथ के पास महंगाई से लड़ने का कॉन्सेप्ट; भाजपा बोली- झूठ बोलने में उनसे भी आगे

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में सत्ता वापसी के लिए कांग्रेस वादों की झड़ी लगा रही है। पीसीसी चीफ कमलनाथ नारी सम्मान योजना के जरिए महिलाओं को 1500 रुपए प्रतिमाह देने और 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने की घोषणा कर चुके हैं। इस घोषणा से दो कदम आगे बढ़कर पूर्व मंत्री और विधायक पीसी शर्मा ने कांग्रेस की सरकार बनने पर 100 रुपए में गैस सिलेंडर देने का ऐलान किया है। पूर्व मंत्री के बयान पर भाजपा ने कहा कि पूर्व मंत्री झूठ बोलने में कमलनाथ से भी आगे निकले।

नौकरी पेशा परिवारों की महिलाओं को भी देंगे 1500 रुपए- भोपाल में गुरुवार को अपने आवास पर मीडिया से चर्चा के दौरान पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा- प्रदेश में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार मुख्य मुद्दे हैं। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी, तो 100 रुपए में गैस सिलेंडर मिलेगा। 18 साल से लेकर 60 साल तक की महिलाओं को 1500 रुपए दिए जाएंगे। घर में तीन महिलाएं हैं, तो उन्हें भी मिलेंगे। जो नौकरी कर रहा है, व्यवसाय कर रहा है, उनको भी मिलेगा। 100 यूनिट बिजली मुफ्त मिलेगी। 200 यूनिट बिजली बिल हाफ देना पड़ेगा। ये महंगाई से लड़ने का एक तरीका है।

ओल्ड पेंशन स्कीम भी लागू करेंगे- पीसी शर्मा ने कहा- मप्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर ओल्ड पेंशन स्कीम लागू की जाएगी। स्लम एरिया में रहने वाले लोगों के मकानों की रजिस्ट्री कराई जाएगी। उनको मकान बनाने के लिए पैसे दिए जाएंगे। ये सब महंगाई से लड़ने के लिए कॉन्सेप्ट है। बीजेपी की सरकार महंगाई बढ़ाती जा रही है। डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस के रेट सातवें आसमान पर हैं। 2014 का जब चुनाव हुआ था, तब इन्होंने कहा था कि रसोई गैस दो-तीन सौ रुपए में मिलेगी। पेट्रोल डीजल 40-50 रुपए में मिलेगा। ये सब बढ़ रहे हैं। मप्र में एक करोड़ लोग बेरोजगार हैं, तो कमलनाथ जी का कॉन्सेप्ट महंगाई से लड़ने का है।

प्रवक्ता नरेन्द्र सलूजा ने पीसी शर्मा के बयान पर तंज कसा। इधर, बीजेपी ने कसा तंज- पीसी शर्मा की घोषणा पर बीजेपी प्रवक्ता नरेन्द्र सलूजा ने तंज कसा है। सलूजा ने ट्वीट कर लिखा- लो जी पूर्व मंत्री पीसी शर्मा तो झूठ बोलने में कमलनाथ जी से भी एक कदम आगे निकले... कमलनाथ जी कह रहे हैं 500 रुपए में गैस सिलेंडर देंगे ,यह कह रहे हैं कि 100 रुपए में देंगे... कौन सही...? पता है कि देना कुछ है ही नहीं, जो मुंह में आए बोले जाओ...।

भगवा जिहाद पोस्टर्स लगाने वालों की सीसीटीवी से होगी तलाश

गृहमंत्री ने दिए निर्देश, बोले- शांति भंग करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी

भोपाल (नप्र)। इंदौर शहर में भगवा जिहाद को लेकर लगाए गए पोस्टर को लेकर गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने जांच के निर्देश दिए हैं। भोपाल में अपने आवास पर मीडिया से चर्चा में गृहमंत्री ने कहा- कल ही इस मामले में 153 के तहत कार्रवाई कर दी गई है। मैं अभी निर्देश दे रहा हूं कि उस इलाके के सारे सीसीटीवी फुटेज चेक किए जाएं। जिन्होंने शांति भंग करने की या भ्रम फैलाने की कोशिश की है। उनकी सीसीटीवी के माध्यम से जांच की जाए। भ्रम फैलाने, अशांति फैलाने की कोशिश करने वाले नहीं बख्शे जाएंगे। जिन लोगों ने यह पर्चे फेंके हैं उनको नहीं बख्शा जाएगा। सारे सीसीटीवी जांचे जा रहे हैं।

शास्त्री की सुरक्षा करना हमारा दायित्व- धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को सुरक्षा देने के मामले पर नरोत्तम मिश्रा ने कहा पूरे देश में जिस तरह से लाखों लोग बागेश्वर महाराज के प्रवचन में आते हैं। इतने बड़े संत की सुरक्षा करना तो हमारा दायित्व है। जिस तरह से बिहार में वातावरण देखा गया। इसलिए मध्य प्रदेश सरकार ने वाय श्रेणी सुरक्षा दी है।

दिग्विजय सिंह को जाकिर नाईक शांति दूत लगते हैं- नरोत्तम मिश्रा ने कहा दिग्विजय सिंह को तो बजरंग दल गुंडा नजर ही आएगा। पीएफआई और सिमी कभी गुंडा नजर नहीं आएगी। जाकिर नायक उन्हें शांतिदूत लगेगा। यह सब लोग उन्हें सज्जन लगेंगे। पीएफआई पर उन्हें कभी बोलते हुए देखा क्या? जहां भी हिंदू और राष्ट्रभक्त संगठनों की बात आएगी वहां जब जरूर दिग्विजय सिंह बोलते नजर आएंगे। कभी पीएफआई, जाकिर नायक पर नहीं बोलेंगे।

कांग्रेस के पास मुद्दे नहीं- कांग्रेस के स्थानीय मुद्दे खोजने पर नरोत्तम मिश्रा ने कहा- मुद्दे ला रहे हैं मतलब है इनके पास मुद्दे नहीं है। जब कमलनाथ की सरकार थी तब वल्लभ भवन दलालों का अड्डा था। किस तरह से लॉ एंड ऑर्डर चलता था। लाओ और ले जाओ एक ऑर्डर लाए और दूसरे का आर्डर निरस्त कर दिया। भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबे लोग क्या आरोप लगाएंगे।

दिग्गी-कमलनाथ बुजुर्ग नेता- कांग्रेस के डबल इंजन दिग्विजय और कमलनाथ पर नरोत्तम मिश्रा ने कहा- दिग्विजय सिंह और कमलनाथ बुजुर्गवार नेता हैं अब तो कोयले की इंजन का जमाना है कोयले की इंजन का समय गया... इलेक्ट्रिक इंजन देखो कैसे विकास का विश्व के अंदर परचम लहरा रहे है वैसा हमारे मोदी जी का अभिनंदन करता है वंदन करता है।

कांग्रेस प्रवक्ता शिवम शुक्ला ने थामा बीजेपी का दामन

महीने भर पहले बने थे संभागीय प्रवक्ता, कमलेश्वर पटेल पर लगाया परिवारवाद का आरोप

भोपाल (नप्र)। एक महीने पहले कांग्रेस के संभागीय प्रवक्ता बनाए गए शिवम शुक्ला ने गुरुवार को बीजेपी का दामन थाम लिया। प्रायवेट टैक्सी से दोपहर दो बजे शिवम बीजेपी ऑफिस में मुंह पर मास्क लगाकर पहुंचे। यहां बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह उन्हें लेकर प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के पास पहुंचे और पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई।

कमलेश्वर पटेल ने कमलनाथ के कार्यक्रम में जाने से रोका- बीजेपी में शामिल होने के बाद शिवम शुक्ला ने मीडिया से चर्चा में कहा - मैं जिस क्षेत्र से आता हूं वहां हाल ही में कमलनाथ की सभा थी। उस कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय से मुझे मीडिया समन्वयक की जिम्मेदारी दी गई थी। व्यक्तिगत ईर्ष्या के कारण, राजनीतिक कुंठा के कारण स्थानीय विधायक कमलेश्वर पटेल के कहने पर मुझे सभास्थल पर जाने तक नहीं दिया गया। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय से फोन करके आधे रास्ते से वापस बुलाया गया। उस बात से मेरे मन में पीड़ा थी कि अगर मैं अपने नेताओं का अपने गृहक्षेत्र में स्वागत नहीं कर पा रहा हूं। तो ऐसे दल में रहने का कोई मतलब नहीं है जहां कार्यकर्ताओं का सम्मान न किया जाए।

कांग्रेस सरकार में कमलेश्वर पटेल दस भाईयों के साथ चला रहे थे वसूली उद्योग- कमलेश्वर पटेल पिछले 35-40 सालों से उस क्षेत्र को अपने परिवार से छलने का काम कर रहे हैं। प्रदेश में 18 महीने की कांग्रेस की सरकार में कार्यकर्ताओं की कोई सुनवाई नहीं थी। पूरी तरह भृष्टाचारी सरकार थी। अपने दस भाईयों के साथ वह पूरे क्षेत्र में वसूली उद्योग चला रहे थे। उन सब बातों से पीड़ित होकर मैंने पार्टी छोड़ी है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में सांस्कृतिक पुनर्स्थापना का साथ विकास के पथ पर देश आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मप्र बीमारू राज्य से प्रगतिशील राज्यों की श्रेणी में आकर खड़ा हो गया है।

भारत टॉकीज रेलवे ओवर ब्रिज पर फिर से शुरू हुआ ट्रैफिक

चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने किया आरओबी पर ट्रायल रन

भोपाल (नप्र)। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरुवार सुबह 8 बजे भारत टॉकीज आरओबी पर ट्रायल रन कर ट्रैफिक को फिर से बहाल किया। इससे पहले मंत्री श्री सारंग ने स्वयं जीप चलाकर ब्रिज के पूर्ण हो चुके मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया। जिसपर उन्होंने संतुष्टि व्यक्त करते हुए निश्चित समयावधि में कार्य पूर्ण करने के लिये अधिकारियों की सराहना भी की। इस दौरान भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, स्थानीय जनप्रतिनिधि, लोक निर्माण विभाग के अधिकारी सहित रहवासी भी उपस्थित रहे।

एक हफ्ते ट्रायल के बाद किया जायेगा डामरीकरण- मंत्री श्री सारंग ने बताया कि भोपाल के बड़े क्षेत्र को भोपाल स्टेशन से जोड़ने वाले भारत टॉकीज आरओबी को पुनः ट्रैफिक के लिए खोल दिया गया है। अभी ब्रिज के ऊपर मास्टिक एस्फाल्ट की लेयर नहीं डाली गई है। एक सप्ताह तक ट्रायल के बाद यह लेयर डाली जाएगी, परंतु यात्रियों के आवागमन के लिये ट्रैफिक को पुनः शुरू कर दिया गया है।

मरम्मत कार्य से करीब 25 वर्ष बढ़ गई आरओबी की आयु- मंत्री श्री सारंग ने बताया कि वर्ष 1972 में निर्मित भारत टॉकीज आरओबी के बेयरिंग और ज्वाइंट यातायात के बढ़ते दबाव और पुराने होने के कारण पूरी तरह खराब हो गये थे। जिससे किसी बड़ी दुर्घटना के होने की आशंका थी। इसके लिये ब्रिज के कुल 360 बेयरिंग और 15 एक्सपेंशन ज्वाइंट बदले गए हैं। इससे ब्रिज की आयु करीब 25 वर्ष और बढ़ गई है।

मंत्री श्री सारंग ने स्वयं जीप चलाकर किया ट्रायल रन

मंत्री श्री सारंग ने करीब आधे घंटे तक स्वयं जीप चलाकर ब्रिज पर ट्रायल रन किया। वे भोपाल स्टेशन प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 के समीप बजरिया पुलिस चौकी से लेकर ब्रिज की दूसरी ओर संगम तिराहे तक जीप चलाकर पहुंचे। इस दौरान जीप के साथ अन्य दो पहिया व चार पहिया वाहन भी चल रहे थे।

25 मई तक मरम्मत का कार्य पूर्ण करने के दिये थे निर्देश

विगत 8 मई को निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री सारंग ने ब्रिज के मरम्मत कार्य में देरी को लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए 15 दिनों के भीतर 25 मई तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये थे। जिसपर लोक निर्माण विभाग द्वारा कार्य में गति लाते हुए मंत्री श्री सारंग द्वारा निश्चित की गई समयावधि के भीतर ही कार्य पूर्ण किया गया। उल्लेखनीय है कि ब्रिज के मरम्मत कार्य के कारण यात्रियों को लगभग 6 कि.मी. लंबा टर्न लेकर जाना पड़ रहा था।

हर घर नल-जल पहुँचाने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी

अब तक 59 लाख से अधिक घरों तक पहुँचा नल से जल

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में समूचे प्रदेश के हर घर में नल-जल पहुँचाने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। हर दिन अनेक गाँवों में नल-जल सुविधा प्रारंभ हो रही है। अब तक 59 लाख 7 हज़ार 373 परिवार को नल से जल की सुविधा प्राप्त हो चुकी है। प्रदेश की 2 हज़ार 709 पंचायतों में शत प्रतिशत नल से जल पहुँच चुका है। इनमें से 1 हज़ार 127 पंचायतों को हर घर नल-जल प्रमाणित भी किया जा चुका है। वहीं ग्रामों की बात करें तो 8 हज़ार 612 ग्राम शत प्रतिशत नल-जल ग्राम हैं, जिनमें से 3 हज़ार 653 ग्रामों को प्रमाणित किया जा चुका है। वहीं 25 हज़ार 290 ग्रामों में कार्य तेज़ी से प्रगतिरत है।

प्रदेश के 73 हज़ार 276 विद्यालयों (78 प्रतिशत) में नल से जल पहुँचाया जा चुका है। 12 ज़िलों के शत-प्रतिशत और 7 ज़िलों के 90 प्रतिशत से अधिक विद्यालयों में नल-जल सुविधा का विस्तार हो चुका है। साथ ही 42 हज़ार 614 आँगनवाड़ी केंद्रों (64 प्रतिशत) में नल-जल सुविधा पहुँच चुकी है। आठ ज़िलों के शत-प्रतिशत और 9 ज़िलों के 90 प्रतिशत से अधिक आँगनवाड़ी केंद्रों में नल से जल पहुँच चुका है।

31 हज़ार 173 ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति से सामुदायिक प्रबंधन- जल संसाधनों के उचित उपयोग, बेहतर प्रबंधन और स्त्रोतों के संरक्षण, संवर्धन में जन-भागीदारी का समावेश जल जीवन मिशन का एक महत्वपूर्ण घटक है। योजना में यह परिकल्पना की गई है कि समुदाय ही गाँव की जल संबंधित योजना के क्रियान्वयन, प्रबंधन, संचालन और रख-रखाव में मुख्य भूमिका निभाएगा। साथ ही जल के उचित उपयोग के लिए जन-जागरूकता लाने में ग्रामीणजन की भागीदारी सुनिश्चित करने ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति का प्रावधान है। प्रदेश में अब तक 31 हज़ार 173 ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति का गठन किया जा चुका है। इन समितियों द्वारा जल-प्रदाय योजनाओं का संचालन, संधारण और जल कर वसूली कार्य का निर्वहन किया जा रहा है। समितियों में 50 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

जन-सहयोग से ही जल जीवन मिशन के लक्ष्य को योजनाबद्ध तरीके से प्राप्त किया जा सकता है। इसे ध्यान रखते हुए विभाग द्वारा समय-समय पर ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति का उन्मुखीकरण किया जा रहा है। मिशन में ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति द्वारा किए जाने वाले कार्यों संबंधी, समिति के सदस्यों को उनकी भूमिका एवं कार्य की जानकारी दी जाती है। प्रशिक्षण में जल-संरक्षण के तरीके, पेयजल योजनाओं के संचालन-संधारण, खाता संचालन एवं जन-जागरूकता से कार्य करने के संदर्भ में प्रशिक्षित किया जाता है।

डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी बने स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के पहले कुलाधिपति

भोपाल (नप्र)। नई शिक्षा नीति और एनएसक्यूएफ के अनुरूप मध्यप्रदेश के एकमात्र कौशल विश्वविद्यालय स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के पहले कुलाधिपति के पद पर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी को नियुक्त किया गया है। करीब 17 वर्षों का कार्य अनुभव रखने वाले डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी वर्तमान में आईसेक्ट सोसायटी के सचिव हैं। साथ ही वे आईसेक्ट समूह में बतौर एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट स्ट्रेटजी और ऑपरेशन्स की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। आईसेक्ट समूह भारत का अग्रणी सामाजिक उद्यम है जो देश के अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण, वित्तीय समावेशन, स्टार्ट-अप, इनक्यूबेशन और उद्यमिता, ऑनलाइन लर्निंग, अप्रेंटिसशिप और प्लेसमेंट और प्री-स्कूलों के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर काम कर रहा है ताकि समाज में समावेशी बदलाव लाया जा सके।

डॉ. सिद्धार्थ एक स्थापित शिक्षाविद् और एक उद्यमी हैं, जो बड़े पैमाने पर युवाओं, उद्यमियों और ग्रामीण समुदाय के हित में अभिनव पहलों को कार्यान्वित करने के लिए जाने जाते हैं। उन्हें वर्ष 2020-21 के लिए एशियावन मोस्ट इन्फ्लुएंशियल यंग लीडर के रूप में भी सम्मानित किया गया था। वे उच्च शिक्षा, कौशल विकास, आजीविका, रोजगारपरकता, टीवीईटी प्रणाली, नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क के विषय विशेषज्ञ के तौर पर देखे जाते हैं।

इसके अलावा वे स्टार्ट-अप्स, स्किल्स और एम्प्लॉयबिलिटी पर सीआईआई वेस्टर्न रीजन कमेटी के सदस्य, टीआईई मध्य प्रदेश के एक चार्टर सदस्य, कौशल प्रशिक्षण प्रदाताओं के संघ के संस्थापक और शासी बोर्ड के सदस्य भी हैं। शिक्षा और कौशल विकास पर सीआईआई मध्य प्रदेश पैनल के संयोजक और टीईक्यूआईपी कार्यक्रम कार्यान्वयन पर मध्य प्रदेश सरकार समिति के लिए आमंत्रित सदस्य हैं। डॉ. सिद्धार्थ पूर्व में सीआईआई भोपाल जोन के अध्यक्ष के रूप में भी काम कर चुके हैं। अकादमिक उपलब्धियों में डॉ. सिद्धार्थ के पास प्रबंधन में पीएचडी और मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) भोपाल से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री और प्रतिष्ठित एस.पी. जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, मुंबई से एमबीए किया है। उन्होंने अपने करियर के शुरुआती वर्षों में आईटीसी लिमिटेड एग्री-बिजनेस के साथ प्रबंधक के रूप में काम किया और फिर आईसेक्ट ग्रुप में शामिल होने से पहले आईबीएम बिजनेस कंसल्टिंग के सलाहकार पद पर सेवाएं दीं।

गौरतलब है कि भोपाल स्थित स्कोप ग्लोबल स्किल्स (एसजीएस) विश्वविद्यालय मध्य भारत का पहला एनईपी और एनएसक्यूएफ आधारित कौशल विश्वविद्यालय है। यूजीसी से 2एफ अधिनियम के तहत 2023 में स्थापित यह आईसेक्ट समूह का एक हिस्सा है, जो भारत में एक प्रमुख शिक्षा और कौशल विकास संगठन है। स्कोप ग्लोबल स्किल्स (एसजीएस) यूनिवर्सिटी इंडस्ट्री ग्रेड लैब्स में उद्योग के विशेषज्ञों की मदद से और इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप के माध्यम से व्यावहारिक उद्योग एक्सपोजर प्रदान करती है जिससे उद्योग की मांग के अनुरूप कुशल पेशेवरों को तैयार कर सके।

संपादकीय

कब थमेगी मणिपुर में हिंसा

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में जातीय और धार्मिक हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। अब उसने विष्णुपुर जिले को भी चपेट में ले लिया है। बढ़ती हिंसा के बावजूद केन्द्र सरकार मणिपुर के हालात को लेकर बहुत चिंतित है, ऐसा नहीं लगता। दिल्ली में सरकार नए संसद भवन के शुभारंभ में ही लगी हुई है। उधर मणिपुर के पड़ोसी राज्य मिजोरम ने चेतावनी दी है कि अगर मणिपुर में जातीय हिंसा नहीं थमी तो यह आग उसके यहां भी फैल सकती है। क्योंकि कुकी और नगा जनजातियां वहां भी बसती हैं। गौरतलब है कि मणिपुर में करीब 22 से जारी हिंसा में अब तक 70 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। दो सौ से अधिक घायल और हजारों बेघर हो चुके हैं। सेना और भारी पुलिस तैनाती के बाद भी हिंसा रूक नहीं रही है। राज्य में यह हिंसा तब भड़की, जब मणिपुर हाईकोर्ट ने राज्य प्रभावशाली मेईतेई समुदाय को जनजातीय कोटे में आरक्षण देने के सम्बन्ध में कार्रवाई करने के लिए राज्य सरकार को निर्देशित किया था। इससे स्थानीय आदिवासी जनजातियां कुकी और नगा भड़क उठी थीं। उन्हें लगा कि इस आरक्षण के जरिए उनका हक छीना जा रहा है। इस विवाद में धार्मिक एंगल यह है कि मेईतेई ज्यादातर हिंदू हैं, जबकि बाकी जनजातियां ईसाई हैं। दोनों समुदायों को अपने धर्माचार्यों का भी समर्थन है। हिंसा की ताजा घटना राज्य के बिष्णुपुर और इंफाल पश्चिम व जिरीबाम जिलों में हुई। जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। उपद्रवियों ने एक राज्य मंत्री के घर को जला दिया। इसके बाद तीनों जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। आलम यह है कि दोनों पक्ष मौका मिलते ही एक-दूसरे पर हिंसक हमले कर रहे हैं। उन्हें सुरक्षा बल कोशिशों के बाद भी नहीं रोक पा रहे हैं। यह स्थिति तब है कि जब सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर हाई के आरक्षण सम्बन्धी फैसले पर फिलहाल रोक लगा दी है और वहां मामले की सुनवाई चल रही है। लेकिन उपद्रवियों को रोकने की राजनीतिक अथवा सामाजिक स्तर पर कोई कोशिश होती नहीं दिख रही है। वैसे उत्तर-पूर्व में जातीय संघर्ष की गहरी सामाजिक और सांस्कृतिक जड़ीय हैं। मणिपुर में जारी वर्तमान अराजकता जातीय राजनीतिक आकांक्षाओं से जुड़ी हुई है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उत्तर-पूर्व भारत में दशकों पुराने उग्रवादी अलगाववादी आंदोलनों के बीच जातीय विभाजन को मजबूत करने में धर्म ने एक बढ़ती हुई भूमिका निभानी शुरू कर दी है। राज्य के दस जनजातीय विधायकों ने साफ तौर पर राज्य के विभाजन की मांग कर दी है। दोनों समुदायों में आपसी कटुता इतनी अधिक बढ़ चुकी है कि संवाद की संभावना बहुत कम बची है। मैईतेई और कुकी तथा नगा एक दूसरे के खिलाफ खुलकर नारे बाजी कर रहे हैं। इस समूचे प्रकरण में केन्द्र सरकार की भूमिका सुरक्षा व्यवस्था करने से ज्यादा कुछ दिखाई नहीं देती। इस समस्या में पड़ोसी देश म्यानमार से आने वाले अवैध घुसपैठियों का आना भी शामिल है। साथ ही अफीम की अवैध खेती और अन्य स्थानीय हित भी शामिल हैं। दोनों समुदायों को राज्य के जनसांख्यिकीय बदलाव की चिंता है। वहां स्थानीय कानून ऐसे हैं कि मेईतेई आदिवासी बहुल जंगलों में जमीन नहीं खरीद सकते लेकिन आदिवासी राजधानी इंफाल और आसपास जमीन ले सकते हैं। यह भेदभावपूर्ण कानून है। मणिपुर हिंसा के पीछे तमाम जटिलताओं को आपसी बातचीत के द्वारा ही सुलझाया जा सकता है। इसके लिए जरूरी है कि केन्द्र और राज्य सरकार इसकी पहल करें। स्थानीय लोगों को विश्वास में लिए बगैर मणिपुर की हिंसा को रोका नहीं जा सकता। संवाद पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में शांति कायम रखने के लिए भी जरूरी है।

नजरिया

डॉ. कन्हैया त्रिपाठी
लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं तथा अहिंसा आयोग और अहिंसक सभ्यता के पैरोकार हैं।

नए संसद भवन और सेंगोल को लेकर हंगामा क्यों?

भारत में नया संसद भवन बनकर तैयार हो गया है। यह भारतीय लोकतंत्र का मंदिर है। इसे हम नए भारत के साथ यदि जोड़कर देखें तो यह एक नई इबारत लिखने की कोशिश है। निःसंदेह, आने वाले समय में इस लोकतंत्र के भव्य शिल्प से हमारे देश के भाग्य के अनेकों फैसले होंगे, मनुष्यता के नए शिल्प गढ़े जाएंगे। विडंबना यह है कि इसके उद्घाटन को लेकर पक्ष और विपक्ष में बेवजह की बहस हो रही है। सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिकाएं दायर की जा रही हैं की इसका उद्घाटन अमुक व्यक्ति करए, अमुक न करे। अच्छा होता कि देश के सभी सम्माननीय सदस्य इस महानीय कार्य का उद्दात्त भाव से स्वागत करते। इसका उद्घाटन कौन कर रहा है, कौन नहीं, यह मायने नहीं रखता, मायने रखते हैं हमारे इनिशिएटिव, हमारी योजनाएं और उनके कार्यान्वयन। प्रधानमंत्री इसका उद्घाटन करें या राष्ट्रपति यदि हमारे भारतीय जनमानस के लिए इस सदन में आने वाले सदस्य सही दिशा में कार्य नहीं करेंगे और देश में गरीबी, भुखमरी, अस्वास्थ्य और दूसरी अनेकों समस्याएं ज्यों की त्यों बनी रहेंगी तो, इसका कोई मतलब नहीं होगा की इसका उद्घाटन किसने किया और किसने नहीं किया।

भारत के माननीय सांसद चाहे वे जिस सदन के सदस्य हों, वे अपने कर्त्तव्य का निर्वहन अच्छे मन से करें, यही देश की जनभावना। जनभावना को छोड़कर भवन में अटकी देश की विभिन्न पार्टियां आखिर क्या करना चाहती हैं और इससे मैसेज क्या देना चाहती हैं, यह बात समझ में नहीं आती। देश की सरकार और विपक्ष दोनों अपने सकारात्मक लक्ष्य, ध्येय और निष्ठा को निर्धारित कर देश को गतिशीलता प्रदान करे तो भारत की पूरे विश्व में अपनी बेहतर छवि होगी। यदि इसके बदले केवल प्रपंच होगा तो देश का तो भला नहीं होना है। यह जानते हुए भी यदि प्रपंच हो ही रहे हैं तो यह बात स्पष्ट हो जाती है सत्ता पक्ष और विपक्ष को देश के जरूरी प्रश्नों से मतलब नहीं है बल्कि दोनों अपनी-अपनी राजनीतिक सशक्तीकरण के लिए अपने फायदे में जुटी हुई हैं। 28 मई को देश की यह पार्लियामेंट-बिल्डिंग जब देश को समर्पित होने जा रही है तो उसी दिन सावरकर की जयंती है और इस सुयोग को विपक्ष पचा नहीं पा रहा है, एक बात तो यह है। विपक्ष को एक बात और नहीं रास या रही है की यह राजदंड 'सेंगोल' को इस दिन क्यों प्रधान मंत्री को सौंपा जा रहा है। सेंगोल दरअसल सत्ता हस्तांतरण के बाद ब्रिटिश गवर्नर जनरल माउंटबेटन ने 15 अगस्त 1947 को पंडित जवाहरलाल नेहरू को सौंपी थी। इसको पुनः सौंपने की बात कॉंग्रेस समेत दूसरी पार्टियों को समझ से परे की बात लाग रही है। ये दो मुद्दे भारत की राजनीतिक बहस को संसद भवन के उद्घाटन के साथ जोड़कर देख रही हैं और अपने-अपने अनुसार व्याख्या कर रही हैं। मामला चाहे जो भी हो लेकिन यह बात तो ते है की दोनों इस बहस से बेनकब हुए हैं।

आज के हालात की पड़ताल अब सभी कर रहे हैं। भारत के इस नए संसद भवन में जाने से पूर्व इतना विवाद हो जाएगा यह किसी को पता नहीं था लेकिन सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के अपने अड़ियल रवैये से भारत की इस महाभारत की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है, समस्या इस बात की है। विडंबना यही है कि भारत के लोकतंत्र के सौन्दर्यबोध गढ़ने वाले लोग जो अपना-अपना पक्ष गढ़ रहे हैं उनकी सोच की जो बलिहारी उजागर हुई है वह तो अलग है, मीडिया भी आग में घी डालने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही है। देश के लोगों के बीच मतैक्य का दावा करने वाले लोग अपने लोकतांत्रिक-स्वरूप का अनर्गल बहस रचकर भारत की छवि खराब कर रहे हैं, यह किसी भी दशा में अच्छी बात नहीं है। खैर, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है की करोड़ों भारतीयों की आकांक्षाओं को दर्शाने वाला नया संसद भवन नई सुविधाओं के साथ निर्मित हुआ है ताकि हमारे संसद दुनिया की आधुनिक और गतिशील दौड़ में शामिल हों। वे भारतीय जनता के लिए सक्षम और अपने नवाचार के साथ जुड़ने में सक्षम हों। विश्व की प्रतिष्ठित संसदीय इमारतों की सुविधाओं की भांति सुविधाएं पाकर देश के निर्माण में आगे बढ़ सकें, ऐसी मनसा है।

अब तक जिस संसद भवन में हमारे सांसद संसदीय कार्यवाही और दायित्व का निर्वाह कर रहे थे उसके निर्माण के 100 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। 1921 में इसका निर्माण शुरू हुआ था और 1927 में पूरा संसद भवन बनकर तैयार हुआ था। यह हमारी ऐतिहासिक विरासत का हिस्सा है। आज हर भारतीय को इस बात का गर्व है कि हमारा देश संवैधानिक मूल्यों का निर्वहन करते हुए आज़ादी के 75 वर्ष बाद गतिशील लोकतंत्र के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है। आज जब भारत अपनी जरूरतों और संभावनाओं को नए तरीके से आँकलित करके नए संसद भवन से अपने सांविधिक मूल्यों को आगे ले जाने के लिए अग्रसर है तो उसके उद्घाटन को लेकर उपजे विवाद का कोई औचित्य नहीं दिखाई देता। आंदोलित होने के मुद्दे बहुत से हैं देश में। इतना ही आंदोलित पक्ष या विपक्ष इस बात के लिए होता कि नए सदन में हमारे ऐसे सांसद आएं जिनपर किसी प्रकार का आपराधिक आरोप न हो। ऐसे लोग ही संसद सदन के लिए चुने जाएं जो भारत को सचमुच श्रेष्ठ दिशा देने में सक्षम हों। ऐसे मुद्दों के लिए भारतीय राजनीतिक पार्टियां आंदोलित होतीं तो भारतीय जनता के बीच उनका सम्मान कई गुना बढ़ जाता। या आंदोलन इस बात के लिए भी हमारे पक्ष विपक्ष के लोग करते की हमारे संसद जितना जनप्रतिनिधि के रूप में निधि पते हैं, सुक सही सदुपयोग करेंगे और वीक सके लिए समर्पित होकर कार्य करेंगे। यदि ऐसा नहीं होता है तो वे राइट टू री-कॉल के तहत इस नए संसद भवन से वापस जाएंगे, तो भी सम्मान इनका सम्मान बढ़ जाता। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है हमारे देश के लिए कि हमारे यहाँ आंदोलन भी बहुत मामूली चीजों के लिए हो जाते हैं और उस पर बहस भी बड़े पैमाने पर होने लगती है।

भारत की हाशिये की जनता यह नहीं जानना चाहती कि संसद भवन का उद्घाटन कौन कर रहा है। सच्चाई यह है कि वह जानना चाहती है कि हमारे हित में हमारे जनप्रतिनिधि क्या करने जा रहे हैं। वह यह जानना चाहती है कि उसके जीवन को बेहतर कल देने के लिए कौन सी पॉलिसीज आ रही हैं और उससे हम और आने वाली पीढ़ी सीधे कैसे लाभान्वित हो सकेंगे? यदि सरकार और विपक्ष इस मुगालते में है कि जनता इससे खुश या नाखुश होकर उनके वोटबैंक का हिस्सा बनने जा रही है तो यह उनकी बहुत बड़ी भूल है।

भारत में अपनी विरासत और सांस्कृतिक यात्रा में शामिल होने जा रहे नए संसद भवन में शामिल होने वाले लोगों का इसलिए क्या आज दायित्व है, वे आने वाली पीढ़ी के लिए क्या आमूलचूल बदलाव करने का रहे हैं, इस पर ध्यान केंद्रित करें। बेकार की बहस को हवा देने से बचें। विकास के पैमाने को बदलकर उसे खुशहाली का पैमाना कैसे बनाने जा रहे हैं, इस ओर देश का झुकाव बने तो देश तरक्की करेगा। राजनीतिक हित के लिए चुने गए कोई दिवस, प्रतीक या श्लोगन से राजनीतिक पार्टियां बचें, इसी में देश का हित है। एक बात हम सभी को समझने की जरूरत है कि बिल्डिंग में यदि अच्छे कार्य की संभावना ही नहीं होगी तो देश की जनता का मनोबल टूटेगा, तो क्या हम ऐसा करना चाहते हैं, सवाल तो यह है। यदि हम ऐसा करते रहेंगे तो यह सवाल स्थिर रहने वाला भी है।

गुणवत्ता ने बढ़ायी सरकारी स्कूलों की साख

शिक्षा व्यवस्था

मनोज कुमार
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

एजुकेशन किसी भी स्तर का हो, हमेशा इस बात की चिंता की जाती रही है कि शिक्षा का स्तर सुधरे कैसे? खासतौर पर कोरोनाकाल के कारण जो स्थितियां उत्पन्न हुई थी, वह भयावह थी. महीनों तक स्कूल का कपाट तक नहीं देख पाने वाले बच्चे स्कूल जाने से डरने लगे थे। उनमें एकाकीपन भर आया था और तिस पर प्रायवेट स्कूलों की मनमानी से पालक चिंता में थे। यह बात भी सच है कि कोरोना काल में लोगों की आय में ना केवल गिरावट हुई बल्कि बड़ी संख्या में लोगों से रोजगार छीन गया। ऐसे में घर चलाने की चुनौती के बीच बच्चों के सुखद भविष्य की कामना से दुविधा की स्थिति में पालक थे। उनके सामने विकल्प के रूप में सरकारी स्कूल था और ज्यादतर पालकों ने मन मारकर निजी स्कूलों की मनमानी से तंग आकर सरकारी स्कूलों में दाखिला दिया। इन सबके बीच उनके मन में कई सवाल थे कि सरकारी स्कूल में उनका बच्चा कैसे पढ़ेगा और कैसे अपने भविष्य को संवारेगा लेकिन जब परीक्षा परिणाम आया तब सारे धुंध छंट गए थे। पालकों की सारी आशंका निर्मूल साबित हुई और बच्चे अच्छे नम्बरों से परीक्षा उत्तीर्ण कर गए.

कोरोनाकाल में बच्चों की शिक्षा बाधित ना हो इसके लिए राज्य शासन द्वारा अनेक स्तरों पर नवाचार किया गया। इस कठिन समय में बिना विद्यालय बुलाए बच्चों को उनके घर में ही पढ़ाना एक बड़ी चुनौती थी लेकिन हर संकट का समाधान होता है सो इसका समाधान भी तलाश कर लिया गया। विकल्प के तौर पर 'हमारा घर हमारा विद्यालय' कार्यक्रम संचालित किया गया। इस अभिनव प्रयोग में शिक्षकों द्वारा 4-5 विद्यार्थियों का समूह बनाकर उन्हें उनके द्वारा चिन्हित स्थान पर उनकी आवश्यकता अनुसार शिक्षा दी गई। इसमें सोशल डिस्टेंसिंग का पालन भी हुआ और विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष रूप से शिक्षित भी किया जा सका। कार्यक्रम से जनसमुदाय को भी प्रेरणा मिली और पालकों ने पूरा सहयोग दिया।

इसी क्रम में 'अब पढ़ाई नहीं रूकेगी' थीम पर रेडियो प्रसारण तथा डिजिटल ग्रुप के माध्यम से बच्चों की पढ़ाई के लिये शिक्षक सतत प्रयासरत रहे। प्रतिदिन प्राप्त होने वाली सामग्री छात्रों का उपलब्ध कराकर उनसे गृहकार्य करवाया जाता है। 'रेडियो स्कूल' कार्यक्रम के माध्यम से भी बच्चों को पढ़ाया गया। जिन ग्रामों और घरों में रेडियो नहीं थे, वहां शिक्षकों ने लाउड स्पीकर के माध्यम से बच्चों तक स्कूल पहुंचाया। कोरोना संक्रमण की परवाह किये बिना विद्यार्थियों के भविष्य के लिये कई शिक्षकों ने आशातीत प्रयास किये हैं।

यही नहीं, समाज में शिक्षक का पद सबसे ऊंचा क्यों होता है, इस संकटकालीन परिस्थिति में देखने को मिला। राज्य के कई स्थानों पर शिक्षकों ने अपना दायित्व की पूर्ति करते हुए पीछे नहीं हटे। इनमें उल्लेखनीय कार्य करने वाले खंडवा के शासकीय प्राथमिक विद्यालय भकराड़ा की शिक्षिका ने अपने विद्यार्थियों को घर-घर पहुंचकर पढ़ाया तो रायसेन जिले के ग्राम शालेगढ़ की प्राथमिक शाला के शिक्षक नीरज सक्सेना ने मोहल्ला क्लास लगाकर बच्चों को पढ़ाया। उन्होंने अपने स्कूल की फुलवारी और शैक्षिक वातावरण से सजाया-संवारा जिसके लिये भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय ने उन्हें ब्रांड एंबेसडर बनाया। मंदसौर के बावड़ीकला चंद्रपुर गाँव के प्राथमिक स्कूल के शिक्षक रामेश्वर नागरिया दिव्यांग होने के बावजूद अपनी तिपहिया स्कूटर से अलग-अलग बस्तियों में पहुंचकर बच्चों को पढ़ाते हैं। राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक संजय जैन ने टीकमगढ़ जिले के डूंडा माध्यमिक स्कूल के बच्चों को डिजिटल शिक्षा से जोडऩे के लिये समाज के सहयोग से लैपटॉप एवं अन्य साधन जुटाए, शाला परिसर को सुंदर बनाया जिससे बच्चों में शिक्षा के प्रति रूचि जाग्रत हुई।

यही नहीं, शिक्षा को विस्तार देने के लिए मध्यप्रदेश में राज्य के आखिरी छोर पर बसे किसी गांव के बच्चे के लिए किसी महंगे प्रायवेट स्कूल में पढ़ने की लालसा एक अधूरे सपने की तरह था। दिल्ली दूर है कि तर्ज पर वह अपनी शिक्षा उस खंडहरनुमा भवन में पूरा करने के लिए मजबूर था जिसे सरकारी स्कूल कह कर बुलाया जाता था। बच्चों के इन सपनों की बुनियाद पर प्रायवेट स्कूलों का मकडज़ाल बुना गया और सुनियोजित ढंग से सरकारी स्कूलों के खिलाफ माहौल बनाया गया। शिक्षा की गुणवत्ता को ताक पर रखकर भौतिक सुविधाओं के मोहपाश में बांध कर ऊंची बड़ी इमारतों को पब्लिक स्कूल कहा गया। सरकारें भी आती-जाती रही लेकिन सरकारी स्कूल उनकी प्राथमिकता में नहीं रहा। परिवर्तन के इस दौर में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने राज्य में ऐसे स्कूलों की कल्पना की जो प्रायवेट पब्लिक स्कूलों से कमतर ना हों। मुख्यमंत्री चौहान की इस सोच में प्रायवेट पब्लिक स्कूलों से अलग अपने बच्चों के सपनों को जमीन पर उतारने के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है। इसी सोच और भरोसे की बाहें थामे मध्यप्रदेश के सुदूर गांवों से लेकर जनपदीय क्षेत्र में 'सीएम राइज स्कूल' की कल्पना साकार होने चुकी है। अनादिकाल से गुरुकुल भारतीय शिक्षा का आधार रहा है लेकिन समय के साथ परिवर्तन भी प्रकृति का नियम है। इन दिनों शिक्षा की गुणवत्ता पर चिंता करते हुए गुरुकुल शिक्षा पद्धति का हवाला दिया जाता है लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में गुरुकुल नए संदर्भ और नयी दृष्टि के साथ आकार ले रहा है। सरकारी शब्द के साथ ही हमारी सोच बदल जाती है और हम निजी व्यवस्था पर भरोसा करते हैं। हमें लगता है कि सरकारी कभी असर-कारी नहीं होता है. इस धारणा को तोड़ते हुए मध्यप्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता के साथ नवाचार करने के लिए 'सीएम राइज स्कूल' सरकारी से 'असरकारी' होने की बात साकार होने लगी है।

मध्यप्रदेश में शिक्षा के परिदृश्य को बदलने के लिए विगत दो दशकों में जो प्रयास किया जा रहा है, यह उसका ठोस परिणाम था। पहला तो यह कि पालकों का निजी स्कूलों से मोहभंग होने लगा और दूसरा यह कि कम खर्च में उनके बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हासिल कर रहे हैं। पूरे प्रदेश में, खासतौर पर ग्रामीण और आदिवासी अंचलों में सुव्यवस्थित और सुविधाजनक शिक्षा का प्रबंध किया गया। छात्रों के साथ-साथ छात्राओं को भी शिक्षा का पर्याप्त अवसर मिले और वे समय के साथ कदमताल कर सकें, इसकी व्यवस्था सुनिश्चित की गई। वजीफा देने से लेकर पाठ्यपुस्तक, गणवेश और सायकल देकर विद्यार्थियों का हौसला अफजाई की गई। हाल ही में यूपीएसी के परिणामों में मध्यप्रदेश की बेटियों ने जो परचम फहराया है, उसका सीधा रिश्ता इन स्कूलों की सुधरती दशा से नहीं है लेकिन पढ़ाई का जो माहौल प्रदेश में तैयार हुआ है, वह इन परीक्षाओं की जमीन तैयार करती है। सबसे खास बात यह है कि मध्यप्रदेश एक बड़ा हिन्दी प्रदेश है और हिन्दी प्रदेश होने के नाते शिक्षा का व्यापक प्रभाव हिन्दी में देखने को मिल रहा है। राज्य में मेडिकल और इंजीनियरिंग की शिक्षा का हिन्दी में होना कहीं ना कहीं इस परिणाम के प्रभाव को दिखाता है।

नाम में नहीं, विवाद में सब कुछ रखा है

कटाक्ष

लोकेंद्र नामजोशी
लेखक व्यंग्यकार हैं।

महान दार्शनिक विलियम शेक्सपियर अपने जमाने में भले ही कह गए हो कि 'नाम में क्या रखा है?' लेकिन मुझे लगता है कि, यदि आज के जमाने में वे जीवित होते तो कहते कि 'नाम में भले ही कुछ न रखा हो, लेकिन विवाद में सब कुछ रखा है।' इसलिए विवाद करते रहो। मुझे भी यही लगता है की, आज तो नाम का नही केवल विवाद का ही जमाना है। इसलिए भाई बहनों मैं आपसे पूछता हूं कि , कोई मामला भले ही राई जित्ता छोटा हो लेकिन विवाद तो पहाड़ से भी बड़ा होना चाहिए। होना चाहिए कि नही? अब भले ही विरोधी इसका कोई जवाब दे या ना दे, लेकिन यह बात सोलह आने सच है कि, जब से विपक्ष के खेवनहारों ने देश के नए-नवेले संसद भवन का उदघाटन 'नामवर' के हाथों होने की खबर सुनी है तब से ही सारे के सारे विपक्षियों के पेट में विवादों की मरोडे उठने लगी है।

वैसे विपक्ष का विवादों का और उनके पेट मे उठने वाली मरोड़ों का नाता सदियों पुराना है। फिर भले ही मुद्दा नोटबन्दी का हो या रोमियो बंदी का, बुलडोजर की बुलंदी का हो या अपराधियों की हदबंदी का, सफाई का अभियान हो या एवीम का इम्तिहान, एलजी का लफड़ा हो या केजरी का झगड़ा, नामवर का देशाटन हो या संसद भवन का उदघाटन हो विवाद तो होना ही चाहिए। इसलिए ऐसे विवादों को चलाए रखने और अपना (बद) नाम बनाये रखने की खातिर इन दिनों देश के कुछ 'स्वनामधन्य' विपक्षीगण पता नही कितना परिश्रम, कितना त्याग, कितना बलिदान, कितने कष्ट उठाते है इसके लिए। कई बार तो मैं बहुत गौरान्वित महसूस करता हूं इन विपक्षियों के मन मे कूट-कूटकर भरी गई विवादों की इस बहुमुखी प्रतिभा को देखकर।

जिस प्रकार छोटे परदे पर किसी नाम कमा चुके धारावाहिक के बाद ज्यादा नाम कमाने के चक्कर में ठीक वैसा ही दूसरा धारावाहिक प्रसारित किया जाता है ठीक उसी तर्ज पर ये नाम गवांने वाले एक विवाद के बाद दूसरा विवाद खुद-बखुद ही प्रसारित कर देते है। जिसके चलते हालात ऐसे हो जाते है कि पहला विवाद अभी पूरी तरह से सदगति नही पा लेता तब तक ये दुसरे विवाद को गति पकडा देते है। हालांकि टीवी चैनलों पर दिखाए जाने वाले धारावाहिकों की गति तो दिन भर चले अढाई कोस की कहावत जैसी होती है लेकिन इनके पैदा किए विवादों के धारावाहिकों की गती तो हमारे देश के प्रधानमंत्री की महत्वाकांशी योजना बुलेट ट्रेन की गति को भी मात दे देती है।

कई बार तो इन विपक्षियों के विवाद करने की बुलेट जैसी गति और लोकल ट्रेन को पकडने जैसी हडबडी को देखकर ऐसा लगता है कि यदि इन्होंने ऐसी गति को कायम नही रखा तो शायद इन्हें यह डर लगता हो कि कहीं ये सरकार इन्हें देश में विवादों की मुख्यधारा से अलग न कर दें। या फिर विवाद करने में ढिलाई बरतने पर गरीबों को मिलने वाली सरकारी सबसिडी की भांति विवादों की सबसिडी से वंचित न कर दें। या फिर कोई विवाद पैदा न करने के जुर्म में सरकार इन्हें गरीबी रेखा की भांति विवादों की रेखा के नीचे न ढकेल दें। या फिर नोट बंदी की बार- बार नाक में कसी जा रही नकेल की भांति इनके विवाद पैदा करने पर रोक लगाने के लिए नई गाइडलाइंस जारी न कर दें।

बहरहाल, जब नाम में नही विवादों में ही सब कुछ रखा है तो, फिर मेरा भी मन कह रहा है कि मैं भी एखादे छोटे मोटे भवन का उदघाटन कर के खामखा एखादा विवाद पैदा कर ही दूं। बकौल शायर मिर्ज़ा ग़ालिब ये मान लूं की 'दिल को खुश रखने को ग़ालिब विवाद करने का ये ख्याल अच्छा है।'

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि. करोंद भानपुर बायपास रोड, भोपाल से मुद्रित एवं बी-208 शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

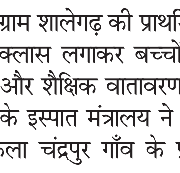

पूरन सरमा
लेखक व्यंग्यकार हैं।

बुद्धिजीवी जी

हमारे यहाँ बुद्धिजीवियों का घोर अभाव है। जितनी संख्या में उनकी आवश्यकता है-उतनी संख्या में वे सुलभ नहीं हैं। फिर भी बुद्धिजीवी हैं तो सही। ये लोग अपनी बुद्धि से ही जिन्दा हैं। इसी के बल पर कमाते-खाते हैं। आप का प्रमुख स्त्रोत उनका बुद्धि ही है। इस मामले में मुझे फर्ख है कि मेरे मुहल्ले को एक अदद बुद्धिजीवी मिला हुआ है। हालाँकि वे पूर्ण रूप से बौद्धिकता पर आधारित नहीं है, फिर भी 'नहीं होने से काना मामा ही सही' वाली कहावत चरितार्थ है। 'अँधों में काना राजा' भी चरितार्थ होती है। जब पूरा मोहल्ला अँधा है तो वे कम से कम एक आँख तो रखते हैं।

एक बार मोहल्ले में दो पड़ौसियों के बीच फसाद हो गया। वे गंभीर मुद्रा धारण किये युद्धस्थल पर आये और सारा मंजर जानने के बाद लगे बौद्धिकता बधारने-'मेरी समझ में नहीं आता कि आप लोग एक मामूली बात पर झगड़ पड़े। सार्वजनिक नल है इसमें एक-एक करके पानी भर लीजिये, आप झगड़ते क्यों हैं ?'

एक पड़ौसी बोला-'मेरा नम्बर था, इन महाशय ने आ लगाई अपनी बाल्टी बीच में।'

दूसरा बोला-'हद होती है, चार बाल्टी ले जा चुके हैं, मैंने कहा मुझे भरने दीजिये, कहते हैं घर का पूरा पानी भरके ही नल छोड़ूँगा।'

बुद्धिजीवी जी ने आँखें चौड़ी कीं, बात को और गंभीरता से लिया और पहले पड़ौसी से बोला-'क्यों श्रीमान् जी आपकी पत्नी कहाँ गई ?'

वाहियात प्रश्न से दोनों पड़ौसी एक-दूसरे का मुँह देखने लगे। तभी तमाशबीनों में से एक व्यक्ति बोला-'वे घर में बैठी बालों को शैम्पू से धो रहीं हैं।' भीड़ ने चुटकी ली और हँसी। बुद्धिजीवी जी ने वातावरण को और गंभीर किया-'आप पानी कितने दिनों से भर रहे हैं ?' पड़ौसी फिर भी पहली को नहीं समझ पाया। वे फिर थोड़ी ऊँची आवाज में बोले-'मैंने दो प्रश्न किये, आपने एक का भी जवाब नहीं दिया। आप मेरे साथ अपने घर चलिये।'

लाचार पड़ौसी उन्हें अपने घर ले आये। बुद्धिजीवी जी ने इत्मीनान से आसन ग्रहण किया और उनकी पत्नी को बुलाकर बोले-'भाभी जी, आपके पतिदेव घर में पानी भरते हैं और आप बालों को सँवारती हैं। यह बताइये इससे आपके सामने वाले पड़ौसी के पेट में दर्द क्यों होता है ?'

इस एकदम बदले प्रश्न से पड़ौसी चिहुँक पड़ा-'आप सही फरमा रहे हैं, वह रोज मेरे से परेशान रहता है। हमें अच्छी तरह रहते नहीं देख सकता। बल्कि मुझे बहकाता है कि पानी क्यों भरता हूँ, मेरे पानी भरने से उसे भी पानी भरना पड़ता है। असली लड़ाई की जड़ तो ये है कि मैं पानी भरना बंद करूँ।'

बुद्धिजीवी जी ने पैंतरा फेंका-'आप पानी भरना बन्द कर दोगे तो घर की व्यवस्था गड़बड़ा जायेगी, बच्चों की देख-भाल कौन करेगा और यदि आपकी पत्नी के बाल उलझे रह गये और उसी समय कोई मित्र अथवा परिजन मेहमान आपके घर आ धमका तो बताइये उस समय आप अपना गोलमटोल चेहरा कैसे दिखा पायेंगे ?'

पड़ौसी बुद्धिजीवी जी के अद्भुत प्रश्न पर निरूत्तर हो गया। वे बोले-'आप चुप क्यों हैं ?'

पड़ौसी बस इतना ही बोल पाया-'विमला चाय तुम बनाओगी या मैं बना लाऊँ ?'

जवाब विमला जी ने नहीं, बुद्धिजीवी जी ने दिया-'श्रीमान् जी आप ठहरे निपट मूर्ख। वे खाना बनायेंगी या चाय। आप चाय बनाइये, वे खाने की तैयारी करेंगी।'

विमला जी को जैसे गलती का अहसास हुआ हो, बोली-'हाँ.......... हाँ.......... मैं खाना बनाती हूँ। भाई साहब आप भी तो खाना खायेंगे ?'

बुद्धिजीवी जी बोले-'अब आप मुझे पता है बिना खाना खाये जाने नहीं देंगे।'

पड़ौसी ने दाँत पीसे और बोला-'हाँ, अब तो आपको खाना खाकर ही जाना होगा। मैं चाय बनाता हूँ, तुम खाना बनाओ।'

दोनों पति-पत्नि रसोईघर में जाकर एक-दूसरे को देखकर रो पड़े-बुद्धिजीवी जी उनकी बैठक में अखबार चाटते रहे। चाय बनी तो चाय पी ली और खाना बन गया तो खाना खाकर डकार लेने लगे। जब बुद्धिजीवी जी वहीं पलंग पर पसरने लगे तो पत्नी ने ही टोका-'आप भाई साहब आराम यहाँ कैसे कर पायेंगे, हम दोनों तो आफिस जाने वाले हैं। बच्चे स्कूल गये हुए हैं।'

बुद्धिजीवी जी तो आशुकवि थे, बोले-'आप दफ्तर जाइये, मैं बच्चों के आने पर चला जाऊँगा और हाँ सुनिये, मैं उस सामने वाले पड़ौसी पर नजर रखकर देखना चाहता हूँ कि आखिर वह आप लोगों से जलता क्यों है ? यह बात समझ में आ गई तो समझ लीजिये मैं आपके रास्ते से काँटा हटा दूँगा।'

दृष्टिकोण

सेवाराम त्रिपाठी

लेखक साहित्यकार हैं।

विसंगतियों और षड्यंत्रों के मोहजाल में फंसे हम

एक भागम भाग मची हुई है। कोई सार्थक हस्तक्षेप से भाग रहा है कोई मूल्यों, नैतिकताओं और ज़मीर से भाग रहा है। कुछ हत्या करने के लिए भाग रहे हैं, कुछ तस्करी, अपराध और तड़ीपारी के लिए। कुछ धर्म की दादागिरी दिखाने के लिए भाग रहे हैं। कुछ मॉबलिंचिंग के लिए। कुछ किसी भी सूरत में बलात्कार के लिए उत्तेजित हैं। जिम्मेदार इस सूची में शामिल हैं, अपना-अपना जलवा है। अपनी- अपनी करामात है। कुछ संविधान को ख़त्म करने के लिए कुछ जनतंत्र और मानवीयता का वध करने के लिए अपनी कार्रवाइयाँ कर रहे हैं। एक ही पक्ष न देखें। अनेक आयामों से विचार करें।

इस दौरान कुछ लोगों द्वारा बहुत शिद्दत के साथ, गहन विवेचना के साथ मुद्दे सामने रखे जाते हैं। किसान आंदोलन, नागरिकता आंदोलन,बेरोजगारी और महंगाई के ख़िलाफ़ आंदोलनों को ठिकानेदारों ने ठिकाने लगा दिया। यह तो होना ही है। इसे साक्षात कोई ऊपर से उतर कर भी नहीं रोक सकता। यह लगा लगी का मामला है। हालांकि आज के दौर में ऐसे व्यवहार किए जा रहे हैं मानों न कोई मुद्दा है न कोई मुद्दी है और न कोई मुद्दे हैं। एक भेड़ियाधसान यहाँ से वहाँ तक फैला हुआ है । और हमारे जीवन की गंभीरता कपूर की तरह उड़ गई है । हम तो ऊटपटांग की शक्ल में इस्तेमाल किए जाने वाले अपाहिज लोग हैं। हर जगह की चूलें हिलाई जा रही हैं। वैसे सच बचा ही बहुत कम है। लेकिन जो किसी तरह बच गया है, वह थोड़ी सी सच्चाई कहीं रहने न पाए। सच्चाई बची रहेगी तो झूठ के तिलिस्म का क्या होगा? इधर अनेक गपोड़िए कह रहे हैं कि हमें राजनीति की बातें नहीं करनी चाहिए। पूछते हैं कि आख़िर क्यों नहीं। भोले आदमी हैं। वे घुमा-फिराकर ज़वाब देते हैं और नाप- तौल कर रहते हैं। पिछवाड़े में भी छन्ना लगा लेते हैं कि कुछ भी चीज़ बेकार न होने पाए। नोटबंदी तमाशे की तरह हो रही है। जब मन आया नोटबंदी कर दी। लोग दो हज़ार के नोट बदलने पर बरस रहे हैं क्योंकि वे पदों और मनोविज्ञान के पहाड़े नहीं जानते। जब देश बेचा जा सकता है तो क्या नोट नहीं बदले जा सकते। पूरा देश अपना ईमान बदल रहा है तो ससुरा ये दो हज़ार रुपए ही कौन सी बला है। ये तो घर की खेती है।

यह ऐसा समय है कि कब कौन किसका शिकार कर ले, या कौन किसको ठिकाने लगा दे। पता ही नहीं चलता कि कितने लोग ज़िंदा हैं और ज़िंदा हैं तो उनमें कोई सार्थक हस्तक्षेप क्यों नहीं है और न कोई हरकत। कहते हैं कि लोग ज़िंदा होते हैं तो वे कुछ करते हैं।मात्र सांस चल रही है तो क्या इसी को जीवन मान लिया जाए। इस दौर में फलसफे भी बहुत हैं। कुछ स्वार्थी लोग तरह - तरह की टोपियां पहनाने में जीवन की सार्थकता सिद्ध कर रहे हैं। यह एक नया रिसर्च है। यह एक नया करिश्मा है। कभी - कभी रिसर्च का रिश्ता पढ़ाई लिखाई से नहीं होता बल्कि धांधली से होता है। यह तो मन माने की बात है। बुजुर्ग बताते हैं कि जब सपनों को लकवा मार जाता है तो पड़े - पड़े गंधाने के अलावा कुछ नहीं बचा करता। ज़िंदा होने का नाटक भी खूब ठठाकर हँस रहा है। हम एक बेहद खतरनाक शांति में दिन गुज़ार रहे हैं। हम थोड़े - थोड़े से है और ज्यादातर मामलों में है ही नहीं। नब्बे परसेंट मौत का इंतज़ार कर रहे हैं। क्यों इंतज़ार कर रहे हैं ,इसका किसी को पता नहीं। भक्त संप्रदाय भजन गा रहा है, आरती उतार रहा है और अर्चना- वंदना कर रहा है। इस देश में कोई बेकार नहीं है और न वह बेरोजगार ही है। युवाओं और पढ़े लिखे लोगों की तरह। उन सबको काम मिला हुआ है।

लोगों का काम है चिल्लाना। क्या नहीं मर रहा है हमारे समय में। जंगल, पहाड़, नदियाँ जीवन तो मर ही रहा है। सभ्यताएं, संस्कृतियां भी बेहाल हैं और थोड़ा - थोड़ा ही बची हैं। अभी उनकी सांसें चल रही हैं। राहतें दौड़ रही हैं। वोट कबाड़ने के धंधे चल रहे हैं। राहतें हैं और उन्हीं के बीच औंधे होकर आवाजाही करते हुए हम धुकधुका रहें हैं और किसी विधि हमारी धुकधुकी चल रही है। डर के कारण हमारी लालटेन भकभका रही है। प्रश्न है कि आख़िर इस कठिन समय में कब तक आत्मनिर्भरताओं की खोल में हम घोड़े की तरह हिनहिनाते रहेंगे। बहरहाल अहमद फराज के तीन शेर सुनें-

'कठिन है रहगुज़र, थोड़ी दूर साथ चलो/
बहुत बड़ा है सफ़र, थोड़ी दूर साथ चलो/
तमाम उम्र कहां कोई साथ चलता है/
मैं जानता हूं मगर थोड़ी दूर साथ चलो/
अभी तो जाग रहे हैं चिराग राहों के/
अभी है दूर सहर, थोड़ी दूर साथ चलो।'

यह कोई छोटी- मोटी पीड़ा नहीं है। यह अजब तरह की भूख और प्यास है। इसके रेशे- रेशे खोलेंगे तो न जाने क्या-क्या नज़र आएगा? जान है तो जहान है।

अब तो केवल अर्ज़ किया जा सकता है। कोई उसे सुने या न सुने। जो सत्ताएं व्यवस्थाएँ एवं समाज समय के सच को पीठ दिखाता है। वह ख़ाक में मिल जाता है। ऐसा सयाने कहते रहे हैं। हम अपने समय से परिवेश से और यथार्थ से किसी भी तरह भाग नहीं सकते।सत्ता - व्यवस्थाएँ केवल राजनीतिक भर नहीं होतीं। वे सामाजिक ,धार्मिक, साहित्यिक - सांस्कृतिक और आर्थिक भी हुआ करती हैं । यह एक अंधा - बहिरा, कोढ़ी और कातिलाना समय है और एक हद तक नपुंसक दौर भी है। हम समय के सच को तमाम तरह के झूठे विमर्शों से ढँक देना चाहते हैं। उसी में दलित- वंचित स्त्री, पिछड़े और आदिवासी विमर्शों के साथ न जाने कितने प्रकार के विमर्श शामिल हैं। आदिवासियों को बनवासी खाते में कुछ महान डाल रहें हैं ताकि उनके हक़ों को धूल चटाई जा सके। कुछ इरादे सच को पूरी तरह ख़त्म कर झूठ का तिलिस्म रच रहे हैं। समय के जलते सवालों के जवाब हर सत्ता व्यवस्था को देने होते हैं। वे नहीं दे रहे यह उनकी मर्जी। बहोरन बता रहा था कि तानाशाही मनोविज्ञान की उम्र बहुत लंबी नहीं होती। जब एक खूंखार- खतरनाक ,हिंसक - क्रूर और असहिष्णु विचार सत्ता के प्रतिष्ठानों के गर्भ में पलने लगता है तो आप उनसे क्या उम्मीद कर सकते हैं? महाभारत का धृतराष्ट्र समय ही हमें याद आता है। जब समय को समाज को हमारी अस्मिता - आकांक्षा, औकात एवं जिजीविषा को पंगु करने की कोशिश की जाती है और समाज को गंभीरता से न लेकर पशु बनने को मजबूर किया जाता है, तो समय उलटकर वो रपोटा लगाता है और ऐसे तमाम फालतू इरादों को कूड़ेदान में फेंक दिया करता है।

यह सुविख्यात तथ्य है कि कुछ लोगों को कुछ समय के लिए मूर्ख बनाया जा सकता है झांसे में फंसाया जा सकता है लेकिन सभी लोगों को सभी समय के लिए ऐसा किसी भी तरह नहीं किया जा सकता। हम विसंगतियों और षडयंत्रों के मोहजाल में और चक्रव्यूह में फँसा दिए गए हैं। कभी - कभी विकास भी एक झांसा हो जाता है और काफी लुभावना वादा भी। जब तक लोग ठीक-ठाक ढंग से समझेंगे तब तक हम लहूलुहान हो जाएंगे और पूरी तरह झुलस जाएँगे। हम प्रलोभनों के बड़े बाज़ार में हैं और विकास के अस्थि कलश ढो रहे हैं। ऐसा लगता है की कोई चमत्कार होने वाला है। ऐसा नहीं है कि बदलाव नहीं होगा। बदलाव होगा जब हम अपने आप को दांव पर लगा देंगे। तब सच में बदलाव आयेगा ही। बदलाव ऐसे ही नहीं आते।इसे हमें भारतीय स्वाधीनता आंदोलन से सीखना चाहिए। कितने लोगों ने जान की बाजी लगाई। फांसी के फंदे में झूले। कितनों की चमड़ी उधेड़ी गई। कितने लोग लहूलुहान हुए, तब जाकर हमें आज़ादी की सुबह देखने को मिली। आज़ादी कोई नाच गाना नहीं है। आज़ादी सस्ते का सौदा भाई नहीं है। कोई दिखावा नहीं है और किसी की कृपा से भी वह नहीं मिलती। वह अपनी जान देने पर मिलती है। अपने आप को हवन करने से मिलती है। हिसाब- किताब तो समय ही देखता है और वही सारे काम करता है। समय जब अपनी पर आता है तो लोगों को दिन में तारे नज़र आने लगते हैं। जसिंता केरकेट्टा की कविता स्मरण आ रही है - शीर्षक है राष्ट्रवाद।

जब मेरा पड़ोसी/
मेरे खून का प्यासा हो गया/
मैं समझ गया/
राष्ट्रवाद आ गया/

प्रथाएं

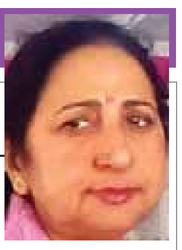

निर्मल रानी

लेखिका स्तंभकार हैं।

जानलेवा अंधविश्वास में जकड़ा भारत

बावजूद इसके कि हमारा देश अब विकास और आधुनिकता की राह पर सरपट दौड़ रहा है। उसके बावजूद हमें अपने देश में व्याप्त सदियों पुराने अंधविश्वास से छुटकारा नहीं मिल पा रहा है। एक तरफ़ तो तमाम ठग व निठल्ले लोग अंधविश्वास में जकड़े लोगों से धन ऐंठ कर अपना जीविकोपार्जन कर रहे हैं तो दूसरी ओर पागलपने की हदें पार करता जा रहा यही अंधविश्वास इस कुचक्र में उलझे लोगों की जान का दुश्मन बन चुका है। निश्चित रूप से अशिक्षित लोग इस कुचक्र में कुछ ज़्यादा ही उलझे हुये हैं परन्तु स्वयं को शिक्षित कहने वाले लोग भी अंधविश्वास के कुप्रभाव से सुरक्षित नहीं हैं। उदाहरण के तौर पर विगत कुछ वर्षों से महिलाओं ने अपने पैरों में काला धागा बांधना शुरू कर दिया है। जिसे देखो वही अपने एक पैर में काला धागा बांधे हुये है। क्या शिक्षित क्या अशिक्षित सभी अपने पैरों में काला धागा बांधकर न जाने क्या हासिल करना चाहते हैं और कौन सी सिद्धि प्राप्त करना चाहते हैं। महिलाओं तक फैला यह अन्धविश्वास अब धीरे धीरे देश के युवाओं को भी अपनी गिरफ़्त में लेता जा रहा है और इस की नक़ल कर युवा भी अपने पैरों में काला धागा बांधना शुरू कर चुके हैं। अंधविश्वास की लहर केवल अशिक्षित,गांव देहात अथवा ग़रीबों तक ही सीमित नहीं है बल्कि लगभग समग्र भारतीय समाज इसका शिकार है। और इसकी जड़ें इतनी गहरी हो चुकी हैं कि इस चक्रव्यूह से बाहर निकल पाना भी अब मुश्किल नज़र आता है।

अपने घरों या व्यावसायिक ठिकानों पर नींबू मिर्च लटकाने से आख़िर किस समस्या का समाधान निकलता है कोई नहीं जानता परन्तु लटकाता ज़रूर है। जब नींबू मिर्च लटके लटके सूख जाती है तो उसे बदल कर नींबू मिर्च का नया 'सेट' लटका दिया जाता है। गली मोहल्लों में घूम घूम कर शनि देवता का भय दिखाकर लोगों से पैसे ऐंठने वाले निठल्ले हट्टे कट्टे लोग स्वयं प्रत्येक शनिवार को थोक के भाव से नींबू मिर्च की माला बनाये हुये सेट लेकर गली गली घूमते हैं। वे इसे बेचते नहीं बल्कि स्वयं लोगों के घरों पर लटका देते हैं। और नींबू मिर्च के लटकने में बरकत या सुरक्षा की उम्मीद रखने वाला व्यक्ति अपनी जेब ढीली कर शनि के उस 'एजेंट' को अपनी श्रद्धा अनुसार भुगतान कर देता है। और यही इस विश्वास व अंधविश्वास के पीछे छुपा हुआ असली व्यवसायिक खेल है।

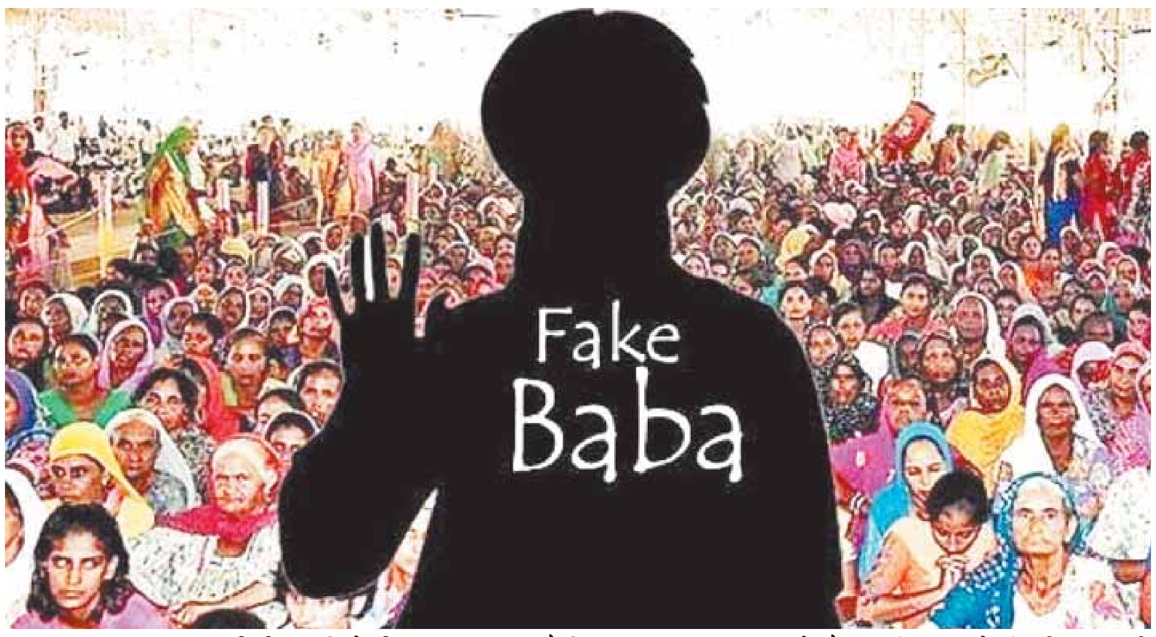

अंधविश्वास का यह खेल उस समय और अधिक चिंताजनक हो जाता है जब यह लोगों की जान लेने पर उतारू हो जाये। आये दिन अंधविश्वास में जकड़े लोगों द्वारा अपनी या अपने परिवार के सदस्यों की जान देने, मानव बलि चढ़ाने या दूसरों की बलि लेने जैसे दिल दहलाने जैसी घटनायें अंजाम दी जाती हैं। पिछले दिनों गुजरात के राजकोट ज़िले के वीछिंया तालुका नामक एक गांव में इसी तरह का एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया। कथित तांत्रिक क्रिया करने के बाद एक दंपत्ति ने हवन कुंड में अपने सिर काटकर अपनी ही आहुति दे दी। बताया जा रहा है कि मृतक 38/35 वर्षीय इस दंपति ने अपने सिर क़लम करने के लिए स्वयं ही एक ऐसा तेज़ धार हथियार तैयार किया था जिससे दोनों के सिर कटकर सीधे हवन कुंड में ही गिरें। हवन कुंड के पास ही एक सुसाइड नोट भी मिला है जिसमें इस दंपत्ति ने स्वेच्छा से अपनी जान देने की बात लिखी है। 50 रुपए के स्टांप पर लिखे गये इस सुसाइड नोट में लिखा है - 'जय भगवान, जय भोलेनाथ, हम दोनों स्वेच्छा से अपने हाथों से अपने प्राण त्याग रहे हैं। हमारे घर वाले बहुत अच्छे से रह रहे हैं। मेरे भाई भी हम लोगों को बहुत चाहते हैं। आज तक उनकी मेरी पत्नी से कोई ग़लत बात नहीं हुई। वे सभी हमारा बहुत ख़्याल रखते हैं। इसलिए उनसे किसी तरह की पूछताछ न की जाए। हम अपनी मर्ज़ी से अपने प्राण त्याग रहे हैं। इसलिए हमारे परिवार के किसी भी सदस्य को परेशान न किया जाए। इस सुसाइड नोट से यह भी ज़ाहिर है कि इस दंपत्ति को किसी तरह की परिवारिक परेशानी या तनाव भी नहीं था। बल्कि यह आत्म हत्याकांड पूरी तरह से केवल अन्धविश्वास से जुड़ा मामला था।

इसी तरह पिछले दिनों झारखण्ड राज्य के नक्सल प्रभावित ज़िले लातेहार के चंदवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत हेसला गांव में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई। यहां ग्रामीणों ने 76 व 72 वर्षीय एक वृद्ध दंपती की लाठी डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। ग्रामीण लोग इस वृद्ध दंपत्ति की पुत्रवधू बसंती देवी की भी हत्या करना चाह रहे थे परन्तु वह किसी तरह पास के जंगल में भाग कर छिप गयी और अपनी जान बचाने में सफल रही। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि घटना के दिन पड़ोस के दूसरे गांव का एक पाखंडी ओझा अपने कुछ साथियों के साथ हेसला गांव आया । यहां कुछ ग्रामीणों के साथ उनकी बैठक हुई। बैठक में ग्रामीणों ने ओझा के उकसाने पर इस वृद्ध दंपती पर डायन बिसाही होने का आरोप लगाया दिया और दंपत्ति की पिटाई का फ़रमान सुना दिया। इस वृद्ध दंपति को उसी बैठक में उनके घर से बुलाकर पूछताछ की गई। इस दौरान वहां मौजूद ओझा और अन्य ने उन्हें दंडित करने की बात कही और साथ ही साथ उसी समय पूरी क्रूरता से लाठी-डंडे से उनकी पिटाई की जाने लगी। दो दर्जन से भी अधिक आक्रोशित ग्रामीण वृद्ध दंपत्ति की लाठी-डंडे से लगातार जमकर पिटाई करते रहे । पिटाई से बुरी तरह घायल वृद्ध दंपती लोगों से मदद गुहार लगाते रहे परन्तु निर्दयी ग्रमीणों ने उनकी एक न सुनी। आख़िरकार वे खून से लथपथ हो गये और अचेत हो होकर गिर गए। अफ़सोस यह कि उनके अचेतावस्था में गिरने के बाद भी लाठी डंडों से उनकी पिटाई का सिलसिला जारी रहा और आख़िरकार उनकी मौत हो गयी। ख़बर तो यह भी है कि ओझा ने बैठक के बाद लाठी-डंडो से पिटाई करने के साथ साथ उनके शरीर से सिर को अलग करने के लिए तेज़ धार हथियार भी मंगाया था। देश के किसी न किसी कोने में आय दिन होने वाली इसतरह की घटनायें हमें यह सोचने के लिये मजबूर करती हैं कि विकास और आधुनिकता की राह पर चलने का दावा करने वाला हमारा देश अभी भी जान लेवा अंधविश्वास में बुरी तरह जकड़ा हुआ है।

खेलकूद

अनुराग तागड़े

देश के साथ विदेशों में महिला क्रिकेट का माहौल बनने लगा

महिला क्रिकेट को लेकर अब देश के साथ विदेशों में भी उत्साह का माहौल बनता दिखाई दे रहा है। जब से बीसीसीआई ने महिला क्रिकेट की कमान अपने हाथ में ली है, स्थिति में आया बदलाव दिखाई देने लगा। 'डब्ल्यूपीएल' के बाद अब टी-20 टूर्नामेंट की बहार आने वाली है। अंडर-15 और अंडर-19 के टूर्नामेंट को लेकर बीसीसीआई ज्यादा ही गंभीर है। यही कारण है कि अब लड़कियों के परिवार वाले बेटियों को दूसरे शहरों में जाकर खेलने की अनुमति देने लगे। परंपरागत क्रिकेट खेलने वाले देशों के अलावा चीन और हांगकांग समेत एशिया के कई देशों की महिला क्रिकेटरों की टीम बनने लगी।

एक दौर था जब महिला क्रिकेट को लेकर देश क्या दुनिया के देशों में भी कोई भी रुचि नहीं दिखाता था। भारत में हालात यह थे कि महिला क्रिकेटरों को अपने खुद के खर्चे पर विदेश में क्रिकेट खेलने जाना पड़ता था। इसके अलावा दूसरे खर्चे भी खुद ही उठाना पड़ते थे। उस समय विदेश जाकर क्रिकेट खेलना यानी ढेर सारी बाधाओं को पार करने जैसा था। परंतु, वर्तमान में परिस्थितियां बदली और जब से बीसीसीआई के पास महिला क्रिकेट की कमान आई, उसके बाद न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी अब महिला क्रिकेट को लेकर उत्साह बढ़ा है।

बीसीसीआई ने महिला क्रिकेटरों को समान मैच राशि देने के साथ ही अन्य सुविधाओं में भी इजाफा किया। इस कारण महिला खिलाड़ी अब निश्चिन्त होकर अपने खेल पर ध्यान लगा पा रही हैं। खासतौर पर जब अंडर-15 और अंडर-19 के टूर्नामेंट को लेकर बीसीसीआई बेहद ध्यान रख रहा है, यही कारण है कि माता-पिता अब लड़कियों को दूसरें शहरों में जाकर खेलने की अनुमति देने लगे है। सपोर्टिंग स्टॉफ भी रहता है और ठहरने और खाने की व्यवस्था काफी अच्छी रहती है। संभाग स्तर पर भी अब महिला क्रिकेट को लेकर काफी सजगता आई और सुविधाएं भी मिलने लगी। अब लड़कियों को लड़कों की तरह खेलने के लिए पर्याप्त संसाधन और जगह उपलब्ध होने लगी। इससे लड़कियों को भी प्रैक्टिस के लिए पर्याप्त समय मिलने लगा।

बीसीसीआई ने इस साल वुमेन्स प्रीमियर लीग का आयोजन करके क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया था। महिला क्रिकेटरों पर भी पैसों की बारिश हुई और देशी और विदेशी खिलाड़ियों को खेलते हुए देखने के लिए स्टेडियमों में भीड़ उमड़ी। इतना ही नहीं लाईव टेलीकास्ट को भी करोड़ो लोगों ने देखा। बड़े बड़े प्रायोजकों ने भी हिम्मत दिखाई और महिला क्रिकेट में पैसा लगाया। इस कारण देशभर में महिला क्रिकेट को लेकर सकारात्मक माहौल बना और खासतौर पर अब लड़कियों को क्रिकेट में करियर बनाने के लिए परिवार राजी होने लगे। अब क्रिकेट के मैदानों में लड़कों के साथ लड़कियां प्रैक्टिस करती भी नजर आने लगी है। पहले जहां टीम चयन के लिए होने वाले ट्रायल्स में मुश्किल से 20-

25 लड़कियां आती थी, अब यह संख्या 70 से 100 के बीच पहुंचने लगी।

कई टूर्नामेंट्स का आयोजन

पहले लड़कियों को क्रिकेट मैच खेलने को नहीं मिलते थे। साल भर में बमुश्किल आठ से दस मैच टूर्नामेंट हो पाते थे। परंतु, अब स्थितियां बदली है और विभिन्न राज्यों में टी-20 टूर्नामेंट लड़कियों के लिए आयोजित हो रहे हैं। छोटे शहरों और कस्बों में भी टेनिस टूर्नामेंट्स में लड़कियों के लिए मैच करवाएं जा रहे है। इसका फायदा निश्चित रुप से उन खिलाड़ियों को भी हो रहा है, जो राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं बना पा रहे है या जिन्हें अब तक मौका नहीं मिला। हाल ही में गोवा में केवल महिलाओं के लिए टी-20 टूर्नामेंट का बड़ा आयोजन हुआ, जिसमें कई प्रतिभाएं सामने आई। इसके अलावा महाराष्ट्र में भी टी-20 की स्पर्धाएं आयोजित की जाना है। अब, जबकि बीसीसीआई ने महिला क्रिकेट को लेकर शानदार पहल की है, राज्य क्रिकेट एसोसिएशन को भी पहल करके महिला क्रि केटरों को आगे लाने के लिए स्पर्धाओं का आयोजन करना होगा। साथ ही अंडर 15 से लेकर अन्य उम्र की स्पर्धाओं में से प्रतिभाओं की तलाश कर उन्हें निखारना होगा और भविष्य के खेल के लिए तैयार करना होगा।

बढ़ रहा है लीग क्रिकेट

आईपीएल की तर्ज पर दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, आस्ट्रेलिया, इंग्लैड और अब अमेरिका में भी बड़ी लीग आयोजित की जा रही है। खास बात यह है कि जिस प्रकार से आईपीएल में भारतीय औद्योगिक घरानों ने अपनी अपनी टीम खरीदी है, इन्हीं लोगों ने अफ्रीका में भी टीमें खरीदी और अब अमेरिका में बड़ी लीग आयोजित की जा रही है जिसकी टीमें भी भारतीय उद्योगपतियों ने खरीदी हुई है। भारत सहित आस्ट्रेलिया, इग्लैंड में महिलाओं के लिए टी-20 जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन हो रहा है, जिसमें भारतीय खिलाड़ी भी भाग ले रहे है।

डब्ल्यूपीएल को लेकर जल्द निर्णय

बीसीसीआई ने इस साल वुमेन्स प्रीमियर लीग का आयोजन सफलतापूर्वक किया। परंतु वह मुंबई तक ही सीमित था। बीसीसीआई अब आईपीएल की तर्ज पर अलग अलग शहरों में इसे आयोजित करने का विचार कर रहा था। इसके लिए पूर्व में दिवाली के आसपास का समय तय भी कर लिया गया था, परंतु क्रिकेटरों की व्यस्तता के चलते बीसीसीआई को इसके लिए अलग समय निकालना पड़ेगा। आईपीएल के अहमदाबाद फाइनल के पहले बीसीसीआई ने सभी राज्यों के क्रिकेट एसोसिएशन की बैठक अहमदाबाद में ही बुलाई है और इस बार विभिन्न मुद्दों के साथ महिला क्रिकेटरों को लेकर भी निर्णय होंगे। चीन और हांगकांग की टीमें भी अच्छा क्रिकेट खेलने लगी है।

इस बार ईस्ट एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन महिला क्रिकेटरों के लिए किया जा रहा है और वह भी हांगकांग में। इसके पूर्व मलेशिया की टीम एशिया कप महिला क्रिकेट में भाग ले चुकी है और यूएई की टीम भी काफी अच्छा क्रिकेट खेलती है। अब हांगकांग और चीन जैसे देश भी क्रिकेट के क्षेत्र में हाथ आजमा रहे है और चीन और हांगकांग की टीमें भी प्रोफेशनली ट्रेनिंग भी ले रही है। इससे लगता है कि वे आज से कुछ साल बाद कड़ी टक्कर देने की स्थिति में रहेगी। दूसरी और अमेरिका की महिला क्रिकेट टीम भी लगातार गुणवत्ता वाला खेल दिखा रही है। अगले कुछ सालों में कई नए देश भी महिला क्रिकेट से जुड़ सकते हैं।

जिला हॉकी फीडर सेंटर में मानसेवी प्रशिक्षक के लिए आवेदन आमंत्रित

बैतूल। जिला खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा जिला हॉकी फीडर सेंटर के संचालन के लिए मानसेवी प्रशिक्षक के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक आवेदक जो बैतूल जिले का मूल निवासी हो (आवेदन के साथ मूल निवास प्रमाण पत्र होना आवश्यक), आयु 18-35 वर्ष (31 मई 2023 की स्थिति में) हो तथा आवेदक ने राष्ट्रीय/राज्य स्तर पर प्रतिनिधित्व किया हो, आवेदन कर सकते हैं।

इच्छुक आवेदक अपना आवेदन फार्म 02 जून 2023 को सायं 5.30 बजे तक कार्यालय जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी, पुलिस लाइन बैतूल में कार्यालयीन दिवसों में जमा कर सकते हैं।

नि:शुल्क हृदय रोग जांच एवं परीक्षण शिविर में 29 बच्चे सर्जरी के लिए चिन्हित

बैतूल। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 25 मई को जिला चिकित्सालय के नवीन भवन में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत निःशुल्क हृदय रोग जांच एवं परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में जन्म से 18 वर्ष तक के बच्चों का सिद्धांता रेड क्रॉस सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल भोपाल की टीम द्वारा परीक्षण किया गया। शिविर में कुल 81 बच्चों ने अपना पंजीयन कराया, जिसमें से 29 बच्चों को सर्जरी के लिए चिन्हित किया गया। 3 बच्चों को अग्रिम जांच हेतु उच्च संस्था में रेफर किया गया। 6 बच्चों को फॉलो अप के लिए रखा गया है। शिविर में आए कुल 43 बच्चे सामान्य दर्ज किए गए हैं। चिन्हित 29 बच्चों की मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना के अंतर्गत निशुल्क सर्जरी कराई जायेगी। शिविर में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज हुरमाड़े, जिला सर्विलेंस ऑफिसर डॉ. राजेश परिहार, आरएमओ डॉ. रानू वर्मा, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. आशीष ठाकुर, आरबीएसके जिला प्रबंधक श्री योगेंद्र कुमार सहित राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के जिले के दल मौजूद रहे।

सीएमएचओ डॉ. सुरेश बौद्ध ने बताया कि 26 मई 2023 को भी जिला चिकित्सालय परिसर में निःशुल्क हृदय रोग जांच एवं परीक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में चिरायु मेडिकल कॉलेज भोपाल द्वारा अपनी सेवाएं प्रदान की जाएगी। असुविधा से बचने हेतु बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र, दो पासपोर्ट साइज फोटो एवं बच्चे के पिता का एड्रेस प्रूफ (आधार कार्ड/अन्य पहचान पत्र) तथा बच्चे के चल रहे उपचार से संबंधित दस्तावेज, फाईल आदि साथ लेकर आयें। अधिक जानकारी के लिये आरबीएसके जिला प्रबंधक श्री योगेन्द्र कुमार से मोबाइल नम्बर 9329553382 पर सम्पर्क किया जा सकता है। सीएमएचओ ने जन्म से 18 वर्ष तक के ऐसे बच्चों के माता पिता से निःशुल्क हृदय रोग जांच एवं परीक्षण शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

12वीं के परीक्षा परिणाम में हितैषी साहू को मिली सफलता

84 प्रतिशत अंक लेकर विद्यालय एवं परिजनों का मान बढ़ाया

बैतूल। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित 12वीं के बोर्ड परीक्षा परिणामों में बैतूल गंज स्थित श्री अग्रसेन महाराज हायर सेकेंडरी स्कूल में

अध्ययनरत कु. हितैषी (गुनगुन) साहू ने 84 प्रतिशत अंक लेकर विद्यालय एवं परिजनों का मान बढ़ाया है। कु.हितैषी साहू ने कुल अंक 500 में से 422 अंक प्राप्त किए है। बेटी कु.हितैषी ने सभी विषयों में विशेष योग्यता हासिल की है। छात्रा की इस उपलब्धि पर जहां उनके परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं है। विद्यालय परिवार ने भी छात्रा की उपलब्धि पर उसे शुभकामनाएं दी हैं।

उल्लेखनीय है कि कु.हितैषी साहू प्रतिष्ठित पत्रिका अखबार के ग्राफिक्स डिजाइनर एवं यश इलेक्ट्रॉनिक के संचालक यशपाल साहू की बड़ी बिटिया हैं। कु.हितैषी ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मम्मी श्रीमती रेखा (रश्मि) साहू, पापा यशपाल साहू एवं छोटी बहन तृप्ति (गोल्डी) साहू को दिया है। कु. हितैषी अपनी इस सफलता पर बेहद खुश है। सफलता का श्रेय उन्होंने अपने मम्मी पापा एवं शिक्षकों को दिया है। छात्रा ने बताया कि वह मेडिकल फील्ड में जाना चाहती है, इसके लिए वे आगामी काम्पिटिशन परीक्षा की तैयारी करेंगी। उन्होंने अपनी सफलता के लिए स्कूल के शिक्षक, शिक्षिकाओं सहित समस्त स्टाफ का आभार व्यक्त किया है।

विधायक पांसे ने यूपीएससी परीक्षा पास करने वाले लोकेश के माता पिता को किया सम्मानित

मुलताई/बैतूल। विधायक एवं पूर्व केबीनेट मंत्री सुखदेव पांसे ने आज पूरे क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले यूपीएससी की परीक्षा पास करने वाले लोकेश बारंगे को बधाई देते हुए उनके माता पिता श्री सुखराम बारंगे शिक्षक एवं माता श्रीमती रेखा बारंगे को उनके घर जाकर शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया।

श्री लोकेश बारंगे मुलताई तहसील के ग्राम महतपुर निवासी हैं एवं वर्तमान में मुलताई के पटेल वार्ड में निवासरत हैं तथा उनके पिताजी भी स्थानीय गर्ल्स हायर सेकेण्डरी स्कुल में शिक्षक है। लोकेश वर्तमान मे आई.टी. इंजीनियर की जॉब भी कर रहे है बिना किसी कोचिंग के तीसरे प्रयास में ही इनके द्वारा यूपीएससी की परीक्षा क्रेक कर ली गई थी। स्थानीय रेड रोज स्कूल से आठवी तक पढने वाले लोकेश के पिता श्री सुखराम बारंगे भी अपने समय के टॉपर रहे है।

श्री लोकेश बारंगे ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता तथा बडे भाई को देते हुए बताया कि जब पहले दो प्रयासों में वे असफल होकर निराश हो गए थे तो उनके पिता ने उन्हें संबल देते हुए कहा कि तुम बेहतर के लिए नही बेहतरीन के लिए बने हो इसी बात से प्रेरित होकर उन्होंने तीसरे प्रयास में पूरी मेहनत कर सफलता प्राप्त की है। श्री पांसे ने कहा कि लोकेश के इस प्रयास ने पूरे मुलताई नगर के नाम को गौरवांवित किया है। इस परीक्षा को पास करने वाले यह नगर के प्रथम व्यक्ति हैं। लोकेश की सफलता से क्षेत्र के अन्य छात्र-छात्राएं भी सिविल सर्विस में जाने के लिए प्रेरित होंगे ।

कार्यकर्ता ही कांग्रेस संगठन की असली ताकत : संजय कपूर

प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनते ही जिले में बनेंगे मेडिकल और एग्रीकल्चर कॉलेज

बैतूल। कांग्रेस पार्टी की रीढ़ हर एक कार्यकर्ता है। वह कार्यकर्ता ही है जिसकी ताकत से पार्टी संगठन चलता है। कोई भी संगठन तब तक सफल नहीं हो सकता जब तक वो नियम और अनुशासन से न चलता हो। देश मे कांग्रेस ही एकमात्र ऐसा संगठन है जो पिछले 135 वर्षो से नियमो और अनुशासन के साथ चल रहा है। संगठन में कार्यकर्ताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है और कार्यकर्ताओं के बिना एक निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति नहीं की जा सकती है।

यह बात एआईसीसी सचिव संजय कपूर ने गुरुवार को बैतूल शहर के लिंक रोड स्थित आनंद मैरिज लॉन में आयोजित कांग्रेस के कार्यकर्ता सम्मेलन में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कही। कांग्रेस के कार्यकर्ता सम्मेलन में जिले भर से लगभग 300 मंडलम सेक्टर के पदाधिकारी कार्यकर्ता शामिल हुए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी चरम सीमा पर है, महंगाई कमरतोड़ बढ़ती जा रही है, किसान परेशान हैं, हमें विश्वास है कि हम लडक़र प्रदेश में कांग्रेस की सुशासन वाली सरकार को 2023 में ला सकते हैं और लाएंगे भी, जिसके लिए हमें लडऩा होगा हम लड़ेंगे। देश में कांग्रेस की लहर चल उठी है और अब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि अब इस जनविरोधी बीजेपी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल लें और जन-जन को इस सरकार का असली चेहरा दिखाने का काम करें। उन्होंने कहा कि कमलनाथ जी जो कहते हैं वह करते हैं उन्होंने नारी सम्मान योजना सहित बिजली बिल माफ करने की बड़ी घोषणाओं से भी कार्यकर्ताओं को अवगत कराया। पीसीसी महासचिव चंद्रिका प्रसाद द्विवेदी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी ने महंगाई, भ्रष्टाचार एवं बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश की जनता इन समस्याओं से ग्रस्त है। उन्होंने मंच पर कहा कि मिशन 2023 में यह मुहिम कांग्रेस को प्रदेश में विजय हासिल करने में काफी मदद करेगी।

जिले में खुलेंगे मेडिकल और एग्रीकल्चर कॉलेज - पूर्व पीएचई मंत्री एवं मुलताई विधायक सुखदेव पांसे ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनते ही बैतूल जिले में सबसे पहले मेडिकल कॉलेज खुलवाएंगे। विधायक निलय डागा ने कहा कि हमारा जिला कृषि बाहुल्य जिला है, मेडिकल कॉलेज के साथ ही बैतूल में एग्रीकल्चर कॉलेज की मांग ज्यादा है कमलनाथ जी की सरकार बनते ही प्राथमिकता के साथ एग्रीकल्चर कॉलेज भी खुलवाएंगे। विधायक डागा ने बताया कि कांग्रेस की सरकार आने के बाद बैतूल में बहुप्रतीक्षित अत्याधुनिक ट्रांसपोर्ट नगर और स्पोर्ट्स कांपलेक्स बनाने की योजना तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सभी कार्यकर्ता एकजुट है, हम कमलनाथ जी की जन हितैषी योजनाओं के बल पर आगामी विधानसभा चुनाव जीतेंगे।

भाजपा में मची है भगदड़- विधायक ब्रह्मा भलावी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में भगदड़ मची हुई है। भाजपा के कई कार्यकर्ता पदाधिकारी कांग्रेस के संपर्क में है भारतीय जनता पार्टी में ज्यादा फूट है, वहीं कांग्रेस के कार्यकर्ता एकजुट होकर संगठन के साथ काम कर रहे हैं। संगठन के माध्यम से सभी कांग्रेस जन मिलकर अच्छा काम कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने युवाओं के साथ, किसानों के साथ हमेशा छल किया है और कांग्रेस ने जो वचन दिया है उद्योग लगाने की बात हो या कर्जा माफी की बात हो कांग्रेस सरकार प्राथमिकता से अपना वचन पूरा करेगी।

कमलनाथ के 5 वचनों से कार्यकर्ताओं को कराया अवगत - कार्यकर्ताओं को कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष सुनील शर्मा एवं ग्रामीण जिला अध्यक्ष हेमंत वागद्रे ने भी संबोधित किया। उन्होंने कमलनाथ जी द्वारा जनता को दिए गए 5 वचनों से कार्यकर्ताओं को अवगत कराया।साथ ही कहा कि कमलनाथ जी की जन हितैषी योजनाओं के दम पर ही हम प्रदेश में कांग्रेस की सरकार लाएंगे। उन्होंने बताया कि एमपी में कांग्रेस की सरकार बनने पर 100 यूनिट तक बिजली मुफ्त मिलेगी। 200 यूनिट तक की खपत पर आधे बिल का ही भुगतान उपभोक्ताओं को करना होगा। हमारी सरकार आते ही माता-बहनों को हर महीने 1500 रुपये दिए जाएंगे। गैस सिलेंडर के दाम में भी कटौती कर 500 में दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को पुरानी पेंशन भी दी जाएगी।

सम्मेलन में यह रहे उपस्थित – कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्य रूप से एआईसीसी के सचिव संजय कपूर, पीसीसी के महासचिव चंद्रिका प्रसाद द्विवेदी, सुनील शर्मा जिला कांग्रेस अध्यक्ष बैतूल शहर, हेमंत वागद्रे जिला कांग्रेस अध्यक्ष बैतूल ग्रामीण, सुखदेव पांसे पूर्वमंत्री एवं वर्तमान विधायक मुलताई, निलय डागा विधायक बैतूल, धरमू सिंह विधायक भैंसदेही, ब्रम्हा भलावी विधायक घोड़ाडोंगरी, अनुराग मिश्रा, हेमंत पगारिया, नारायण धोटे, मोनिका निरापुरे, पुष्पा पेंड्राम, विजय पारधी जिला अध्यक्ष एनएसयूआई, अंबर, नरेंद्र मिश्रा, मोनू बड़ोनिया ब्लॉक अध्यक्ष बैतूल शहर, तरुण कालभोर ब्लॉक अध्यक्ष बैतूल ग्रामीण, मनोज देशमुख, मुन्ना पाठक, डॉ रमेश काकोडिया, हितेश निरापूरे, राजू देशमुख, मनोज मालवे, लवलेश बब्बा राठौर, हर्षवर्धन घोटे सहित मंडलम सेक्टर के पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान अर्जित करने वाले छात्र-छात्राओं को कलेक्टर ने शुभकामनाएं दीं

हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी प्रमाण पत्र परीक्षा के परिणाम घोषित

बैतूल। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी प्रमाण पत्र परीक्षा के परीक्षा परिणाम एक साथ गुरुवार 25 मई 2023 को घोषित किए गए। हाई स्कूल प्रमाण पत्र परीक्षा अंतर्गत बैतूल जिले के दो छात्र एवं हायर सेकेंडरी प्रमाण पत्र परीक्षा अंतर्गत जिले के एक छात्र द्वारा प्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान अर्जित किया गया है। प्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान अर्जित करने वाले तीनों छात्र-छात्राओं को कलेक्टर श्री अमनबीर सिंह बैंस ने पुष्पमाला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री अभिलाष मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा भी मौजूद रहे।

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा ने बताया कि हाई स्कूल कक्षा दसवीं की राज्य की मेरिट सूची में दसवें स्थान पर सम्मिलित रूप से जिले के जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालय बैतूल के छात्र श्री शिवम पुत्र श्री भीम राठौर द्वारा 500 में से 485 अंक तथा शासकीय सीएम राइज उत्कृष्ट उमावि मुलताई की छात्रा कुमारी प्रीति पुत्री श्री गुलाब सिंह कुमरे द्वारा भी 485 अंक अर्जित कर राज्य की मेरिट में स्थान अर्जित किया गया है। हायर सेकेंडरी प्रमाण पत्र परीक्षा में संजीवनी उमावि शाला बैतूल के छात्र श्री राहुल पुत्र श्री दिनेश यादव द्वारा गणित संकाय की घोषित राज्य की प्राविण्य सूची में दसवां स्थान अर्जित किया है।

हाई स्कूल प्रमाण पत्र परीक्षा की जिले की मेरिट सूची में प्रथम तीन स्थानों पर 07 छात्र-छात्राओं द्वारा स्थान अर्जित किया गया है, जिसमें से तीन छात्र जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालय बैतूल से, एक छात्र शासकीय हाईस्कूल सावंगी तथा तीन छात्र विभिन्न अशासकीय शालाओं गुरुकुल विद्या मंदिर मुलताई, एलएफएस पाथाखेड़ा तथा पैराडाइज स्कूल आमला से हैं। इसी प्रकार हायर सेकेंडरी प्रमाण पत्र परीक्षा अंतर्गत जिले की मेरिट सूची में प्रथम तीन स्थानों पर 4 छात्र-छात्राओं द्वारा स्थान अर्जित किया गया जिनमें जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालय बैतूल से तीन छात्र एवं एक छात्र विनायक हायर सेकेंडरी स्कूल बैतूल से है।

32 यात्रियों का मुख्यमंत्री हवाई तीर्थ यात्रा में चयन

बैतूल। चार दिवसीय मुख्यमंत्री हवाई तीर्थ यात्रा, आगरा, मथुरा , वृंदावन हेतु बैतूल जिले के 32 यात्रियों का चयन किया गया जिसमें रघुवंशी समाज के सम्मानीय श्री संतोषसिंह ठाकुर शिक्षक नीमपानी (बैतूल) का चयन किया गया । यात्रा प्रारंभ होने के पूर्व आज जिला पंचायत सभागृह में श्री संतोषसिंह शिक्षक को बैतूल हरदा- सांसद श्री डी.डी. उइके, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजा पवार, एवं आमला विधायक श्री योगेश पंडाग्रे जी, जिला पंचायत सीईओ एवं अपर कलेक्टर बैतूल द्वारा फूल माला से स्वागत किया गया

तीर्थ यात्रा के लिए चयन होने पर रघुवंशी समाज जिला अध्यक्ष श्री कोमलसिंह रघुवंशी, पूर्व नगर अध्यक्ष शंकरसिंह रघुवंशी, एवं समस्त रघुवंशी समाज की ओर से शुभकामनाएँ एवं बधाई प्रेषित की गई है।

शासकीय प्राथमिक शाला पाली का किया निरीक्षण

नरसिंहपुर। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने शासकीय प्राथमिक शाला पाली का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने प्राथमिक शाला के परीक्षा परिणाम के बारे में जानकारी ली। उन्हें अवगत कराया गया कि यहां शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम रहा है। इस पर कलेक्टर ने स्कूल के शिक्षकों को सम्मानित करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने विद्यालय परिसर में किचन शेड का जायज़ा लेते हुए इसकी जानकारी ली। सीईओ जनपद ने बताया कि किचन शेड निर्माण के लिए 1 लाख 84 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। इसकी पहली किस्त पूर्व में और दूसरी किस्त दिसंबर 2022 में जारी हो चुकी है। इसके बावजूद निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत द्वारा कार्य पूर्ण नहीं किया गया है। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि विधायक निधि से चबूतरा निर्माण के लिए 50 हजार रुपये की राशि ग्राम पंचायत को प्रदान की गई है, इस राशि का भी उपयोग नहीं हुआ है। इस कारण से यह कार्य अभी भी अप्रारंभ है। इस पर कलेक्टर ने उक्त कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये, अन्यथा संबंधित से वसूली की कार्रवाई करने के निर्देश दिये। शासकीय विद्यालय पाली के शिक्षक श्री सिराज अहमद सिद्दीकी ने बताया कि आनंद घर की अवधारणा महान शिक्षाविद् गिजुभाई बधेका जी के विचारों पर आधारित है, इसमें बच्चों को सहज, सरस, आनंददायी वातावरण में खेल- खेल में शिक्षा और नैतिक मूल्यों को सिखाया जाता है। बच्चों को संवेदनशील, जिम्मेदार नागरिक बनाने के लिए उनमें सहज- सरल व्यक्तित्व के निर्माण, परस्पर सहयोग, ईमानदारी, कर्तव्य परायणता आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष जोर दिया जाता है। शाला में प्रतिवर्ष बदल बदलकर पेंटिंग कराई जाती है, ताकि नवीनता बनी रहे। बच्चों के लिए मनोरंजक एवं रूचिकर गतिविधियों का संचालन शाला में कराया जाता है। शाला में मित्रता पूर्ण व्यवहार और व्यक्तित्व विकास के लिए शाला परिवार द्वारा स्वतंत्र वातावरण दिया जाता है। शिक्षक श्री सिद्दीकी ने निजी खर्च से स्कूल में गार्डन बनवाया है। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्ष में बालिका सशक्तिकरण के अंतर्गत स्कूल की 2 बच्चियों का एनटीपीसी में प्रशिक्षण के लिए चयन हुआ। इस वर्ष पूरे सांईखेड़ा विकासखंड से केवल इस स्कूल की छात्रा कीर्ति धानक का राज्य स्तर पर इंग्लिश ओलंपियाड में चयन हुआ है।

जिला न्यायालय में अभिभाषकों का किया गया नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

देवास। जिला न्यायालय देवास में 25 मई को अभिभाषक संघ के समस्त अधिवक्ताओं का निश्शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन जिला अस्पताल द्वारा रखा गया। अभिभाषक संघ अध्यक्ष रामप्रसाद सूर्यवंशी ने बताया कि प्रातः 10.30 बजे शुरू हुए शिविर में अभिभाषक संघ सहित जिला न्यायालय में कार्यरत अधिवक्ताओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया। मेडीकल विशेषज्ञ डॉ. बी.आर. शुक्ला, मेल नर्स पवन यादव, लेब टैक्नीशियन कृष्णा भास्कर ने अभिभाषकों का सीबीसी, लिवर फंक्शन टेस्ट, किडनी फंक्शन टेस्ट, लिपिड प्रोफाइल, एच बी ए 1 सी, टी 3 टी 4 टी एस एच, विटामिन बी 12, सीआरपी, रूमेटिंग फैक्टर, विटामिन डी आदि जाँच का निःशुल्क परीक्षण किया। साथ ही जाँच की रिपोर्ट भी तुरंत अभिभाषकों को दी गई। इस अवसर पर उपाध्यक्ष चंद्रशेखर वाजपेयी, कोषाध्यक्ष राजेश जायसवाल, पुस्तकालय सचिव लोकेन्द्र शुक्ला, सहसचिव निलेश वर्मा सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित थे। उक्त जानकारी संघ सचिव चंद्रपाल सिंह सोलंकी ने दी।

प्रीति कुमारे ने प्रदेश की प्रावीण्य सूची में प्राप्त किया दसवां स्थान

लुभांशी बेले रही जिले की प्रावीण्य सूची में द्वितीय स्थान पर

बैतूल/मुलताई । कक्षा दसवीं के आए बोर्ड परीक्षा परिणामों में मुलताई नगर की दो छात्राओं ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है सीएम राइज स्कूल की छात्रा प्रीति कुमरे ने दसवीं बोर्ड परीक्षा के कुल 500 अंको में से 485 अंक प्राप्त कर प्रदेश की प्रवीण सूची में दसवां स्थान प्राप्त किया। वही गुरुकुल विद्या मंदिर की छात्रा कुमारी लुभांशी बेले ने 500 में से 480 अंक प्राप्त कर जिले की प्रवीण सूची में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है । दसवीं बोर्ड परीक्षा में अपनी प्रतिभा से जिले का गौरव बढ़ाने वाली दोनों ही छात्रा में एक समानता है। दोनों ही बहुत ही गरीब परिवार से आती हैं। छात्रा प्रीति कुमरे के पिता नगर पालिका में तृतीय श्रेणी कर्मचारी थे जिनकी 8 फरवरी को बीमारी के चलते मौत हो गई थी और 1 मार्च से बोर्ड परीक्षा प्रारंभ हुई प्रीति कहती है मैं अपने पिता के सपनों को पूरा करना चाहती हूं वह चाहते थे पढ़ लिखकर अधिकारी बनु पिता मौत के सदमे के बावजूद प्रीति ने अपना नाम प्रदेश की प्रवीण सूची में दर्ज कराया। लुभांशी बेले भी गरीब परिवार से आती है जिनके पिता एक छोटी सी किराना दुकान संचालित करके अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं लुभांशी ने भी अपने पिता के आंखों के सपनों को परवान चढ़ाया है।

प्रीति कुमरे ने रचा इतिहास प्रदेश मे प्राप्त किया दसवां स्थान- मुलताई- सीएम राइज स्कूल मुलताई की कक्षा दसवीं की छात्रा प्रीति गुलाब सिंह कुमरे माता मनोरमा कुमरे ने कक्षा दसवीं में 500 में से 485 अंक प्राप्त कर प्रदेश में दसवां स्थान प्राप्त किया है। प्रीति कुमरे को साइंस में 100 में से 100 अंक प्राप्त हुए प्रीति आईएएस अफसर बनना चाहती है। प्रति एक साधारण से गरीब परिवार की लडक़ी है पिता गुलाब सिंह कुमरे नगर पालिका में कर्मचारी थे जो अब दुनिया में नहीं है । प्रीति अपने माता और एक भाई के साथ भगत सिंह वार्ड में रहती है माता मनोरमा कुमरे सिलाई कढ़ाई का काम करके अपने परिवार का पालन पोषण कर रही है । प्रीति कहती है कि उसकी इस उपलब्धि में शाला प्राचार्य संदीप गणेशे, महेश खत्री सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है सभी के सहयोग से उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है।

लुभांशी बेले ने प्राप्त किया ,जिले की प्रवीण सूची मे दूसरा स्थान- मुलताई -गुरुकुल विद्या मंदिर में कक्षा दसवीं की छात्रा कुमारी लुभांशी बेले ने 500 में से 480 अंक प्राप्त कर जिले की प्रवीण सूची में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है । लुभांशी को 96 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए है। लुभांशी ने बताया कि वह आईएस बनना चाहती है। लुभांशी एक साधारण गरीब परिवार की बेटी है जिनके पिता श्यामू बेले की एक छोटी सी किराना दुकान है और माता साक्षी बेले ग्रहणी महिला । लुभांशी कहती है उनकी इस उपलब्धि में गुरुकुल विद्या मंदिर के प्राचार्य अतुल बारंगे टीचर अनीता दादरी रोशनी ओमकार शिखा पवार सहित माता-पिता और समस्त गुरुजनों की महती भूमिका रही है जिनके मार्गदर्शन और सहयोग के कारण उन्हें यह उपलब्धि हासिल हुई है।

देवास जिले की छात्रा कंचन बडोदिया 12वीं में ललित कला संकाय में प्रदेश में प्रथम

वाणिज्य संकाय में छात्रा जया गुर्जर ने प्रदेश में आठवां स्थान किया प्राप्त। उत्कृष्ट विद्यालय देवास के 10वीं के छात्र चेतन झाडे की प्रदेश में दसवीं रैंक, देवास जिले में 10वीं का परीक्षा परिणाम 68.16 प्रतिशत तथा 12वीं का परीक्षा परिणाम 58.58 प्रतिशत रहा, कलेक्टर श्री गुप्ता ने उत्तीर्ण होने वाले सभी विद्यार्थियों को दी शुभकामनाएं।

देवास। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम गुरूवार को घोषित किए गए। देवास जिले में 10वीं का परीक्षा परिणाम 68.16 प्रतिशत तथा 12वीं का परीक्षा परिणाम 58.58 प्रतिशत रहा।

कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने परीक्षा में उत्तीर्ण सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि जो विद्यार्थी सफल नहीं हुए हैं वे हताश, निराश न हों। असफलता हमारे रास्ते बंद नहीं करती हमें सिखाती है। जो कमियां रह गई हैं उन्हें दूर कर फिर मेहनत कर सफल होंगे। आपके सामने पूरा खुला आसमान है उड़ान भरने के लिये। उन्होंने कहा है कि वे असफलता से घबराये नहीं, आगे और अच्छे से मेहनत कर सफलता अर्जित करें।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने उत्कृष्ट विद्यालय देवास के 10वीं के छात्र चेतन झाडे को प्रदेश में दसवीं रैंक प्राप्त करने पर कलेक्टर कार्यालय में मिठाई खिलाकर बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर छात्र के परिजन और उत्कृष्ट विद्यालय देवास के प्राचार्य श्री सुधीर कुमार सोमानी सहित अन्य शिक्षक भी उपस्थित थे। छात्र चेतन ने 10वीं कक्षा में 500 में से 485 अंक प्राप्त किये है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने 12वीं में शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय कन्नौद की छात्रा कंचन बडोदिया को ललित कला संकाय में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने एवं वाणिज्य संकाय में अशासकीय डिजिटल कॉन्वेंट स्कूल संदलपुर(खातेगांव) की छात्रा जया गुर्जर को प्रदेश में आठवां स्थान प्राप्त करने पर बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि छात्रा कंचन बडोदिया ने 12वीं में 500 मे से 460 अंक प्राप्त किये तथा छात्रा जया गुर्जर ने 500

मे से 472 अंक प्राप्त किये है। देवास जिले में कक्षा 10वीं में 19 हजार 999 विद्यार्थी शामिल हुए। जिसमें 13 हजार 633 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। कक्षा 10वीं में 08 हजार 959 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी, 04 हजार 572 द्वितीय श्रेणी तथा 102 विद्यार्थी तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए है। देवास जिले में कक्षा 12वीं में 18 हजार 133 विद्यार्थी शामिल हुए। जिसमें 10 हजार 624 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। कक्षा 12वीं में 07 हजार 528 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी, 03 हजार 070 द्वितीय श्रेणी तथा 26 विद्यार्थी तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए है।

भव्या शर्मा ने हासिल किया 12वीं में गौरवशाली स्थान

देवास। कुमारी भव्य शर्मा 12वीं में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण देवास नयापुरा निवासी राकेश शर्मा एवं श्रीमती सोनाली शर्मा की सुपुत्री कांग्रेस प्रवक्ता सुधीर शर्मा की पौती कु .भव्य शर्मा ने एमपी बोर्ड की 12वीं की परीक्षा इग्लिश मीडियम मैं 500 में से 450 अंक लाकर प्रथम श्रेणी में पास की।

डागा फाउंडेशन की छात्रा महिमा सोनारे जिले में द्वितीय स्थान पर रही

10वीं में रिकॉर्ड 96 प्रतिशत अंक हासिल किए, डागा फाउंडेशन लैपटॉप देकर करेगा पुरस्कृत

बैतूल। डागा फाउंडेशन बैतूल द्वारा संचालित निशुल्क कोचिंग क्लासेस के सेंटर सावंगी (आठनेर) में कक्षा दसवीं में अध्ययनरत छात्रा महिमा सोनारे पिता गुरुदेव सोनारे ने कक्षा 10 वी में रिकॉर्ड 96 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले में द्वितीय और पूरे प्रदेश में 66वा स्थान प्राप्त किया है। छात्रा को प्रोत्साहित करने के लिए डागा फाउंडेशन द्वारा आगामी समय में छात्रा को लैपटॉप प्रदान कर पुरस्कृत किया जाएगा। छात्रा की सफलता पर डागा फाउंडेशन की डायरेक्टर श्रीमती दीपाली निलय डागा ने उन्हें बधाई प्रेषित करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

गौरतलब है कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक और उत्साहित करने के लिए डागा फाउंडेशन द्वारा वर्ष 2015 से निशुल्क कोचिंग क्लास की शुरूआत की गई। मात्र पांच सेंटर से फाउंडेशन के बढ़ते कदम छह वर्ष में 74 तक पहुंच गए हैं। इन सेंटरों में जिले के विभिन्न ब्लॉकों के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले बच्चों को उच्च शिक्षित बनाने का प्रयास किया जा रहा है। फॉउंडेशन के निशुल्क कोचिंग सेंटरों में पढने वाले लगभग 40 हजार बच्चे अब तक लाभ पा चुके हैं। श्रीमती दीपाली डागा ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में कभी भी किसी कार्य को करने से पहले एक उद्देश्य बनाना जरूरी रहता है। किसी लक्ष्य को प्राप्त करने में कठिनाइयों का विशेष योगदान रहता है। देखने में आता है कि कभी कभी कुछ बच्चे इन समस्याओं के सामने आने के बाद अपने लक्ष्य से भटकने लगते हैं। बच्चों को इस तरह की कठिनाईयों और समस्याओं से बिलकुल भी घबराना नहीं चाहिए। उन्होंने पालकों से अपील की है कि बच्चों को पढ़ाई के प्रति प्रोत्साहित जरूर करें लेकिन अनावश्यक दबाव कभी न डालें। उन्होंने बताया कि डागा फाउंडेशन द्वारा 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया जाता है। इसी परंपरा के तहत इस वर्ष भी 95 प्रतिशत से ऊपर अंक हासिल करने वाले फाउंडेशन में अध्ययनरत प्रतिभावान विद्यार्थियों को पुरस्कार स्वरूप लैपटॉप प्रदान किया जाएगा।

जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष राजानी को सतवास नगर परिषद प्रभारी बनने पर किया स्वागत

देवास। पुर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ जी के निर्देशानुसार देवास जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज राजानी को सतवास नगर परिषद का प्रभारी नियुक्त किया गया। जिससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है। शहर कांग्रेस के कर्मठ नेता कमलनाथ विचार सद्भावना मंच प्रदेश सचिव शाहिद खान के नेतृत्व में अमर मोहिनी गार्डन उज्जैन रोड पर कांग्रेस पार्टी की जिले की बैठक में श्री राजानी का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर अल्पसंख्यक कांग्रेस नेता ईशान राणा, वरिष्ठ नेता जाकीर उल्ला शेख, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष कल्याण सिंह दरबार, युवा कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह झाला, अक्षय बाली आदि उपस्थित ने श्री राजानी का स्वागत कर बधाई दी।

छात्रा खुशबू साहू ने 12वी बोर्ड परीक्षा में 93 प्रतिशत अंक प्राप्त किए

सुबह सवेरे सोहागपुर। शासकीय कन्या उच्चर माध्यमिक विद्यालय का 10 वीं एवं 12 वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित किया गया। प्राचार्य श्रीमती सायराबानो खान ने बताया कक्षा 10 वी में 207 छात्राएं परीक्षा में शामिल हुई। जिसमें 105 छात्राएं उत्तीर्ण घोषित हुई । कक्षा 10 वीं का परीक्षा परिणाम 51 प्रतिशत रहा। जिसमें छात्रा मीरा विश्वकर्मा पुत्री बैनीप्रसाद ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान पर रही। इसी प्रकार कक्षा 12 वी गणित समूह में 21 छात्राए परीक्षा में शामिल हुई। जिसमें से 12 छात्राएं परीक्षा में उच्च उत्तीर्ण हुई । इसी प्रकार कक्षा 12 वीं का परीक्षा परिणाम 57 प्रतिशत रहा। छात्रा खुशबू साहू पुत्री सुखलाल गणित समूह में 93 प्रतिशत अंको के साथ प्रथम स्थान पर रही । छात्रा निकिता पुत्री महेश जीव विज्ञान समूह में 87 प्रतिशत अंको के साथ प्रथम स्थान पर रही । उत्तीर्ण विद्यार्थियों में काफी उत्साह था । उत्तीर्ण विद्यार्थियों को विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी संजीव कुमार दुबे, संस्था प्राचार्य श्रीमती सायरा बानो खान के अलावा शिक्षक, शिक्षिकाओं ने सभी को बधाईयाँ देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की ।

परीक्षा परिणाम बिगड़ा अब लगेंगी अतिरिक्त कक्षाएं, ब्लॉक में लगभग दर्जनभर स्कूलों में एक भी परीक्षार्थी नहीं हुआ सफल

आमला। ब्लॉक में पिछले दिनों जारी किया गया कक्षा पांचवी और आठवीं के परीक्षा परिणामों के बाद पूरे ब्लॉक में शिक्षा व्यवस्था पर कई सवाल खड़े हो गए हैं।

संभवतः ऐसा पहली बार हुआ है जब ब्लॉक में पांचवी और आठवीं कक्षा की परीक्षा परिणाम बेहद शर्मनाक और लज्जित करने वाले सामने आए हैं। ऐसे में विभाग अब अपने दामन पर लगे दागों को छुपाने के लिए अतिरिक्त कक्षाएं शुरू कर रहा है। यानी अब ग्रीष्मकालीन छुट्टियों में भी ऐसे स्कूलों में अतिरिक्त कक्षाएं शुरू की जा रही है, ऐसे परीक्षार्थी जो अभी असफल हो चुके हैं, उनके लिए शिक्षा विभाग अब एक और मौका दे रहा है, इसके बारे में बताया गया है कि असफल परीक्षार्थियों के लिए अगले माह फिर से एक बार परीक्षा आयोजित की जाएगी। ऐसे में सवाल यही है कि जो काम शिक्षा विभाग बीते दस माह में नहीं कर पाया, वहीं काम एक माह से भी कम समय में कैसे पूरा कर पाएगा या फिर विभाग कोई जादू की छड़ी घूमाएगा, अब सवाल अनेक है किंतु जो भी हो आने वाले दिनों में स्थानीय शिक्षा विभाग के सामने कई और सवाल भी यूं ही मुंह उठाए खड़े रहेंगे।

आधे से ज्यादा फेल- ब्लॉक में बीते शिक्षा सत्र में कक्षा पांचवी में कुल 2601 परीक्षार्थी शामिल हुए थे, जिनमें से 1909 परीक्षार्थी फेल हो चुके हैं, ऐसे ही कक्षा आठवीं में 2642 परीक्षार्थी शामिल हुए थे जिनमें से 1418 परीक्षार्थी फेल हो चुके हैं, यानी ब्लॉक में प्राथमिक और माध्यमिक स्तर का परीक्षा परिणाम बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

दर्जनभर स्कूलों का परीक्षा परिणाम शून्य

यही पांचवी आठवीं कक्षाओं के परीक्षा परिणामों में ब्लॉक में लगभग दर्जनभर स्कूल पूरी तरह फिसड्डी साबित हुए हैं यहां परीक्षा परिणाम पूरी तरह सो नहीं रहा है ऐसे स्कूलों में ठानी, डूडरिया,बिसखान, बेसिक शाला, नगर पालिका आमला, अंधारिया सहित अन्य कई स्कूल शामिल है।

अपने-अपने असाता कर्म का उदय होने पर सुख व दुख मिलता है - मुनि श्री संभव सागर जी

नरसिंहपुर। पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर कंदेली में विराजित निर्यापक मुनि श्री संभव सागर जी ससंघ ग्रीष्मकालीन वाचना के दौरान तत्वार्थ सूत्र के वाचन करते हुये अपनी अमृतवाणी में बतलाया कि सम्यक दर्शन मनुष्य में प्रगट होता है तो देव आयु का बंध होता है। देव, शास्त्र, गुरू में समचीन होने से सम्यक दर्शन प्राप्त होता है। 18 दोषो से जो रहित है वह वीतरागी भगवान हैं। इस जीवन में कोई किसी का कुछ नहीं कर सकता हर जीव की अपनी -अपनी परिणति निश्चित है। चारो संज्ञाओं, भय, भूख, प्यास, मैथुन से ऊपर रहने वाला ही भगवान है कोई किसी को सुख नहीं दे सकता, कोई किसी को दुख नहीं दे सकता, अपने-अपने असाता कर्म का उदय होने पर सुख व दुख मिलता है। मकड़जाल के फेर में जिसमें फंस गया शेर, जिनका पंचइंद्रियों पर नियंत्रण होता है वही मुनि है। साधु के पास पिच्छिका, कमण्डल व शास्त्र के अलावा कुछ नहीं होता है। पिच्छि संयम का प्रतीक, कमण्डल शुद्धि के लिये, शास्त्र ज्ञान के लिये होता है। वह हमेंशा तप में लीन होता है यह तपस्वी साधु की चर्या है। जिसमें जानने, समझने, देखने की क्षमता है वह जीव है। मैंने जिंदगी भर धर्म किया परंतु फिर भी गलत जगह कैसे पहुंच गया। परीक्षार्थी कहता है मैंने परीक्षा में ईमानदारी से पढ़ा, पूरा लिखा परंतु फैल हो गया ये सब भटकाव के कारण परिणाम मिलते हैं। प्रत्येक जीव को अपनी आयु बंध के अनुसार परिणाम मिलता है भगवान का कोई भक्त छोटा या बड़ा नहीं होता है ये लोग मन में भ्रांति पाल लेते हैं। जिसमें भगवान की पूजा करने का या मंत्रों के ज्ञान का अहंकार होता है उसको परिणाम हमेंशा विपरीत मिलते हैं।

प्रवेश की भजन संध्या में उमड़ा जनसैलाब, देवास विधानसभा में ग्रामीण के लोगों ने प्रवेश पर लुटाया प्यार

देवास। बीती रात देवास विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्र के विजयागंज मंडी में प्रवेश अग्रवाल द्वारा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के माध्यम से एक ऐतिहासिक खाटू श्याम जी की भजन संध्या का आयोजन किया जिसमें क्षमता से भी अत्यधिक हज़ारो की संख्या में लोग उपस्थित हुए भजन संध्या इस प्रकार भक्तो का जनसैलाब उमड़ा की लोगो को बैठने की जगह नही मिली और लोग देर रात तक खड़े रहकर एवं मकानों की छतों पर खड़े रहे एवं बाबा खाटू श्याम जी के भजनों पर थिरकते रहें। जिसके पश्चात बाबा खाटू श्याम जी के भव्य भंडारे का आयोजन भी किया गया जिसमें हजारों भक्तो ने भोजन प्रसादी का लाभ लिया।

और सभी ग्राम वासियों द्वारा प्रवेश अग्रवाल पर खूब प्यार लुटाया ओर लोग देर रात तक माता बहने एवं युवा उनके साथ बाबा के भजनों पर भक्ति रस में डूब कर नृत्य करते रहे प्रवेश अग्रवाल के साथ सेल्फी लेने के लिए भी बहुत उत्साहित दिखाई दिए और इसी के साथ कई लोगो ने तो उन्हें देवास विधानसभा का उम्मीदवार बताते हुए उनकी जीत की बात करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी।

भजन संध्या में उमड़े जनसैलाब में लोग प्रवेश अग्रवाल से मिलने के लिए आतुर रहे और देर रात उनसे मिलकर उनके साथ सेल्फी लेते रहे।

इस अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज राजानी, ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सूरज सिंह चावड़ा, जयसिंह ठाकुर, जनपद अध्यक्ष मुकेश पटेल, मनीष चौधरी आदि लोग उपस्थित रहे।

हवाई जहाज से तीर्थ दर्शन जा रहे बुजुर्गों ने कहा शिवराज जैसा कोई नहीं

विधायक पंडाग्रे ने तीर्थ यात्रियों का किया सम्मान दी विदाई

देश में पहली बार मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन के तहत बुजुर्ग कर रहे हैं हवाई यात्रा

आमला। कोई भावुक था, तो किसी की आंखों में आंसू थे, तो कोई कह रहा था कि हमारे मुख्यमंत्री जैसा कोई दूसरा हो नहीं सकता।

मौका था, जिले से मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन के तहत हवाई जहाज से मथुरा वृंदावन की यात्रा का। जहां जिले भर से चयनित लगभग 30 यात्रियों को बीते बुधवार बैतूल से रवाना किया गया। इस मौके पर जिला पंचायत में सभी तीर्थ यात्रियों को सम्मान के बाद यात्रा के लिए विदाई दी गई, यहां सभी तीर्थ यात्रियों को बैतूल से भोपाल के लिए बस द्वारा रवाना किया गया। जहां गुरुवार सुबह भोपाल से हवाई जहाज के द्वारा सभी तीर्थयात्री आगरा पहुंच गए थे। इस दौरान तीर्थयात्रियों की विदाई के लिए जिला पंचायत में आयोजित कार्यक्रम में जिले के सांसद डीडी उईके जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे जिला कलेक्टर अमनवीर बैस जिला पंचायत अधिकारी अभिलाष मिश्र, नगर पालिका अध्यक्ष पार्वतीबाई बारस्कर, पार्षद राकेश शर्मा भाजपा जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र गढेकर, भरत पटेल, सतीश हारोड़े सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित थे। यहां तीर्थ यात्रियों की विदाई के मौके पर सभी यात्रियों का फूल माला और श्रीफल देकर सम्मान किया गया, यहां विधायक डॉ पंडाग्रे ने यात्रियों को भोपाल लेकर जा रही बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर विधायक ने सभी तीर्थ यात्रियों का कुशलक्षेम भी जाना।

कई यात्री हुए भावुक- संभवत देश दुनिया में यह पहला मौका है जब सरकार द्वारा अपने बुजुर्ग नागरिकों के लिए इस तरह की हवाई जहाज तीर्थ यात्रा कराई जा रही है, ऐसे में जब तीर्थ यात्रियों को बैतूल से रवाना किया जा रहा था तो कई बुजुर्ग बेहद भावुक भी हो गए थे, इन बुजुर्गों का कहना है कि ऐसा तो हमने ख्वाब में भी नहीं देखा था, कोई यात्री कह रहा था कि शिवराज जैसा कोई दूसरा मुख्यमंत्री नहीं हो सकता। इस दौरान यहां भीमपुर से आए एक बुजुर्ग छन्नू सिंह धुर्वे तो सांसद और विधायक से मिलकर फूट-फूट कर रोने लगे उन्होंने बताया कि मैं अपनी खुशी और शब्दों को आंसुओं से बयां नहीं कर सकता। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा के लिए जिले से लगभग डेढ़ सौ लोगों ने आवेदन किए थे जिनमें से 32 यात्रियों का चयन किया गया था, इस मौके पर जिला पंचायत योजना के प्रभारी राजेंद्र जैन की भी सराहनीय प्रयास की प्रशंसा की जा रही है।

जरूरत जनता की तकलीफ किसी ओर को..!

नर्मदापुरम- संजीव डे राय। नगर में इन दिनों विकास की जो बात की जा रही है, प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गये हैं, इसे लेकर नगर में कहीं मैदान तो कहीं ऑडिटोरियम बनाने की कवायदे हो रही। पर जनता को कुछ समझ नही आ रहा है कि आखिर ये सब हो क्या रहा है बात विकास की हो रही है, या नूराकुश्ती कोई और कर रहा है। व्यंगकार इसे लेकर कहने लगे है बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना.. काम जनता के लिए हो रहा है विकास का लाभ जनता को मिलना है फिर बार बार एक ही परिवार हर कार्य में अपना हस्तछेप करना चाहता है क्यों..? कभी पत्र लिखे जाते है तो कहीं वक्तव्य दे दिये जाते हैं ऐसे में पूरे विकास कार्य को पलीता लग जाता। सारी कोशिशें विवादों में आ जाती है और जबरदस्ती चर्चा का विषय बन जाता है लोग अच्छे कार्यो को देखती जरूर है। परन्तु विवादित जगहों दूर रहना चाहती है। हाल ही में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष भवानी शंकर शर्मा ने किराना व्यापारी संघ के अध्यक्ष महेंद्र चौकसे को एक पत्र लिख डाला, उस पत्र में नगर में बन रहे नए स्टेडियम को एक उपलब्धि बताया है। गौरतलब रहे कि किराना व्यापारी संघ ने निर्माण हो रहे इस स्टेडियम का नीतिगत विरोध किया है। उसका मूल कारण बरसात का पानी है जिसकी निकासी, बन रहे स्टेडियम के करीब से गुजरती है। और स्टेडियम बन जाने से पानी का रास्ता बाधित होगा बारिश और नगर का पानी निकासी में अवरूद्ध उत्पन्न होगा विवाद इसमें मुख्य तौर से यही समझ पड़ता है जबकि देखा जाये तो यह समस्या शासन और नगरीय प्रशासन की है वो किस नजरिए से पानी निकासी की योजना को लेकर चल रहा है। और इधर भवानी शंकर शर्मा का पत्र बाजार में बट रहा। ऐसे में भवानी शंकर शर्मा का पत्र कई सवाल खड़े करता है.. तकलीफ किसको है बाजार में बैठे व्यापारियों को..? या सत्ता में बैठे एक ही परिवार के सदस्यों को..? या यह एक अंदरूनी राजनीति है जो आने वाले चुनाव में टिकिट पाने की दौड़ है..? कहने को चाहे जो हो लेकिन नगर में कहने को तो शर्मा परिवार के पूर्वजों ने नगर को बहुत कुछ दिया है जिसकी नगर ही क्यों प्रशासन भी सराहना करता है उसका लाभ भी उसे मिलता है। पर बार बार शर्मा परिवार उसे दर्शाने की कोशिश भी करता है। जो चीज उनके पूर्वजों ने जनता को सौंप दी है उसे जनता को देखने दीजिए। और जहां तक विकास की बात है वो तो होना है। रही विवाद की बात तो कई ऐसे विवाद है जिसका अभी निराकरण होना बाकी है उसके छींटे भी इसी परिवार पर आना है। अब रही किराना व्यापारी संघ की बात, उनसे जनता को पूछने दीजिए जनता पूछना चाहती है किराना व्यापारी संघ ने शहर को क्या दिया है, आज देखा जाये तो करोड़ो रूपये का व्यापार नगर के किराना व्यवसायी नगर में करते हैं। नगर की जनता उनसे बस यह जानना चाहती है यह संघ किस लिए बनाया है। सरकार पर दवाब बनाने के लिए, प्रशासन को ब्लैक मेल करने के लिए.? या कि खुद बचने के लिए..? आज बाजार में दुकानों के चलते जाम लगता है, समुचित एक पार्किंग व्यवस्था नही है, नागरिकों को छोड़िए खुद व्यापारियों की निस्तार व्यवस्था नही है, पीने के पानी की सुविधा नहीं है..? इसके बाद क्या कभी जनहित के मुद्दों के लिए किराना व्यापारियों ने पहल की है..? फिर यहां पत्र लिखकर अंगुलियां उठा रहे भवानी शंकर शर्मा को गौर करना चाहिए कि जनप्रतिनिधि अकेले विकास नही करता उसे कुछ सहयोगियों की जरूरत होती है मनमाने विकास तो नहीं होते.. जनप्रतिनिधियों को अपने आस-पास मशविरा देने वाले प्रबुद्ध जनों का समूह भी होना चाहिए और हां में हां मिलाने वाले जमात के बीच तो यह समझ नहीं आता कि यह विकास है या विनाश..

नपाध्यक्ष मेडिकल कॉलेज के लिए मुख्यमंत्री के समक्ष धरना दें : गिरजा शंकर शर्मा

शर्मा के उद्बोधन से पार्टी कार्यकर्ता नाराज...

नर्मदापुरम। वर्षो से भाजपा के लिए ईमानदारी से काम करने वाले निष्ठावान पार्टी कार्यकर्ता नीरज बरगले एक दिन पहले नगर मंडल की हुई बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओं को लीक से हटकर पार्टी के विरुद्ध दिए गए पूर्व विधायक गिरजा शंकर शर्मा के भाषण को लेकर खाने नाराज हैं। पूर्व विधायक गिरजा शंकर शर्मा को मंडल की बैठक में शामिल होने का निमंत्रण और बोलने का मौका देने की बात पर मंडल कोषाध्यक्ष लोकेश तिवारी से इस विषय पर उनकी तीखी बहस हुई है। लोकेश से हुई बात की पुष्टि के लिए नीरज ने पार्टी जिलाध्यक्ष माधवदास अग्रवाल से बात की बताते हुए यह कहा वो उस समय प्रदेश कार्यालय भोपाल में उपस्थित थे। नीरज ने घटना की जानकारी से प्रदेश अध्यक्ष को अवगत कराने का निवेदन किया था। पर जिलाध्यक्ष माधवदास अग्रवाल नीरज से उनकी कोई बात हुई की पुष्टि नहीं करते पर यह कहते कि वे भोपाल प्रदेश कार्यालय में जरुर थे, मंडल की बैठक में कोई विवाद हुआ यह उनकी जानकारी में नहीं कहकर उन्होंने फोन काट दिया। दरअसल विवाद 30 मई से 30 जून तक चलने वाले बूथ विस्तार कार्यकर्ताओं की बैठक घर घर जाकर लोगों को केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं को समझाते हुए पार्टी की रीति नीति का प्रचार प्रसार करने संबंधी थी। पूर्व विधायक गिरजा शंकर शर्मा को यहां पार्टी कार्यकर्ताओं के उत्साह वर्धन के लिए बोलना था जिससे जनसम्पर्क के दौरान वे उसका लाभ उठा सके लेकिन श्री शर्मा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को अपने सम्बोधन से पूरी तरह हतोत्साहित कर दिया। पूर्व विधायक श्री शर्मा ने कहा कि वैसे तो हम बैठक में आते नहीं पर बुलाया तो आए और बोलने को कहा है तो अच्छा बुरा कुछ तो बोलना ही होगा..श्री शर्मा ने कहा सरकारी योजनाएं धरातल पर नहीं हवा में है।? और पार्टी के सभी वायदे खोखले.. आम आदमी को झूठी दिलासा, कागजी योजनाओं जमीनी स्तर पर कोई उपलब्धि नहीं को लेकर मतदाताओं को क्या समझाओगे..। रिश्वत लेकर तो आवास योजना चलाई जा रही, कार्यकर्ताओं के सामने उन्होंने पिपरिया सड़क का उदाहरण दिया कहा जब सुन्दर लाल पटवा के केंद्रीय मंत्री थे मैंने सांसद प्रतिनिधि के रूप में इस सड़क का निर्माण कराया था, आज भी यह सड़क वैसी नहीं, जगह जगह गड्ढे हो गए, कोई मेंटेनेंस नहीं, शासन आज तक उसे चौड़ी नहीं करा पाया कहा। उन्होंने नगरपालिका अध्यक्ष को मेडिकल कॉलेज के लिए मुख्यमंत्री के सामने धरना देने की सलाह दी.. और भी बहुत कुछ बातें श्री शर्मा के अपने उद्बोधन में कही इससे उनके कुछ व्यक्तिगत पार्टी कार्यकर्ता छोड़ कर सब दुखी हो, कार्यक्रम छोड़ गए, शेष जो बचे उनमें नीरज बरगले, लोकेश तिवारी, अमीन राइन, प्रसन्ना हर्णे, अनुराग तिवारी, हंस राय प्रमुख रहे। पूर्व विधायक गिरजा शंकर के जाने के बाद नीरज बरगले का मंडल कोषाध्यक्ष लोकेश तिवारी से एक ही सवाल.था। गिरजा शंकर को मंडल की बैठक में उपस्थित होने और उन्हें बोलने का मौका क्यों दिया, काफी देर बाद मंडल कोषाध्यक्ष लोकेश तिवारी ने जवाब दिया उन्हें बुलाने और बोलने का उन पर उपर से दबाव था। दबाव देने वाले का नाम बताने को कहा उसे भी बड़ी कहासुनी के बाद मंडल कोषाध्यक्ष ने पार्टी जिलाध्यक्ष माधवदास अग्रवाल का नाम बताया।

नगर मंडल बैठक के चश्मदीद निष्ठावान वरिष्ठ पार्टी कार्यकर्ता नीरज बरगले से इस विषय पर बात करने पर पूर्व विधायक गिरजा शंकर शर्मा के उद्बोधन पर वे फट पड़े, कहा निष्ठावान कार्यकर्ताओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले पूर्व विधायक गिरजा शंकर शर्मा पार्टी से निष्कासित किए जा चुके और वापस पार्टी में आने के बाद वे उम्मीद रखते हैं उन्हें पहले सा सम्मान प्राप्त हो जो संभव नहीं। श्री बरगले यहां कहते हैं कि लोग एक अंगुली उठाकर भूल जाते तीन अंगुलियां उन पर भी तनी होती है। यहां पूर्व विधायक के पिपरिया सड़क का उदाहरण दिया जाने पर उनका कहना था इसके जरिए उन्होंने सोहागपुर विधायक और पिपरिया विधायक का बगैर नाम लिए आरोप लगाया है क्या अपने और अपने भाई जो विधानसभा अध्यक्ष रहे विधानसभा में व्यक्तिगत उपलब्धि बताएं फिर ऐसे अवसर वादी, स्वार्थी पूर्व विधायक जिन्होंने समय समय पर पार्टी को ब्लैक मेल करने से नहीं छोड़ा, पार्टी की नीति रीति अपने स्वार्थ के लिए उपयोग की आज पार्टी की रीति नीति को लेकर कार्यकर्ता बैठक में सवाल उठा रहे। उनकी बातों में सचमुच सच्चाई है तो सार्वजनिक रूप से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योजनाओं का विरोध करके बताएं।

सत्ता का सर्कस

दिनेश गुप्ता
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

आम चुनाव स्थगित होने की शरद पवार की आशंका का आधार क्या है?

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार के एक बयान पर ज्यादा बहस या चर्चा सुनाई नहीं दी। शरद पवार का बयान बेहद गंभीर है। पवार ने अपने बयान में यह आशंका प्रकट की है कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव हारने के बाद आम चुनाव स्थगित होने की संभावना है। यद्यपि पवार ने अपने बयान में अपनी आशंका का कोई आधार नहीं बताया। आम चुनाव स्थगित होने के बजाए चर्चा इस बात पर हो रही है कि शरद पवार विपक्षी दलों की ओर से प्रधानमंत्री पद का चेहरा हो सकते हैं? पवार लोकसभा का चुनाव लड़ने से इंकार कर चुके हैं। फिर भी वे प्रधानमंत्री पद के लिए उपयुक्त हैं,इस बात पर कोई विवाद हो नहीं सकता। बहस नरेंद्र मोदी के मुकाबले में विपक्ष के प्रधानमंत्री पद के चेहरों को लेकर होना स्वाभाविक है।

चुनाव में चेहरा महत्वपूर्ण तब होता है जब मुद्दे काम न कर रहे हो? भाजपा चेहरे पर ही चुनाव लड़ना चाहती है। जबकि विपक्ष का जोर मुद्दों पर है। खासकर महंगाई का मुद्दा। दो हजार रुपए के नोट को चलन से बाहर करने की प्रक्रिया ने भी मोदी सरकार के खिलाफ विपक्ष को बड़ा मुद्दा दिया है। दो हजार रूपए का नोट की वापसी प्रक्रिया ने एक अनावश्यक असंतोष लोग के मन पैदा किया है। जिनके पास दो हजार का नोट नहीं है वे भी निर्णय पर सवाल उठा रहे हैं। अन्य भारतीय मुद्रा को लेकर भी आशंकाएं चल रही है। इस सिलसिले में पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम का का बयान महत्वपूर्ण है कि सरकार एक हजार को नोट फिर से चलन में ला सकती है। विपक्ष मौजूदा माहौल में अपनी एकता की कवायद को मजबूत करने में लगा हुआ है।

शरद पवार और ममता बनर्जी जैसे नेता भी अब अब यह मानने लगे हैं कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने बदलाव की जमीन तैयार कर दी है। भाजपा नेताओं का भी विश्वास कमजोर पड़ा है। विपक्ष की रणनीति चार राज्यों में भाजपा को घेरने की है। ये चार राज्य बिहार,पश्चिम बंगाल,महाराष्ट्र और कर्नाटक हैं। इन राज्यों में लोकसभा की कुल 158 सीटें हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 124 सीटों पर सफलता मिली थी। कर्नाटक में हाल ही में विधानसभा के चुनाव निपटे हैं। इस चुनाव में भाजपा लोकसभा की सिर्फ चार सीटों पर ही बढ़त बना सकी है। महाराष्ट्र में कर्नाटक से ज्यादा लोकसभा की सीटें हैं।

लोकसभा चुनाव के जो सर्वे अब तक सामने आए हैं उसमें शिवसेना,कांग्रेस और एनसीपी गठबंधन को 30 से 35 सीटें मिलने की संभावना प्रकट की जा रही है। जबकि बिहार में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव मजबूत सामाजिक समीकरण तैयार करने में लगे हुए हैं। बिहार में भाजपा को पिछ्ले लोकसभा चुनाव में 39 सीटें मिली थीं। बिहार में लोकसभा की कुल चालीस सीटें हैं। पश्चिम बंगाल में भी भाजपा लोकसभा चुनाव में अपनी बढ़त बनाकर रख पाएगी, इसमें शंका बनी हुई है। पिछ्ले लोकसभा चुनाव में भाजपा को बंगाल में 18 सीटें मिली थीं। चार राज्यों की 124 लोकसभा सीटों के कारण ही भाजपा को ऐतिहासिक 303 सीटें मिली थीं। विपक्षी गठबंधन का आधार भी ये 124 सीटें ही हैं। इसी कारण शरद पवार,ममता बनर्जी और नीतीश कुमार विपक्षी एकता की कवायद कर रहे हैं। कोशिश इस बात की हो रही है कि इन चार राज्यों में भाजपा को 75 सीट से आगे न बढ़ने दिया जाए। आम चुनाव स्थगित होने की शरद पवार की आशंका भी कहीं न कहीं विपक्षी एकता से जुड़ी हुई है।

भाजपा की चिंता का विषय मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश अथवा गुजरात जैसे राज्य नहीं हैं। इन राज्यों में वोटों का ध्रुवीकरण हर हाल में उसे लोकसभा चुनाव में लाभ कराता है। उत्तरप्रदेश जैसे बड़े राज्य में बसपा-सपा और कांग्रेस,महाराष्ट्र जैसा कोई गठबंधन तैयार करते दिखाई नहीं दे रहे हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता शरद पवार की इस बात में भी काफी दम है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से राजनीतिक माहौल में परिवर्तन आया है। राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता समाप्त किए जाने से भी उन्हें लाभ हुआ। राहुल गांधी में राजनीतिक परिपक्वता भी दिखाई देने लगी है। कर्नाटक में मुख्यमंत्री चयन का मामला ज्यादा पेचीदा नहीं हुआ। कांग्रेस के नेताओं ने भी भाजपा की चुनावी ट्रिक को समझ लिया है।

बजरंग दल बनाम बजरंगबली का मामला इसका उदाहरण है। जो चार राज्य विपक्षी एकता के बुनियाद में हैं उनमें भाजपा हर संभव कोशिश करेगी कि केरला स्टोरी जैसे मामलों को राजनीतिक तूल देकर वोटों को हासिल किया जाए। ममता बनर्जी को ऐसे मामलों से बचना अभी भी सीखना है। नीतीश कुमार के लिए धर्म के आधार पर वोटों का ध्रुवीकरण रोकना मुश्किल नहीं है। कारण बिहार में धर्म से ज्यादा जातियां महत्वपूर्ण है। बिहार में जातिगत जनगणना रुकी जरूरी है,लेकिन चुनावी राजनीति में उसका असर बना हुआ है। अन्य राज्यों में भी जातिगत जनगणना पर बात होने लगी है। राजनीति की दिशा उच्च वर्ग से पिछडा वर्ग की और मुड़ती दिखाई दे रही है। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस आरक्षण पर ही विधानसभा चुनाव को ले जाती हुई दिखाई दे रही है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण-संरक्षण सहित विभिन्न क्षेत्रों में जनजाति कल्याण केन्द्र द्वारा किये जा रहे उल्लेखनीय कार्य : राज्यपाल

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने डिंडौरी जिले के बरगांव में नर्मदांचल विद्यापीठ के नवीन शैक्षणिक परिसर का शिलान्यास किया

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज डिंडौरी जिले के बरगांव में नर्मदांचल विद्यापीठ के नवीन परिसर एवं छात्रावास का शिलान्यास किया। उन्होंने सिलगी नदी पर निर्मित नवीन घाट एवं सीढ़ी निर्माण कार्य का लोकार्पण कर गो-शाला, निर्माणाधीन स्कूल परिसर एवं छात्रावास का निरीक्षण भी किया। बरगांव में साउथ ईस्ट कोल्ड फील्ड लिमिटेड बिलासपुर के सीएसआर मद से लगभग 18 करोड़ रूपए लागत से नर्मदांचल विद्यापीठ स्कूल एवं छात्रावास का निर्माण कार्य किया जा रहा है। राज्यपाल श्री पटेल एवं मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दिव्यांग सहायक उपकरण वितरण शिविर तथा स्वास्थ्य शिविर का भी शुभांरभ कर दिव्यांगों को मोटराईज्ड ट्राईसाईकल एवं सहायक उपकरण वितरित किये। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने सिद्ध महाराज मंदिर में पूजा-अर्चन कर प्रदेशवासियों की कुशल मंगल की कामना की।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव समाज के विकास में सतत रूप से कार्य कर रहा हैं। यहाँ शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण-संरक्षण सहित अन्य विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किये जा रहे हैं। इसके लिए संस्था से जुड़े सभी सदस्य बधाई के पात्र हैं। राज्यपाल ने नर्मदांचल विद्यापीठ की शैक्षणिक गुणवत्ता एवं प्रबंधन की सराहना की। उन्होंने राज्य शासन द्वारा संचालित सिकल सेल उन्मूलन कार्यक्रम उल्लेख करते हुए उपस्थित जनजातीय बंधुओं को अनिवार्य रूप से अपनी एवं अपने परिजन की सिकल सेल जाँच कराने एवं अन्य को भी जाँच के लिये प्रेरित किया। राज्यपाल श्री पटेल ने केन्द्र सरकार के लक्ष्य अनुसार वर्ष 2025 तक टीबी एवं 2047 तक सिकल सेल का सम्पूर्ण उन्मूलन करने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की।

जनजाति कल्याण केन्द्र का उद्देश्य युवाओं में नैतिक एवं मानवीय मूल्यों का विकास कर जिम्मेदार नागरिक बनाना : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि वे वर्ष 2006 में बरगांव आए थे, तब से लेकर अब तक इस जनजाति कल्याण केन्द्र के स्वरूप में काफी बदलाव आ चुका है। उस दौरान उनके साथ सुदर्शन जी एवं पूज्य स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि आज गो-शाला भ्रमण के दौरान देखा कि परिसर में पर्यावरण-संरक्षण के लिए पीपल के वृक्ष लगाए गए हैं, जो ऑक्सीजन बैंक का कार्य कर रहे हैं। जनजाति कल्याण केन्द्र बरगांव का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास कर नैतिक एवं मानवीय मूल्यों से निहित आदर्श नेतृत्व एवं युवाओं को आत्म-निर्भर बनाना है, जिससे वे जिम्मेदार नागरिक बन कर समाज एवं राष्ट्र की सेवा कर सकें।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि महिला सशक्तिकरण और सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन का काम समाज-सेवा से ही किया जा सकता है। इन आयामों का पालन बखूबी यह केन्द्र कर रहा है। मुख्यमंत्री ने भारत की प्राचीन एवं गरिमामयी संस्कृति का जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन संस्कृति से जुड़ने का कार्य यह प्रकल्प कर रहा है। नर सेवा, नारायण सेवा का भाव इस केन्द्र में परिलक्षित होता है। उन्होंने मौजूद सभी लोगों से आहवान किया कि वे इस पुण्य कार्य में अपनी सहभागिता दें और समाज को बेहतर बनाएँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जनजाति कल्याण केन्द्र की बाउंड्री वॉल निर्माण के लिए एस्टीमेट तैयार करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केन्द्र की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए शासन की ओर से हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, अध्यक्ष जनजाति कल्याण केन्द्र श्री मनोहर लाल साहू, सचिव श्री दिग्विजय सिंह, महाधिवक्ता श्री प्रशांत सिंह, एसईसीएल के महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार, आयुक्त निःशक्तजन कल्याण श्री संदीप रजक सहित जन-प्रतिनिधि एवं केन्द्र के सदस्य मौजूद थे। अतिथियों द्वारा जनजाति कल्याण केन्द्र की वार्षिक पत्रिका ''उपरांत'' का विमोचन किया और सेवानिवृत्त पूर्व आईएएस श्री वेदप्रकाश को जनजाति कल्याण पर केन्द्रित डाक्यूमेंट्री निर्माण एवं जनजातीय वर्ग के उत्थान की दिशा में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए शाल-श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।

बुजुर्ग के मकान, हॉस्टल पर कब्जा करने वाली महिला ने 30 लाख मांगे

धमकी दी कि तुझे और तेरे परिवार को झूठे मामले में फंसा दूंगी

इंदौर। भंवरकुआं क्षेत्र में एक बुजुर्ग के मकान और हॉस्टल पर कब्जा करने वाली महिला ने कब्जा खाली करने के नाम पर 30 लाख रुपए मांगे नहीं देने पर महिला ने झूठे केस के फंसाने की धमकी दे डाली। पुलिस ने महिला के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

भंवरकुआं पुलिस के मुताबिक फरियादी रामभरोसे पिता गंगा किशन शर्मा निवासी शिव सिटी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका सर्वानंद नगर में मकान और हॉस्टल है जिसमें अमरीन शाह नामक महिला जबरदस्ती घुस गई और उस पर कब्जा कर लिया। फरियादी रामभरोसे शर्मा ने अमरीन को खाली करने को कहा तो उसने धमकी देते हुए कहा कि 30 लाख रुपए दे दो तो हॉस्टल और मकान से कब्जा हटा लूंगी वरना तुझे और तेरे परिवार को झूठे मामले में फंसा दूंगी। पीड़ित रामभरोसे शर्मा की बेटी ने विरोध किया तो अमरीन शाह ने उसके साथ बेरहमी से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। भंवरकुआं पुलिस ने आरोपी अमरीन शाह के खिलाफ धारा 448 294 और 506 का प्रकरण दर्ज किया है।

व्यापारी को धमकाया- फरियादी राजेंद्र पिता मोहनलाल मित्तल निवासी जानकीनगर की छावनी अनाज मंडी में अनाज की थोक दुकान है । उसने पुलिस को बताया कि आरोपी कैलाश उर्फ सुरेश पिता रामचंद्र जाधव ने उसे धमकी दी कि क्षेत्र में दुकान चलाना है तो हर महीने 5 हजार रुपए देना होंगे नहीं तो जान से मार दूंगा ।

सूदखोरों की प्रताड़ना से तंग आकर दो ने आत्महत्या की, प्रकरण दर्ज

इंदौर। अलग-अलग स्थानों पर दो लोगों ने सूदखोरों से प्रताड़ित होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने जांच के बाद सूदखोरों के खिलाफ प्रताड़ना की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की है। दोनों मामलों में पुलिस जांच में प्रताड़ना को सही पाया गया।

जानकारी के अनुसार संजय पिता सरवन कुमार साखरे निवासी मुखर्जी नगर ने 9 मई को घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस के मुताबिक जांच में पता चला कि संजय ने सोनू उर्फ निवेश और राकेश निवासी स्कीम नंबर 51 से ब्याज पर पैसे लिए थे। उसने उधारी के पैसे लौटा भी दिए, इसके बाद भी दोनों आरोपी पैसों के लिए उसे इतना प्रताड़ित करने लगे। उसे कई तरह से परेशान किया गया। इस वजह से उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने संजय के माता पिता और अन्य लोगों के कथन लिए थे। बाणगंगा पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

इसी प्रकार विवेकानंद पिता जयराम (33 साल) निवासी श्वेतांबर स्कूल के सामने खुडैल ने 16 सितंबर को घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने बताया कि विवेकानंद ने डीपी सिंह, संजय सोनी उपेंद्र, लखन और प्रवीण सभी निवासी नीमच से ब्याज पर उधार रुपए लिए थे। आरोपियों ने बदले में उससे खाली चेक ले लिए। विवेकानंद ने उधारी के रुपए आरोपियों को दे दिए, इसके बाद भी आरोपियों ने पैसों की मांग की तो उसने देने से इनकार किया। इसके बाद आरोपियों ने उसके खाली चेक बैंक में लगाकर बाउंस करवाकर उसके खिलाफ थाने में झूठी रिपोर्ट दर्ज कराने का बोलकर प्रताड़ित किया। इसी से परेशान होकर उसने आत्महत्या जैसा कदम उठा लिया था। खुडैल पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

मुख्यमंत्री ने पीपल, आम और इमली के पौधे लगाए

बच्चों ने अपने जन्म-दिन पर पौध-रोपण किया

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में पीपल, आम और इमली के पौधे रोपे। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ बालक रूद्र प्रताप सिंह और कुशाग्र भाटिया ने अपने जन्म-दिवस पर पौधे रोपे। इनके परिवार के श्री इंद्रपाल सिंह, श्री अक्षत सिंह, श्री राजेश भाटिया, श्रीमती सृष्टि भाटिया और कुमारी वैष्णवी भाटिया साथ थी। श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया फाउंडेशन के श्री दिलीप यादव और सुश्री कविता झरने ने भी पौधे लगाए।

दिव्य दरबार में बांग्लादेशी युवती बोली- सनातनी बनना है

पं. धीरेंद्र शास्त्री से कहा- हम मजहब के खिलाफ नहीं, घर वापसी पर भरोसा है

बालाघाट (नप्र)। बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र शास्त्री के दिव्य दरबार में बांग्लादेश से आई एक युवती पहुंची। उसने विनती करते हुए कहा कि मुझे सनातन धर्म स्वीकार करना है। युवती ने धीरेंद्र शास्त्री को बताया कि वह कई महीनों से यूट्यूब पर उनका कार्यक्रम देख रही है। उसे राम नाम का जाप करने से सुकून मिलता है।

धीरेंद्र शास्त्री ने युवती से पूछा कि किसी के दबाव में आकर तो ये कार्य नहीं कर रही है, इस पर युवती ने कहा कि वह अपनी मर्जी से वीजा के साथ भारत आई है। किसी का दबाव नहीं है। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि आप अपने मजहब में रहकर भी सनातन धर्म को स्वीकार कर सकते हैं। तो युवती ने सनातनी बनने की इच्छा जताई।

बालाघाट के परसवाड़ा के भादुकोटा में दो दिवसीय वनवासी रामकथा का आयोजन हुआ। इसमें दो दिन यानी 23 और 24 मई को पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने दिव्य दरबार लगाया। 24 मई को बांग्लादेश से आई युवती भी शामिल हुई। 24 मई को पंडित धीरेंद्र शास्त्री के दिव्य दरबार में पहली अर्जी पिता के घर परसवाड़ा आई महिला नेहा और पुरूष में पहली अर्जी केवलारी के बगलई निवासी देवेंद्र और शिवम की लगी।

देर रात खुले रहने वाला 'विडोरा बार' 15 दिन के लिए सीलबंद किया गया

विजय नगर, पलासिया, बायपास स्थित बारों का निरीक्षण लगातार जारी

इंदौर। कलेक्टर ने देर रात संचालित किए जाने पर डियाब्लो बार का लाइसेंस 15 दिन के लिए निलंबित कर बार को सील करने के आदेश दिए। आबकारी विभाग की टीम ने बार के निरीक्षण के दौरान इसे देर रात तक खुला पाया था। लगातार दो बार ऐसी अनियमितता पाए जाने पर कलेक्टर ने यह कड़ी कार्यवाही की। पिछली बार ऐसी ही अनियमितता मिलने पर बार को 7 दिन के लिए सील किया गया था।

कलेक्टर डॉ इलैया राजा टी के निर्देश पर आबकारी विभाग ने बारों पर पाई जाने वाली अनियमितताओं की सघन जांच की। इस क्रम में आबकारी विभाग को सूचना मिलने पर 15 मई को मेसर्स एबीएस फूड्स, (विडोरा/डियाब्लो बार) पलासिया इंदौर पर जांच के लिए टीम भेजी गई। इस दल में सहायक जिला आबकारी अधिकारी राजीव प्रसाद द्विवेदी, आबकारी नियंत्रण कक्ष प्रभारी राजीव मुदगल एवं आबकारी उपनिरीक्षक राकेश मंडलोई शामिल थे। टीम ने निरीक्षण करने पर विडोरा/डियाब्लो बार बंद होने के निर्धारित समय रात 12 बजे के बाद भी देर रात तक संचालन होना पाया गया। इस पर संबंधित वृत्त प्रभारी द्वारा प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे ने या प्रकरण कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने इस कृत्य को गंभीर अनियमितता की श्रेणी में आने तथा दूसरी बार अनियमितता पाए जाने पर इस बार के लाइसेंस को 15 दिन के लिए (7 जून 2023 तक) निलंबित कर दिया।

इस अवधि में बार को बंद कर मदिरा विक्रय को प्रतिबंधित किया जाना आदेशित किया गया है। इस बार को आबकारी की टीम द्वारा सील बन्द कर दिया गया है। इस बार पर पहले भी ऐसी अनियमितता पाए जाने पर इसका लाइसेंस 7 दिन के लिए निलंबित कर बार को सील बंद किया गया था। बताया गया कि आबकारी विभाग द्वारा लगातार विजय नगर, पलासिया एवं बायपास पर स्थित बारों का निरीक्षण जारी रहेगा। बारों में पाई शिकायतों पर कार्यवाही भी जारी रहेगी। कलेक्टर के आदेश पर आबकारी विभाग द्वारा बारों में सघन निरीक्षण के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है, जो सतत रूप से बारों पर निगरानी रखे है।

कृषि जमीनों के डायवर्सन का रिकॉर्ड अपडेट नहीं, तहसील में फुर्सत नहीं

- इन जमीनों पर गैर कृषि कामकाज शुरू, पर रिकॉर्ड में खेती

इंदौर। जिले में कृषि जमीनों के डायवर्सन का रिकॉर्ड ही अपडेट नहीं हो रहा। हजारों मामले ऐसे हैं, जिनका डायवर्शन हो गया, लेकिन उसका रिकॉर्ड आज भी अपडेट नहीं किया गया। इन जमीनों पर वर्तमान में पेट्रोल पंप, वेयर हाउस और व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन हो रहा है। इस बारे में राजस्व विभाग को जानकारी ही नहीं।

विभाग से मिली जानकारी के अनुसार पहले जमीनों के डायवर्सन का रिकॉर्ड डायवर्शन शाखा में संधारित और अपडेट होता था। लेकिन, कुछ समय से इस शाखा को खत्म कर दिया गया। वर्तमान में डायवर्सन का रिकॉर्ड तहसीलदारों को अपडेट करवाना है। तहसील कार्यालयों में काफी समय से डायवर्शन का रिकॉर्ड अपडेट ही नहीं किया गया। जबकि, डायवर्शन के बाद जमीन कई बार बिक चुकी है। इसके बाद इन

जमीनों पर कहीं वेयरहाउस तो कहीं पेट्रोल पंप और कहीं अन्य प्रकार की व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। इसकी जानकारी राजस्व अमले को नहीं है। क्योंकि, उनके ऑफिशियल रिकॉर्ड में जानकारी ही अपडेट नहीं है।

शासन और प्रशासन ने राजस्व अमले को राजस्व वसूली का टारगेट दिया गया है। ऐसे में यह प्रश्न उठता है कि जब राजस्व विभाग को जमीन के वास्तविक मालिक और इस्तेमाल की जानकारी ही नहीं है तो राजस्व की वसूली किससे और कैसे की जा सकती है। जिले में ऐसे हजारों केस हैं, जिनका खसरा, नामांतरण आदि के बारे वर्तमान स्वामी के बारे में राजस्व विभाग को जानकारी ही नहीं है। इससे न केवल शासन को राजस्व ही हानि हो रही है, बल्कि स्वामित्व अंतरण की स्थिति में होने वाली रजिस्ट्री पर भी सही स्टाम्प ड्यूटी अदा नहीं हो रही है। इससे भी शासन को राजस्व का नुकसान हो रहा है।

अन्य योजनाओं को प्राथमिकता – विभाग के सूत्र बताते हैं कि जिले का राजस्व अमला सरकार की अन्य योजनाओं को प्राथमिकता से पूरा करने में लगा है, इसलिए राजस्व संबंधी कार्यों के लिए समय ही नहीं दे पा रहा है। उधर, नामांतरण, बंटाकन आदि कार्यों के लिए भी लोगों को तहसील कार्यालयों में परेशान होते देखा जा सकता है। उनके ये कार्य नहीं हो पा रहे हैं, इससे भी शासन को राजस्व का नुकसान हो रहा है।